सूर्योदय 6:35 सूर्यास्त 5:35

आज का तापमान

शिमला	10.5 न्यू	19.5 अधि
धर्मशाला	12.5 न्यू	22.0 अधि

बाजार

सेंसेक्स	74,151.04
निफ्टी	22,936.75

सोना 1,42, 000 चांदी 1,90, 000

भारतेन्दु शिखर

हिमाचल, चंडीगढ़, पंजाब, उत्तर प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, जम्मू व उत्तराखंड में प्रसारित

आरएनआई नं. HPHIN/2000/02437 | शिमला | शुक्रवार, 30 अक्तूबर 2026 | 14 कार्तिक, विक्रमी संवत 2083 | वर्ष 28, अंक 184, कुल पृष्ठ 12 | मूल्य : 5 रुपए | info@bhartendushikhar.com | 8894677702

न्यूज शॉर्ट्स

आर्मेनिया की संसद में चले लात और घूंसे

एजेंसी, येरेवान। आर्मेनिया की संसद में गुरुवार को सत्तारूढ़ दल और विपक्षी सांसदों के बीच मारपीट हो गई। विवाद महिलाओं पर दिए गए विवादित बयान से शुरू हुआ था। सत्तारूढ़ पार्टी के सांसद तारोन चखोयान ने विपक्षी नेता नारेक कारापेटयन से माफी मांगने के लिए कहा था। उन्होंने कारापेटयन के परिवार को लेकर भी बयान दिया था। इससे नाराज विपक्षी सांसद स्पीकर के पोडियम की ओर बढ़े। देखते ही देखते बहस मारपीट में बदल गई। मारपीट के दौरान एक सांसद को फर्श पर गिरा दिया गया। इस मारपीट के बाद पूरे कॉरिडोर में हालात बहुत तनावपूर्ण हो गया। घटना के बाद संसद की कार्यवाही रोकनी पड़ी।

रूस का यूक्रेन के रेलवे स्टेशन पर हमला, 13 की मौत

एजेंसी, कीव। यूक्रेन के मध्य में स्थित निप्रो शहर में वीरवार सुबह रूसी ड्रोन ने रेलवे स्टेशन पर हमला किया। अधिकारियों के मुताबिक, हमले में 13 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 अन्य घायल हुए हैं। शहर के मेयर बोरिस फिलातोव ने कहा कि ड्रोन ने यात्रियों को ले जाने वाली इलेक्ट्रिक ट्रेन को निशाना बनाया। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने हमले को भयावह बताया। उन्होंने रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने की मांग की, ताकि ऐसे हमलों को रोका जा सके।

ओडिशा में साइक्लोन से बाढ़ 300 गांवों में लोग फंसे

एजेंसी, जयपुर। बंगाल की खाड़ी से उठा चक्रवाती तूफान अर्नब भले ही कमजोर पड़ गया है, लेकिन देश भर में इसका असर जारी है। चक्रवात ने सबसे ज्यादा ओडिशा और आंध्र प्रदेश में तबाही मचाई है। दोनों राज्यों में करीब 6 लोगों की मौत हुई है। ओडिशा के गंजाम जिले में लगातार 4 दिनों से भारी बारिश हो रही है। करीब 300 गांवों में बाढ़ आ गई है। राज्य सरकार इन इलाकों में फंसे लोगों को हेलिकॉप्टर से निकालने की तैयारी कर रही है। राज्य में अब तक करीब 30 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। वहीं, आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले में एक रेलवे पुल पानी में डूब गया है, जिसके चलते दोनों ओर से ट्रेनों की आवाजाही रोक दी गई है। प्रशासन फंसे यात्रियों को सड़क के रास्ते निकालने की तैयारी कर रहा है। ओडिशा और आंध्र प्रदेश के कई इलाकों में हजारों पेड़ गिर गए हैं। कई पुल और सड़कें भी बह गई हैं।

सीबीएसई 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा में 5 सब्जेक्ट अनिवार्य

एजेंसी, नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड ने वीरवार को 2028 की 10वीं बोर्ड परीक्षा का पैटर्न बताया। इसके तहत छात्रों के लिए बोर्ड परीक्षा में 5 सब्जेक्ट अनिवार्य होंगे। इसके अलावा वे एक अतिरिक्त स्किल सब्जेक्ट चुन सकेंगे। इस सब्जेक्ट से मैथ, साइंस या सोशल साइंस में फेल होने पर भी छात्रों को परीक्षा पास करने में मदद मिल सकती है। बोर्ड ने यह भी बताया कि इंटरडिसिप्लिनरी एरिया और कम्प्यूटेशनल थिंकिंग व आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के मॉड्यूल स्टडी स्कीम में शामिल नहीं होंगे। यह बदलाव उन छात्रों पर लागू होगा, जो 2026-27 में 9वीं कक्षा में पढ़ रहे हैं और 2028 में 10वीं की बोर्ड परीक्षा देंगे। इससे मौजूदा 10वीं कक्षा के छात्रों पर कोई असर नहीं पड़ेगा।

मोबाइल को दीवार पर मारें और डिजिटल अरेस्ट खत्म : सीजेआई

कहा- जागरूकता के बावजूद लोग क्यों फंस रहे; 2026 में 800 करोड़ से ज्यादा की ठगी

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने डिजिटल अरेस्ट के बढ़ते मामलों पर वीरवार को चिंता जताई। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जागरूकता अभियान और लगातार खबरें आने के बावजूद शिक्षित लोग भी इन घोटालों का शिकार कैसे हो रहे हैं।

सीजेआई सूर्यकांत ने कहा- हम हैरान हैं कि लोग समझ क्यों नहीं रहे हैं? पीड़ितों के साथ क्या गलत है? क्या वे सामान्य लोग नहीं हैं? ये बात मीडिया में हर जगह है। अगर आपको लगता है कि आप मोबाइल पर अरेस्ट हो रहे हैं, तो मोबाइल को दीवार पर मारें और गिरफ्तारी खत्म हो जाएगी। 2026 में देश में डिजिटल अरेस्ट के 22 हजार से ज्यादा मामले दर्ज हुए। साइबर अपराधियों ने लोगों से 800 करोड़ रुपए से ज्यादा की ठगी की है। वहीं, 2025 में डिजिटल अरेस्ट के 58,239 केस सामने आए थे और करीब 1211 करोड़ रुपए की रकम ठगी गई थी। सुनवाई के दौरान अदालत ने कहा कि केवल घटना के बाद रिपोर्ट तैयार करना पर्याप्त नहीं है, ठगी को रोकने के लिए पहले से इंतजाम जरूरी हैं, अगर बैंक की लापरवाही के कारण साइबर ठगी होती है, तो बैंक पीड़ित को मुआवजा दें और जिम्मेदारी तय होने पर कार्रवाई का सामना करें। यह अभी प्रस्ताव है, अंतिम आदेश नहीं। खाते में असामान्य लेन-देन होने पर बैंक उसे वेरिफाई तक अस्थायी रूप से क्यों नहीं रोक सकते। संदिग्ध ट्रांजैक्शन की जांच और उसकी जानकारी स्थानीय पुलिस को दी जाए। आरबीआई के प्रस्तावित नियमों में उन मामलों में पीड़ितों को मुआवजा देने का प्रावधान होना चाहिए, जहां वित्तीय संस्थान जरूरी सावधानी बरतने में विफल रहे हों। अदालत ने आरीबीआई से अधिकृत वित्तीय संस्थानों की सूची भी मांगी। सुप्रीम कोर्ट ने आरबीआई से प्रस्तावित केवाईसी संशोधन निर्देश, 2026 की समीक्षा करने और सभी अधिकृत वित्तीय संस्थानों की सूची पेश करने को कहा।



◆ बैंक डिजिटल अरेस्ट की जिम्मेदारी क्यों नहीं लेते, अगर उनकी लापरवाही तो हर्जाना दें

पीड़ित मानसिक दबाव में दे देते हैं रुपए

एमिकस क्यूरी और सीनियर एडवोकेट एनएस नप्पिनई ने बताया कि हाल ही में एक महिला से डिजिटल अरेस्ट के नाम पर 2.5 करोड़ रुपए की ठगी हुई। उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के डर से लोग मानसिक दबाव में आकर ठगों के निर्देश मान लेते हैं और अपनी जमा-पूंजी गंवा बैठते हैं।

इजराइल चुनाव में विदेशी दखल के जांच के आदेश

एजेंसी, तेल अवीव। इजराइल में 27 अक्तूबर को हुए संसदीय चुनाव में विदेशी दखल की आशंका जताई गई है।

चुनाव आयोग ने जांच एजेंसी 'शिन बेट' को मामले की जांच के आदेश दिए हैं। द टाइम्स ऑफ इजराइल के मुताबिक, एजेंसी एक हफ्ते में जांच रिपोर्ट सौंपेगी। प्रधानमंत्री नेतन्याहू की लिकुड पार्टी को शक है कि कतर और तुर्किये से इजराइल और वेस्ट बैंक में पैसे भेजे गए। इनका इस्तेमाल अरब नागरिकों की फंडिंग के लिए किया गया। चुनाव खत्म होने के बाद दूसरे दिन सभी बैलट वोट की गिनती पूरी हो चुकी है, अब सिर्फ दोहरे लिफाफों के वोटों की गिनती बाकी है। प्रधानमंत्री नेतन्याहू और विपक्षी नेता आइजनकोट दोनों बहुमत से दूर हैं, अब तक नेतन्याहू के गठबंधन को 53 सीटें, जबकि विपक्षी गठबंधन को 48 सीटें मिलती दिख रही हैं। वहीं, अरब पार्टियों को कुल 19 सीटें मिलने का अनुमान है। चुनाव आयोग ने चुनाव में बड़े पैमाने पर धांधली के आरोपों को बेबुनियाद बताया है। आयोग के कार्यवाहक महानिदेशक डीन लिवने ने कहा कि चुनाव कानून के मुताबिक हुआ और अब तक गड़बड़ी के कोई सबूत नहीं मिले हैं।

◆ कतर-तुर्किये से फंडिंग का शक
◆ बैलट वोटों की गिनती पूरी

कतर ने आरोपों को बेतुका बताया

कतर ने इजराइल के चुनाव में दखल देने और अरब वोट बढ़ाने के लिए पैसा देने के आरोपों को खारिज किया है। कतर के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता माजिद अल अंसारी ने इन आरोपों को बेतुका और खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि इजराइली नेता अपनी राजनीतिक नाकामी का दोष कतर पर डाल रहे हैं। अंसारी ने एक्स पर पोस्ट कर आरोप लगाया कि कुछ इजराइली नेता और मीडिया से जुड़े लोग गलत जानकारी फैलाकर कतर को अपने राजनीतिक विवादों में घसीट रहे हैं।

इंडिया ब्लॉक की 1 नवंबर की रैली को सीजेपी का समर्थन

एजेंसी, नई दिल्ली। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने इंडिया ब्लॉक की 1 नवंबर की रैली का समर्थन किया है। सीजेपी नेता आशुतोष रांका ने कहा कि पार्टी समर्थक रामलीला मैदान में होने वाली रैली में शामिल हो सकते हैं। सीजेपी ने इंडिया ब्लॉक में शामिल होने के संकेत भी दिए हैं। इस पर कार्यकर्ताओं से फीडबैक मांगा है। वहीं, राहुल गांधी ने वीरवार को छात्र संगठनों से भी 1 नवंबर के दिल्ली चलो मार्च में आने की अपील की है। उन्होंने एक्स पर वीडियो जारी कर कहा कि पुलिस-लाठीचार्ज की चिंता नहीं करें। घबराने की जरूरत नहीं है। इस रैली की तैयारियों को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के घर पर इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई। इसमें प्रियंका गांधी समेत गठबंधन के कई नेता पहुंचे। इंडिया ब्लॉक और सीजेपी दोनों ही एसआईआर और वोटरों के नाम काटे जाने के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। साथ ही मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पूछा-100 फीसदी एथेनॉल ईंधन की सप्लाई कैसे होगी

एजेंसी, नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने वीरवार को केंद्र सरकार से पूछा कि 100% एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों की मंजूरी के बाद ईंधन की सप्लाई कैसे होगी।

कोर्ट इथेनॉल सप्लाई ईयर (ESY) 2025-26 से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई कर रहा था। बेंच ने हाल की मीडिया रिपोर्ट्स का हवाला देते हुए यह सवाल पूछा। 26 अक्तूबर को सड़क परिवहन मंत्रालय ने केंद्रीय मोटर वाहन नियम 1989 में बदलाव की अधिसूचना जारी की थी। इससे ई-100 यानी लगभग शुद्ध एथेनॉल पर चलने वाली फ्लेक्स-फ्यूल गाड़ियों को मंजूरी मिली। 27 अक्तूबर को पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा था कि केंद्र की फिलहाल पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण 20% से आगे बढ़ाने की कोई तत्काल योजना नहीं है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने कहा, 'परसों हमने कुछ अखबारों में पढ़ा कि 100% एथेनॉल से चलने वाली गाड़ियों को मंजूरी दी गई है।' बेंच ने पूछा, 'सैद्धांतिक तौर पर हम जानना चाहते हैं कि अगर 100% एथेनॉल वाली गाड़ियों की अनुमति दी गई है, तो इसकी सप्लाई कैसे की जाएगी?' अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमणी ने कोर्ट के सवाल का जवाब देते हुए कहा, 'इसके लिए बड़े पैमाने पर मैन्युफैक्चरिंग व्यवस्था में बदलाव करना होगा।'



◆ केंद्र बोला- बड़े पैमाने पर बदलाव करना होगा

जगराओं में मुख्यमंत्री भगवंत मान की मजीठिया को दो टूक, बोले-

40 हजार पन्नों की चार्जशीट, अब बचना मुश्किल

एजेंसी, लुधियाना। पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान जगराओं क्षेत्र के गांव कमालपुरा पहुंचें। सीएम मान यहां लोक मिलनी कार्यक्रम के दौरान लोगों से सीधा संवाद किया और उनकी समस्याएं सुनी।

मान को सुनने के लिए सैकड़ों लोग मौजूद रहे। मान ने जमकर विरोधियों को घेरा और महिलाओं को प्रत्येक महीने आने वाले पैसों को लेकर भी बातचीत की। मान ने कहा कि शिअद नेता बिक्रम मजीठिया को भी घेरा। मान ने मजीठिया को लेकर कहा कि उनके खिलाफ 40 हजार पन्नों की चार्जशीट दायर हुई है अब उनका बचना मुश्किल है। सीएम भगवंत मान ने कहा कि आज गांव कमालपुरा आया हूं। इस गांव में अब तक विकास कार्यों पर साढ़े 4 करोड़ रुपए खर्च किए जा चुके हैं। आज गांव के विकास के लिए 51 लाख रुपए की अतिरिक्त ग्रांट देने आया हूं। गांव के सरपंच को 51 लाख रुपए का चेक सौंप दिया है। इससे छप्पड़ों का निर्माण और इंटरलॉकिंग टाइलों से संबंधित काम करवाए जाएंगे।

पहले कैप्टन और बादल की सरकारों में 50 हजार रुपए की ग्रांट दी जाती थी, लेकिन उसमें से 30 से 35 हजार रुपए तो यह पता लगाने में लग जाते थे कि पैसा कहां गया। हमारी सरकार ने 51 लाख रुपए गांव के खाते में डलवाए हैं। सरपंच गांव के लोगों से सलाह करके तय करेगा कि सबसे जरूरी काम कौन-सा है और किस काम पर पैसा खर्च करना है। यह पैसा मेरा नहीं, बल्कि जनता का है। लोग टैक्स भरते हैं और उन्हीं का पैसा विकास पर खर्च किया जा रहा है।



मान ने कहा कि पंजाब पहले जनरलों और करनलों के नाम से जाना जाता था। गिद्दा और भंगड़ा पंजाब की पहचान थे, लेकिन विरोधियों ने पंजाब को चिट्टे और नशे के टीकों के लिए मशहूर कर दिया। कल बिक्रम सिंह मजीठिया के खिलाफ 40 हजार पन्नों की चार्जशीट दाखिल की गई है। मैं शर्त लगाकर कहता हूं कि अब वह बच नहीं सकता। उन्होंने कहा कि इन लोगों ने पंजाब को बहुत दुखी कर लिया है। पता नहीं, ये नेता इतना पैसा अपने साथ लेकर कहां जाएंगे। गांवों के लोगों को एकजुट रहना चाहिए, तभी गांव तरक्की करते हैं।

◆ पंजाब को नशे के लिए बदनाम करने का आरोप

हिमाचल के 5 और सरकारी स्कूलों में शुरू होगी सीबीएसई की पढ़ाई

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश के पांच और सरकारी स्कूलों में केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के तहत पढ़ाई शुरू होगी। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की घोषणा के बाद स्कूल शिक्षा निदेशालय ने इन स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध करने की प्रक्रिया तेज कर दी है। शैक्षणिक सत्र 2027-28 से इन स्कूलों में सीबीएसई की कक्षाएं शुरू करने का लक्ष्य रखा गया है। इससे पांचों स्कूलों के 1,371 विद्यार्थियों को लाभ मिलेगा। अभी राज्य में 151 सरकारी स्कूल सीबीएसई से संबद्ध हैं।

सीबीएसई से संबद्ध किए जाने वाले इन स्कूलों में शिमला जिले के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय चिड़गांव, धमवाड़ी, जांगला और तकलेच शामिल हैं। इसके अलावा किन्नौर जिले के कल्पा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय को भी इस योजना में शामिल किया गया है।



मुख्यमंत्री सुक्खू ने रोहड़ू, रामपुर और किन्नौर के दौरे के दौरान इन स्कूलों को सीबीएसई से जोड़ने की घोषणा की थी। इसके बाद मुख्यमंत्री कार्यालय ने शिक्षा सचिव को इस संबंध में तत्काल कार्रवाई करने और अनुपालना रिपोर्ट भेजने के निर्देश दिए। अब स्कूल शिक्षा निदेशालय ने पांचों स्कूलों को सीबीएसई से संबद्ध करने के लिए स्वीकृति देने का आग्रह किया है।

◆ हिमाचल के 1,371 विद्यार्थियों को मिलेगा लाभ

हरियाणा सरकार ने दिवाली से पहले गन्ने के रेट बढ़ाए, इस बार 430 रुपए, अगले साल 450 मिलेंगे

एजेंसी, चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने दिवाली से पहले किसानों को सौगात देते हुए गन्ने के रेट में बढ़ोतरी कर दी है। सीएम नायब सिंह सैनी ने वीरवार को इसकी घोषणा की।

उन्होंने बताया कि सरकार ने गन्ने का भाव अगले दो वर्षों के लिए 415 रुपए प्रति क्विंटल से बढ़ाकर 450 प्रति क्विंटल कर दिया है। वर्ष 2026-27 के लिए गन्ने का भाव 430 रुपए प्रति क्विंटल तय किया गया है, जो कि पिछले वर्ष की तुलना में 15 रुपए अधिक है। वहीं, अगले वर्ष 2027-28 के लिए यह दर 450 रुपए प्रति क्विंटल होगी। कुल बढ़ोतरी 35 रुपए बताई। हालांकि, हरियाणा सरकार द्वारा की गई यह बढ़ोतरी चुनावी वर्ष 2027 में कदम रख रहे पड़ोसी राज्य पंजाब से अब भी कम है। पंजाब में राज्य सरकार द्वारा तय कीमत (SAP) 416 रुपए प्रति क्विंटल है, जिसके साथ 68.50 रुपए प्रति क्विंटल की सीधी सब्सिडी भी दी जा रही है। यह सब्सिडी, जो प्राइवेट मिलों की ओर से सीधे किसानों को दी जाती है। यानी पंजाब के किसानों को गन्ने का कुल रेट 484.50 रुपए प्रति क्विंटल मिल रहा है।

सीएम ने बताया कि पेराई सत्र 2025-26 के लिए हरियाणा में गन्ने का 415 रुपये प्रति क्विंटल था। 2026-27 के लिए इसे 15 रुपए बढ़ाकर 430 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है।

अगले साल 2027-28 में 20 रुपए बढ़ोतरी के साथ किसानों को गन्ने का रेट 450 रुपए प्रति क्विंटल मिलेगा। सीएम ने कहा कि गन्ने की पैदावार बढ़ाने के लिए किसानों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से सरकार ने यह फैसला लिया है।

मुलाकात में किसानों ने की थी भाव बढ़ाने की डिमांड



सीएम नायब सिंह जी ने कहा कि पिछले दिनों में कई किसान संगठनों से मिला। किसानों ने चिंता व्यक्त करते हुए गन्ने का भाव बढ़ाने की डिमांड की थी। रेट बढ़ने से किसान गन्ने की खेती करने के लिए प्रोत्साहित होगा क्योंकि गन्ने का क्षेत्रफल घट रहा था और शुगर मिल पूरी क्षमता से नहीं चल पा रही थी, क्योंकि पहले ही ये घोषणा हो गई तो किसान खेती बढ़ाएंगे।

अमेजन ने 250 कर्मियों को नौकरी से निकाला

एजेंसी, न्यूयॉर्क। टेक और ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन ने अपने डिवाइसेज और सर्विसेज यूनिट से करीब 250 कर्मचारियों को नौकरी से निकाल दिया है। रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, कंपनी ने इस छंटनी की पुष्टि कर दी है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब कंपनी ने हाल ही में नए किंडल ई-रीडर्स, टैबलेट्स और 5 नए एलेक्सा-पावर्ड स्मार्ट डिवाइसेज लॉन्च किए हैं। निकाले गए कर्मचारियों में सबसे ज्यादा असर सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट टीम के लोगों पर पड़ा है। हालांकि ये छंटनी कहां की गई है ये अभी पता नहीं चला है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, कर्मचारियों को 28 अक्टूबर की सुबह ईमेल और टेक्स्ट मैसेज के जरिए छंटनी की जानकारी दी गई। यह मेल डिवाइसेज और सर्विसेज यूनिट की एचआर वाइस प्रेसिडेंट चेरी रॉबिन्सन की तरफ से भेजा गया था।

हिमालय संरक्षण और देवभूमि के सम्मान को आगे बढ़ाना सामूहिक जिम्मेदारी : मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

एजेंसी, देहरादून। देहरादून के थानों स्थित 'लेखक गांव' में आयोजित अंतरराष्ट्रीय साहित्य, संस्कृति व कला महोत्सव का भव्य समापन हो गया।

इस समापन समारोह में मुख्यातिथि के रूप में उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी पहुंचे। मुख्यमंत्री धामी ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि लेखक गांव केवल एक स्थान नहीं, बल्कि साहित्य, संस्कृति, कला और हिमालय की चेतना का एक अनोखा संगम है। 25 से 29 अक्तूबर तक चले इस 5 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय महोत्सव का शुभारंभ उत्तराखंड के राज्यपाल ने किया था, जिसका समापन सीएम धामी के संबोधन के साथ हुआ। कार्यक्रम में विभिन्न देशों से आए साहित्यकार, शोधार्थी और सांस्कृतिक हस्तियां मौजूद रहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार राज्य की सांस्कृतिक अस्मिता, लोक-परंपराओं और विशिष्ट पहचान को अक्षुण्ण रखने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। युवा पीढ़ी को अपनी समृद्ध जड़ों और साहित्य से जोड़ना समय की मांग है। पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' के प्रयासों की सराहना करते हुए सीएम ने कहा कि 'लेखक गांव' की परिकल्पना से देश-दुनिया के साहित्यकारों और विचारकों को एक वैश्विक मंच मिला है। महोत्सव में 60 से अधिक देशों के साहित्यकारों और विचारकों की भागीदारी पर खुशी जताते हुए उन्होंने कहा कि यह आयोजन भारतीय भाषाओं और विशेष रूप से हिंदी व स्थानीय बोलियों को विश्व पटल पर स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होगा।



स्पीड, स्केल और कनेक्टिविटी के मंत्र ने बदली उप्र की तस्वीर : मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी, लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म 'एक्स' के जरिए प्रदेशवासियों को 2017 के पश्चात सड़क, रेल, मेट्रो व एयर कनेक्टिविटी की बढ़ोतरी से अवगत कराया।

उन्होंने कहा कि स्पीड, स्केल और कनेक्टिविटी के मंत्र ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि सड़क, रेल और हवाई संपर्क केवल दूरियां नहीं घटाते, बल्कि ये सुविधा, समय की बचत और समृद्धि की नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में विकास की इन जीवन रेखाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय थी। मुख्यमंत्री ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने स्पीड, स्केल और कनेक्टिविटी के मंत्र से इस तस्वीर को बदला है। भाजपा की डबल इंजन सरकार बनने से पहले देश की सबसे बड़ी आबादी वाले प्रदेश में मात्र डेढ़ एक्सप्रेस-वे थे। आज प्रदेश में 10 एक्सप्रेस-वे संचालित हैं। तब हवाई सेवाएं चुनिंदा शहरों तक सिमटी थीं लेकिन आज 12 घरेलू और पांच अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों से प्रदेश की उड़ान नई ऊंचाइयों पर है। तब प्रदेश के एक भी शहर में मेट्रो नहीं चलती थी। वहीं, आज सात शहरों में मेट्रो जनजीवन को नई गति दे रही है।

हर क्षेत्र को अवसर, हर परिवार में खुशहाली ही नए उत्तर प्रदेश की पहचान : सीएम



मुख्यमंत्री ने बताया कि इस परिवर्तन से किसान की उपज को बड़ा बाजार और उद्यमिता को नए अवसर मिल रहे हैं। युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार तक पहुंच सुगम हो रही है। कामकाजी लोगों का समय बच रहा है। पर्यटन का विस्तार भी हो रहा है, जिससे स्थानीय परिवारों की आजीविका को नई शक्ति मिल रही है। विकास की यह गति आज गांव से कस्बे और कस्बे से शहर तक नागरिकों के जीवन को बदल रही है। हर क्षेत्र को अवसर, हर उद्यम को सामर्थ्य और हर परिवार के जीवन में बढ़ती खुशहाली 'नए भारत' के 'नए उत्तर प्रदेश' की नई पहचान है।

◆ 2017 के पश्चात सड़क, रेल, हवाई संपर्क की अभूतपूर्व बढ़ोतरी से कराया अवगत

सवाल राजकीय बहुतकनीकी संस्थान को साढ़े तीन करोड़ ग्रांट मिलने का दावा फर्जी या बहुत बड़ी गलती?

वेबसाइट पर उपलब्धि का किया गया बखान, रक्षा विभाग ने किया इनकार

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। सेना के लिए ड्रोन विकसित करने के प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में आए राजकीय बहुतकनीकी संस्थान में अध्यनरत कंप्युटर इंजीनियरिंग में पांचवें समेस्टर के छात्र सर्वेश शर्मा का कॉलेज की तीसरी मंजिल से गिरना बेशक बेहद दुखद एवं गंभीर बात है, लेकिन उसके गिरने के बाद जो बात सामने आई है, उससे संस्थान कथित पोल भी खुलती सामने आने लगी है।

ड्रोन विकसित करने को लेकर बेवसाईट रुद्र एज टी.1 (स्पेक्ट्रा) पर संबंधित छात्र को साढ़े तीन करोड़ की ग्रांट तक मिलने का दावा किया गया, लेकिन रक्षा विभाग के जनसंपर्क अधिकारी ने संबंधित राशी जारी करने से ही इंकार कर दिया है, जबकि वेबसाइट पर इसका बखान दर्ज हो गया, लेकिन अब रक्षा विभाग के खंडन ने इस पूरे दावे की बुनियाद पर ही सवाल खड़े कर दिए हैं। बतातें चलें कि वेबसाइट पर छात्र सर्वेश शर्मा को रक्षा मंत्रालय से 3.50 करोड़ रुपए की ग्रांट मिलने का उल्लेख है, जबकि रक्षा जनसंपर्क अधिकारी का कहना है कि ऐसी कोई ग्रांट दी ही नहीं गई। वेबसाइट रुद्र एज टी.1 (स्पेक्ट्रा) ड्रोन विकसित करने के लिए ग्रांट मिलने और राज्यपाल की ओर से सम्मानित किए जाने का उल्लेख है। यही नहीं राज्यपाल सचिवालय की वेबसाइट पर भी 23 सितंबर को इस उपलब्धि से जुड़ा विवरण प्रकाशित होने की बात सामने आई, लेकिन 28 अक्तूबर को रक्षा नवाचार संगठन (डीआईओ) की पहल इनोवेशन फॉर डिफेंस एक्सीलेंस (आईडेक्स) के आधिकारिक एक्स हैंडल से खंडन किए जाने की सूचना सामने आई। चंडीगढ़ के रक्षा जनसंपर्क अधिकारी शैलेश फाये ने भी ग्रांट दिए जाने से इनकार करते हुए खबरों को फर्जी बताया।

इसी बीच सर्वेश शर्मा की संस्थान की तीसरी मंजिल से गिरने का मामला सामने आया, जिससे इस सारे प्रकरण को चर्चा मे लाकर कई प्रशन खड़ें कर दिए है। छात्र को साढ़े तीन करोड़ का पैकेज मिलने व उसके गिरने के दोनों मामलों के बीच कोई संबध है या नहीं ये सच्चाई तो जांच के बाद ही सामने आ पाएगी लेकिन इस पुरे प्रकरण ने सरकारी शिक्षण संस्थान की कार्यप्रणाली को खटघरे मे खड़ा कर दिया है।



रक्षा विभाग ग्रांट देने से कर रहा इंकार, तो संस्थान की बेवसाईट पर कैसे हुआ उल्लेख

ऐसे में प्रश्न ये भी है कि जब रक्षा विभाग ग्रांट देने से इनकार कर रहा है, तो संस्थान की आधिकारिक वेबसाइट पर यह उपलब्धि किस आधार पर दर्ज हुई, जबकि यह संस्थान की ओर से सार्वजनिक रूप से प्रस्तुत किया गया आधिकारिक दावा है। इतनी बड़ी उपलब्धि संस्थान के आधिकारिक रिकॉर्ड तक कैसे पहुंची। फिलहाल सर्वेश का उपचार पीजीआई चंडीगढ़ में चल रहा है और हमीरपुर पुलिस सारे प्रकरण की गहनता से जांच कर रही है।

उधर, रक्षा जनसंपर्क अधिकारी स्थित चंडीगढ़ ने बताया कि राजकीय बहुतकनीकी महाविद्यालय हमीरपुर के छात्र सर्वेश शर्मा को स्वदेशी ड्रोन विकसित करने के लिए रक्षा मंत्रालय की ओर से 3.50 करोड़ रुपए की कोई ग्रांट नहीं दी गई है। ये खबरें फर्जी है, आईडेक्स पर इसकी पुष्टि की गई है।

संस्थान के प्रधानाचार्य चंद्र शेखर ने बताया कि ऐसा कुछ भी संस्थान की बेवसाईट पर नहीं है। इस छात्र के पास रक्षा विभाग के पत्र तो जरूर रहे हैं, लेकिन इस बारे वो किसी से ज्यादा कुछ नहीं बताता था।

उधर पुलिस अधीक्षक बलवीर ठाकुर ने बताया कि उक्त मामले को लेकर धोखाधड़ी से संबंधित मामला दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है।

हिमाचल में डॉक्टरों की पेन-डाउन हड़ताल तय

लंबित मांगों पर अड़े डॉक्टर, पांच नवंबर को सचिवालय तक निकालेंगे मार्च

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में सरकारी चिकित्सा और दंत चिकित्सा महाविद्यालयों के डॉक्टरों के आंदोलन से स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। राज्य चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालय शिक्षक संघ (एसएएमडीसीओटी) ने दो से चार नवंबर तक रोजाना डेढ़ घंटे की पेन-डाउन हड़ताल करने का निर्णय लिया है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि चार नवंबर तक सरकार ने मांगों पर बातचीत शुरू नहीं की या कोई ठोस निर्णय नहीं लिया, तो पांच नवंबर को शिक्षक सामूहिक आकस्मिक अवकाश पर रहेंगे। इसी दिन शिमला में राज्य सचिवालय तक विरोध मार्च भी निकाला जाएगा।

संघ ने बुधवार शाम आयोजित आपातकालीन आम सभा की बैठक में सर्वसम्मति से आंदोलन का फैसला लिया। पदाधिकारियों के अनुसार चिकित्सा शिक्षकों की लंबे समय से लंबित मांगों पर सरकार की ओर से



संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई है। शिक्षकों ने सेवा शर्तों में कथित भेदभाव और सरकार के कुछ आदेशों पर भी आपत्ति जताई है। संघ ने इन आदेशों को मनमाना, प्रतिगामी और भेदभावपूर्ण बताते हुए इन्हें वापस लेने की मांग की है।

संघ का कहना है कि समस्याओं के समाधान के लिए कई बार सरकार के समक्ष पक्ष रखा गया, लेकिन अपेक्षित परिणाम नहीं मिले। ऐसे में शिक्षकों को चरणबद्ध आंदोलन का रास्ता अपनाना पड़ रहा है। संघ ने सरकार से विवादित आदेशों की समीक्षा कर लंबित मांगों पर जल्द निर्णय लेने की अपील की है।

घोषित कार्यक्रम के अनुसार प्रदेश के सभी सरकारी चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा महाविद्यालयों के शिक्षक दो, तीन और चार नवंबर को सुबह 9:30 से 11 बजे तक पेन-डाउन हड़ताल करेंगे। इस दौरान बाह्य रोगी विभाग (ओपीडी) समेत नियमित कामकाज प्रभावित हो सकता है। इससे अस्पतालों में उपचार के लिए आने वाले मरीजों को परेशानी होने की आशंका है।

हालांकि, संघ ने स्पष्ट किया है कि आंदोलन के दौरान आपातकालीन सेवाएं, ट्रॉमा सेवाएं और गहन चिकित्सा इकाइयों (आईसीयू) में उपचार जारी रहेगा। संघ ने संभावित असुविधा के लिए मरीजों से खेद जताते हुए कहा कि चिकित्सा शिक्षक स्वास्थ्य सेवाओं के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को समझते हैं और गंभीर मरीजों के उपचार को प्राथमिकता देंगे।

संघ ने सरकार को चार नवंबर तक का समय दिया है। मांगों पर सकारात्मक बातचीत नहीं होने या ठोस निर्णय नहीं लिए जाने की स्थिति में पांच नवंबर को सामूहिक आकस्मिक अवकाश लिया जाएगा। इस दिन प्रदेशभर के चिकित्सा और दंत चिकित्सा शिक्षक शिमला में एकत्र होकर राज्य सचिवालय तक विरोध मार्च निकालेंगे। इसके माध्यम से लंबित मांगों के समाधान और विवादित आदेशों को वापस लेने की मांग उठाई जाएगी।

रक्छम में महिलाओं ने रोपे 800 पौधे, वन संरक्षण और हरियाली बढ़ाने का संकल्प

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, रक्छम। राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के तहत वन्यप्राणी परिक्षेत्र सांगला के रक्छम-छितकुल वन्यजीव अभयारण्य की रक्छम वन बीट में शीतकालीन पौधरोपण अभियान आयोजित किया गया। महिला मंडल रक्छम के सहयोग से आयोजित इस अभियान में पंचायत क्षेत्र की 75 से अधिक महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अभियान के दौरान एक हेक्टेयर भूमि पर देवदार, चुली और बाह्मी प्रजातियों के कुल 800 पौधे रोपे गए।



राजीव गांधी वन संवर्धन योजना से महिलाओं को मिला रोजगार, बढ़ेगी हरियाली

कार्यक्रम में ग्राम पंचायत रक्छम की प्रधान सुनीला नेगी ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की, जबकि पंचायत समिति सदस्य कृष्णा नेगी विशिष्ट अतिथि के तौर पर उपस्थित रहीं। महिला मंडल की प्रधान शंकर देवी, महासचिव मीना नेगी, कोषाध्यक्ष कौशल्या नेगी, उपाध्यक्ष रेणुका तथा सदस्य उमा नेगी और फूलवंती सहित अन्य महिलाएं भी अभियान में शामिल हुईं।

इस अवसर पर रक्छम वन बीट के वन खंड अधिकारी संतोष कुमार ठाकुर ने अतिथियों और प्रतिभागियों का स्वागत किया। उन्होंने राजीव गांधी वन संवर्धन योजना के उद्देश्यों की जानकारी देते हुए वन संरक्षण, पौधरोपण और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में स्थानीय समुदाय की भूमिका पर प्रकाश डाला।

मुख्य अतिथि सुनीला नेगी ने कहा कि वनों के संरक्षण और संवर्धन के लिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि केवल पौधे लगाना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी नियमित देखभाल करना और उन्हें सुरक्षित रखना भी जरूरी है। पौधों को बच्चों की तरह पालकर ही उन्हें वृक्षों के रूप में विकसित किया जा सकता है।

उन्होंने वन विभाग का आभार जताते हुए कहा कि इस तरह की योजनाएं महिलाओं को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के साथ पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भागीदारी का अवसर भी देती हैं। यह अभियान महिला सशक्तीकरण, सामुदायिक सहभागिता और जैव विविधता के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। स्थानीय महिलाओं की भागीदारी से वन क्षेत्र में हरित आवरण बढ़ाने और वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को सुरक्षित रखने में मदद मिलेगी।

कांग्रेस महारैली के लिए हिमाचल से दिल्ली जाएंगी 156 बसें

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। दिल्ली के रामलीला मैदान में एक नवंबर को होने वाली कांग्रेस की 'वोट बचाओ-देश बचाओ' महारैली के चलते हिमाचल प्रदेश में 31 अक्टूबर से दो नवंबर तक बसों की कमी हो सकती है। महारैली में प्रदेश से हजारों कार्यकर्ताओं के शामिल होने की संभावना है। इसके लिए विभिन्न जिलों से 156 बसें बुक की गई हैं। ये बसें 31 अक्टूबर को कार्यकर्ताओं को लेकर दिल्ली रवाना होंगी और एक नवंबर की शाम वापस लौटेंगी। महारैली के लिए एचआरटीसी के मुकाबले निजी बसों की संख्या अधिक है। दूरदराज के क्षेत्रों से कार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचाने के लिए टेंपो ट्रैवलर भी उपलब्ध कराए जाएंगे। कई कार्यकर्ता निजी वाहनों से भी दिल्ली जाएंगे। यात्रियों को परेशानी से बचाने के लिए एचआरटीसी प्रबंधन ने वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं।

शिमला में फिट इंडिया फ्रीडम रन से दिया स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का संदेश



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, शिमला की ओर से 29 अक्तूबर को फिट इंडिया फ्रीडम रन 7.0 का आयोजन किया गया। इस वर्ष अभियान की थीम 'फिटनेस की डोज, आधा घंटा रोज' रखी गई है। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को शारीरिक गतिविधियों के प्रति जागरूक करना और दैनिक जीवन में व्यायाम को अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

फिट इंडिया फ्रीडम रन भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान के चौड़ा मैदान पार्किंग ग्राउंड से शुरू हुई। इसके बाद प्रतिभागी अवालॉज से होते हुए चौड़ा मैदान डाकघर पहुंचे और फिर वापस आरंभ स्थल पर आकर दौड़ संपन्न हुई।

इस आयोजन के माध्यम से लोगों को नियमित रूप से दौड़ने, पैदल चलने और अन्य शारीरिक गतिविधियों को दिनचर्या का हिस्सा बनाने का संदेश दिया गया। अभियान ने स्वस्थ जीवनशैली अपनाने और फिटनेस के प्रति जिम्मेदारी निभाने पर जोर दिया। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय की इस पहल का उद्देश्य समाज में स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति सकारात्मक जागरूकता बढ़ाना रहा।

हिमाचल के ऊंचे इलाकों में बर्फबारी, शिमला में बढ़ी ठंड

किन्नौर और लाहौल-स्पीति में हिमपात, कई जिलों में आंधी-बारिश का येलो अलर्ट जारी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश में पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम ने करवट ली है। राज्य के ऊंचे पहाड़ी क्षेत्रों में बर्फबारी होने से ठंड बढ़ गई है, जबकि राजधानी शिमला में सुबह अंधड़ के साथ हल्की बारिश हुई। किन्नौर, लाहौल-स्पीति और चंबा के अधिक ऊंचाई वाले इलाकों में हिमपात दर्ज किया गया है। जनजातीय क्षेत्रों में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे पहुंचने लगा है। मौसम विभाग ने आज कई जिलों में आंधी, बारिश और बिजली चमकने का येलो अलर्ट जारी किया है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में दो नवंबर तक बर्फबारी की संभावना जताई गई है।

ऊंचाई वाले इलाकों में ताजा बर्फबारी के बाद ठंड का असर तेज हो गया है। लाहौल-स्पीति जिले के कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 1.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो प्रदेश में सबसे कम रहा। यहां कड़ाके की ठंड के कारण प्राकृतिक जलस्रोतों का पानी जमना शुरू हो गया है। इसी जिले के ताबो में न्यूनतम तापमान 0.2 डिग्री सेल्सियस रहा। किन्नौर के कल्पा में 5.4 डिग्री और शिमला के कुफरी में 7.7 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। अन्य शहरों में भुंतर का न्यूनतम तापमान 9.4 डिग्री, मनाली में 9.9, सोलन में 10, शिमला में 11, ऊना में 11, सुंदरनगर में 10.9, बिलासपुर



◆ पश्चिमी विक्षोभ से बदला मौसम, जनजातीय क्षेत्रों में जमाव बिंदु से नीचे पहुंचा पारा

में 12.5 और मंडी में 12 डिग्री सेल्सियस रहा। पालमपुर में 11.5, कांगड़ा में 12.6, धर्मशाला में 15.2, नाहन में 14.6, जुब्बड़हट्टी में 14.5, बरठीं में 10.9 और भरमौर में 13 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। देहरा गोपीपुर में न्यूनतम तापमान 16, सराहन में 16.8 और पांवटा साहिब में 18 डिग्री सेल्सियस रहा। नाहन का तापमान सामान्य से 1.7 डिग्री और पालमपुर का 0.5 डिग्री कम दर्ज किया गया।

राजधानी शिमला में सुबह तेज हवाओं और हल्की बारिश से मौसम ठंडा हो गया। मौसम विभाग ने शिमला में 35 से 45 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चलने, बिजली चमकने और बारिश होने की चेतावनी जारी की है। किन्नौर और लाहौल-स्पीति में हल्की से मध्यम बर्फबारी की संभावना है। इन जिलों में भी तेज हवाएं चल सकती हैं।

चंबा, कांगड़ा, सोलन, शिमला और सिरमौर में आंधी, बिजली चमकने और बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है। अन्य जिलों में भी हल्की बारिश होने की संभावना है। मौसम में बदलाव से मैदानी और मध्यवर्ती क्षेत्रों में भी ठंड बढ़ सकती है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार आज कांगड़ा, कुल्लू, मंडी, शिमला और सिरमौर जिलों में मौसम खराब रह सकता है। इन क्षेत्रों में तेज हवाओं, बिजली चमकने और बारिश की आशंका है। वहीं, 31 अक्टूबर से दो नवंबर तक ऊंचाई वाले पहाड़ी क्षेत्रों में मौसम खराब रहने और बर्फबारी होने के आसार हैं। पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव आज और कल अधिक रहने की संभावना है। इसके बाद भी दो नवंबर तक प्रदेश के कई हिस्सों में मौसम खराब रह सकता है। मौसम विभाग के अनुसार तीन नवंबर को प्रदेश में मौसम साफ रहने का अनुमान है।

ठियोग में पुलिस की कार्रवाई, नौ ग्राम चिट्टे के साथ दो युवक गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। शिमला पुलिस ने नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ कार्रवाई करते हुए ठियोग क्षेत्र में दो युवकों को चिट्टे के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस की डिटेक्शन सेल टीम ने फागू कंट्रोल रूम के पास एक कार की तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से लगभग नौ ग्राम चिट्टा (हेरोइन) बरामद किया। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मामला दर्ज कर आगामी जांच शुरू कर दी है।



पुलिस के अनुसार, 29 अक्तूबर 2026 को गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई। पुलिस थाना ठियोग की डिटेक्शन सेल टीम ने फागू कंट्रोल रूम के नजदीक खड़ी एक कार को जांच के लिए रोका और उसकी तलाशी ली। इस दौरान कार में बैठे दो युवकों के कब्जे से लगभग नौ ग्राम चिट्टा बरामद हुआ।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सचिन वर्मा (27) और निखिल ठाकुर (26), दोनों निवासी ठियोग क्षेत्र, जिला शिमला के रूप में हुई है। पुलिस ने मादक पदार्थ की बरामदगी के बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया।

इस मामले में पुलिस थाना ठियोग में प्राथमिकी संख्या 158/2026 दर्ज की गई है। आरोपियों के खिलाफ स्वापक औषधि एवं मन:प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस एक्ट) की धारा 21 और 29 के तहत कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जाएगा। मामले में यह पता लगाने के लिए जांच जारी है कि बरामद नशीला पदार्थ कहां से लाया गया था और इसके पीछे किसी अन्य व्यक्ति की संलिप्तता तो नहीं है। शिमला पुलिस ने स्पष्ट किया है कि नशे के अवैध कारोबार के खिलाफ अभियान आगे भी जारी रहेगा।

हिमाचल हाईकोर्ट का फैसला, मुकदमे के दौरान जमीन खरीदने वालों को नहीं मिलेगा कानूनी संरक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने संपत्ति विवाद से जुड़े एक महत्वपूर्ण फैसले में स्पष्ट किया है कि अदालत में मुकदमा लंबित रहने के दौरान विवादित संपत्ति खरीदने वाले व्यक्ति को सद्भावी खरीदार होने के आधार पर कानूनी संरक्षण नहीं मिल सकता। ऐसे खरीदार पर 'लिस पेंडेंस' का सिद्धांत लागू होगा और वह मुकदमे में पारित अंतिम निर्णय से बंधा रहेगा, भले ही वह मूल मामले में पक्षकार न रहा हो। न्यायाधीश राकेश कैंथला ने ऊना जिले से संबंधित एक अपील खारिज करते हुए यह व्यवस्था दी।



◆ वाद दायर होते ही लागू होगा लिस पेंडेंस सिद्धांत, खरीदार को मानना होगा अंतिम फैसला

मामले के अनुसार, मूल वादी जगन्नाथ ने सरवानी देवी के खिलाफ चार हजार रुपये के प्रतिफल पर जमीन बेचने के समझौते का अनुपालन कराने के लिए दीवानी मुकदमा दायर किया था। अदालत ने जगन्नाथ के पक्ष में डिक्री पारित की। जब डिक्री के निष्पादन की प्रक्रिया शुरू हुई, तो प्रीतम सिंह और ज्ञान चंद ने आपत्ति दर्ज कराई। उनका दावा था कि उन्होंने सरवानी देवी से जून 1986 और अक्टूबर 1987 में रजिस्ट्री के माध्यम से जमीन खरीदी थी। उन्होंने स्वयं को बिना किसी जानकारी या नोटिस के संपत्ति का मालिक बताया।

न्यायालय के रिकॉर्ड के अनुसार, जगन्नाथ ने तीन जून 1986 को सुबह 10:15 बजे या उससे पहले मुकदमा दायर किया था। ज्ञान चंद के पक्ष में उसी दिन बाद में रजिस्ट्री हुई, जबकि प्रीतम सिंह ने अक्टूबर 1987 में जमीन खरीदी। इस प्रकार दोनों के संपत्ति खरीदने के दस्तावेज मुकदमा दायर होने के बाद के थे।

डिक्री के निष्पादन की कार्रवाई के दौरान एग्जीक्यूटिंग कोर्ट ने खरीदारों की आपत्तियां स्वीकार करते हुए खरीदी गई जमीन को छोड़कर शेष भूमि पर डिक्री लागू करने का आदेश दिया था। इसके बाद मामला ऊना की फास्ट ट्रैक कोर्ट में पहुंचा। प्रथम अपीलीय अदालत ने निचली अदालत का आदेश पलटते हुए कहा कि मुकदमा लंबित रहने के दौरान किए गए संपत्ति हस्तांतरण पर कानून के प्रावधान लागू होंगे। इसके बाद खरीदारों ने हाईकोर्ट में अपील दायर की। उनका तर्क था कि रजिस्ट्री के समय उन्हें किसी स्थगन आदेश की जानकारी नहीं थी और वे मूल मुकदमे में पक्षकार भी नहीं थे।

हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि संपत्ति हस्तांतरण अधिनियम की धारा 52 में वर्णित 'लिस पेंडेंस' का सिद्धांत अदालत द्वारा नोटिस जारी करने या स्थगन आदेश पारित करने के समय से नहीं, बल्कि मुकदमा दायर होते ही प्रभावी हो जाता है। इसलिए मुकदमा लंबित रहने के दौरान विवादित संपत्ति खरीदने वाले व्यक्ति को उसके परिणामों से बचने का अधिकार नहीं मिल सकता। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि सद्भावी खरीदार का संरक्षण उन सौदों के संदर्भ में लागू हो सकता है, जो मुकदमा दायर होने से पहले किए गए हों। मुकदमे के दौरान संपत्ति खरीदने वाले व्यक्ति को अंतिम निर्णय मानना होगा। हाईकोर्ट ने कहा कि मूल वादी के लिए मुकदमे के दौरान संपत्ति खरीदने वाले प्रत्येक नए व्यक्ति को पक्षकार बनाना अनिवार्य नहीं है। यदि ऐसा करना आवश्यक हो जाए, तो मुकदमेबाजी का अंत करना मुश्किल हो जाएगा।

दिवाली पर घर लौटने वालों को राहत, एचआरटीसी छह और सात नवंबर को चलाएगा 266 अतिरिक्त बसें

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। दिवाली पर घर लौटने वाले हिमाचल प्रदेश के लोगों की सुविधा के लिए हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) छह और सात नवंबर को 266 अतिरिक्त बस सेवाएं चलाएगा। ये बसें दिल्ली, चंडीगढ़ और बद्दी से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए संचालित होंगी। उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने यह जानकारी दी। त्योहार के दौरान यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए निगम ने यह विशेष व्यवस्था की है। इसका उद्देश्य दूसरे राज्यों और औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले हिमाचल के लोगों को घर पहुंचने के लिए अतिरिक्त परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना है।



◆ दिल्ली, चंडीगढ़ और बद्दी से हिमाचल के लिए अतिरिक्त बसें, दिवाली पर स्थानीय सेवाएं रहेंगी बंद

एचआरटीसी प्रबंधन के अनुसार छह नवंबर को 134 और सात नवंबर को 132 अतिरिक्त बस सेवाएं चलाई जाएंगी। इन दो दिनों में दिल्ली से 91, चंडीगढ़ से 132 और बद्दी से 43 बस सेवाएं संचालित होंगी। छह नवंबर को दिल्ली से 42, चंडीगढ़ से 69 और बद्दी से 23 बसें चलेंगी। वहीं, सात नवंबर को दिल्ली से 49, चंडीगढ़ से 63 और बद्दी से 20 अतिरिक्त बस सेवाएं उपलब्ध रहेंगी।

इन बसों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में जाने वाले यात्रियों को सुविधा मिलेगी। खासकर दिल्ली, चंडीगढ़ और बद्दी में नौकरी करने वाले लोगों को त्योहार से पहले घर लौटने के लिए अधिक विकल्प मिलेंगे। दिवाली के आसपास नियमित बसों में यात्रियों की संख्या बढ़ने से भीड़ की स्थिति बन जाती है। अतिरिक्त बसों के संचालन से यात्रियों का दबाव कम करने और यात्रा को सुगम बनाने में मदद मिलेगी।

निगम के अनुसार आठ नवंबर को दिवाली के अवसर पर शाम पांच बजे से नौ नवंबर की सुबह आठ बजे तक एचआरटीसी की सभी स्थानीय बस सेवाएं बंद रहेंगी। ऐसे में स्थानीय मार्गों पर यात्रा करने वाले लोगों को अपनी आवाजाही की योजना पहले से बनानी होगी। यात्रियों को सलाह दी गई है कि वे निर्धारित समय को ध्यान में रखते हुए जरूरी यात्रा पहले ही पूरी कर लें। हालांकि, लंबी दूरी के यात्रियों की सुविधा के लिए आठ नवंबर की शाम विशेष बस सेवाएं संचालित की जाएंगी। निगम दिल्ली से शिमला, धर्मशाला, कुल्लू, मंडी और चंबा जैसे प्रमुख स्थानों के लिए आने-जाने हेतु एक-एक बस सेवा चलाएगा। इससे दिवाली की शाम लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को परिवहन का विकल्प मिलेगा।

एचआरटीसी की ओर से यात्रियों को बसों की उपलब्धता, समय-सारिणी और बुकिंग संबंधी जानकारी के लिए निगम की आधिकारिक वेबसाइट देखने की सलाह दी गई है। त्योहार के दौरान यात्रा करने वाले लोग अपनी यात्रा की तारीख और समय पहले तय कर लें, ताकि अंतिम समय में परेशानी न हो।

जवाबदेही कैंसर दवाओं की कीमतों में कटौती सराही, स्वास्थ्य परियोजनाओं और आपदा राशि पर कांग्रेस से मांगा जवाब

रणधीर शर्मा ने स्वास्थ्य योजनाओं पर कांग्रेस सरकार को घेरा

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भाजपा विधायक एवं प्रदेश मीडिया प्रभारी रणधीर शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार ने कैंसर की दवाओं की कीमतों में कटौती कर देश के लाखों मरीजों और उनके परिवारों को बड़ी राहत प्रदान की है। उन्होंने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार व्यक्त किया। साथ ही उन्होंने हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर केंद्रीय योजनाओं के क्रियान्वयन में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया।

रणधीर शर्मा ने प्रेस वार्ता में बताया कि 27 अक्तूबर को जारी संशोधित मूल्य सूची के अनुसार 543 में से 397 कैंसर संबंधी दवाओं की अधिकतम खुदरा कीमतों में कमी की गई है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि पाल्बोसिक्लिब 125 एमजी की कीमत 40,421 रुपये से घटकर 2,730 रुपये रह गई है। इस तरह इसकी कीमत में



◆ आपदा पुनर्निर्माण के बजट और पंचायत निधियों के बंटवारे पर भाजपा विधायक ने मांगा हिसाब

लगभग 93.25 प्रतिशत की कमी हुई है। इसी प्रकार पाल्बोसिक्लिब 100 एमजी की कीमत 24,505 रुपये से घटकर 2,069 रुपये और थायोटेपा 100 एमजी की कीमत 80,072 रुपये से घटकर 7,150 रुपये हो गई है।

उन्होंने कहा कि कैंसर का इलाज महंगा होने के कारण कई परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। दवाओं की कीमतों में कमी से मरीजों पर इलाज का आर्थिक बोझ कम होगा। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से इस फैसले का स्वागत करने और भाजपा कार्यकर्ताओं से संशोधित कीमतों की जानकारी आम लोगों तक पहुंचाने की अपील की।

रणधीर शर्मा ने कहा कि केंद्र सरकार ने हिमाचल प्रदेश के मेडिकल कॉलेजों में 320 अतिरिक्त स्नातकोत्तर मेडिकल सीटों को मंजूरी दी है। इसके लिए लगभग 415 करोड़ रुपये की सहायता का प्रावधान किया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार केंद्र की उपलब्धियों का श्रेय स्वयं लेने का प्रयास कर रही है।

उन्होंने 1,422 करोड़ रुपये की जायका स्वास्थ्य परियोजना के क्रियान्वयन में अपेक्षित प्रगति नहीं होने का आरोप लगाते हुए कहा कि इसका लाभ प्रदेश की जनता तक पहुंचना चाहिए। उन्होंने पीएम-अभीम योजना के तहत क्रिटिकल केयर ब्लॉक और ब्लॉक सार्वजनिक स्वास्थ्य इकाइयों के निर्माण की धीमी गति पर भी सवाल उठाए। इसके अलावा, उन्होंने 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए स्वीकृत 521 करोड़ रुपये के समुचित उपयोग को लेकर भी सरकार से जवाब मांगा।

आपदा सहायता राशि के इस्तेमाल में पारदर्शिता की मांग

रणधीर शर्मा ने आपदा पुनर्निर्माण के लिए पीडीएनए के अंतर्गत स्वीकृत लगभग 2,006 करोड़ रुपये की राशि के उपयोग पर भी सवाल उठाए। उन्होंने आरोप लगाया कि कार्यों के आवंटन और भुगतान में पारदर्शिता सुनिश्चित नहीं की जा रही है। उन्होंने पांच-पांच लाख रुपये के कार्यों के आवंटन और भुगतान की जांच कराने की मांग की। रणधीर शर्मा ने 15वें वित्त आयोग के तहत पंचायतों को मिलने वाले अनुदानों के उपयोग पर भी आपत्ति जताई। उन्होंने आरोप लगाया कि पेयजल से संबंधित टाइड ग्रांट की राशि पंचायतों के बजाय जल शक्ति विभाग को सौंप दी गई और कुछ धनराशि का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों से अलग किया गया उन्होंने मांग की कि 16वें वित्त आयोग के तहत मिलने वाली राशि पंचायती राज संस्थाओं और शहरी निकायों के माध्यम से निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार खर्च की जाए। उन्होंने चेतावनी दी कि स्थानीय निकायों के वित्तीय अधिकारों की अनदेखी होने पर भाजपा जनप्रतिनिधियों के साथ आंदोलन करेगी। रणधीर शर्मा ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने और विकास परियोजनाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए सरकार को जवाबदेही सुनिश्चित करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि केंद्र से मिलने वाली वित्तीय सहायता का उपयोग निर्धारित उद्देश्यों के अनुरूप होना चाहिए, ताकि आम लोगों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। उन्होंने स्वास्थ्य संस्थानों में सुविधाओं के विस्तार, रोजगार के नए अवसर पैदा करने और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण कार्यों को गति देने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

चमियाणा अस्पताल में विभिन्न पदों पर भर्ती को सरकार की मंजूरी

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से शिमला स्थित अटल इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल सुपर स्पेशियलिटीज (एआईएमएसएस), चमियाणा में विभिन्न पदों के सृजन और उन्हें भरने की स्वीकृति प्रदान की है। सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि इस निर्णय का उद्देश्य अस्पताल में चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ और अन्य कर्मचारियों की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना है। इससे सुपर स्पेशियलिटी स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सा शिक्षा और क्लीनिकल सुविधाओं को मजबूती मिलेगी। सरकार ने अस्पताल के विभिन्न विभागों में नए पद सृजित करने के साथ ही इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज (आईजीएमसी), शिमला और एआईएमएसएस चमियाणा में स्वीकृत मौजूदा पदों के स्थानांतरण और पुनर्वितरण को भी मंजूरी दी है। क्रिटिकल केयर मेडिसिन विभाग में प्रोफेसर, एसोसिएट प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और सीनियर रेजिडेंट के पद स्वीकृत किए गए हैं। एनेस्थीसिया विभाग में प्रोफेसर का एक, एसोसिएट प्रोफेसर का एक, असिस्टेंट प्रोफेसर के तीन और सीनियर रेजिडेंट के पांच पदों को मंजूरी मिली है। सर्जिकल गैस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग में एसोसिएट प्रोफेसर और सुपर स्पेशियलिटी असिस्टेंट प्रोफेसर का एक-एक पद तथा सीनियर रेजिडेंट के चार पद स्वीकृत किए गए हैं। रेडियोडायग्नोसिस विभाग में प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर का एक-एक, असिस्टेंट प्रोफेसर के दो और सीनियर रेजिडेंट के आठ पदों को मंजूरी दी गई है। इसके अलावा डाइटीशियन का एक, सीएसएसडी सुपरवाइजर के दो और चीफ फार्मासिस्ट का एक पद भी स्वीकृत हुआ है। अस्पताल में सहायक सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए सुरक्षा कर्मियों, सफाई कर्मचारियों और वार्ड अटेंडेंट के 50-50 पद भरने की मंजूरी दी गई है। पैथोलॉजी, बायोकेमिस्ट्री, माइक्रोबायोलॉजी और ब्लड बैंक में लैब टेक्नीशियन के पांच-पांच पद स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त चार आरोग्य मित्र, दो फिजियोथेरेपिस्ट, तीन चालक और एक कनिष्ठ कार्यालय सहायक (आईटी) का पद भरने की अनुमति दी गई है।

न्यूज ब्रीफ

चमोली की दिव्या नेगी को शोध के लिए यंग साइंटिस्ट अवार्ड



भारतेन्दु संवाददाता, थराली। चमोली जिले के थराली क्षेत्र की दिव्या नेगी को परभक्षी कीटों पर उत्कृष्ट शोध के लिए यंग साइंटिस्ट अवार्ड से सम्मानित किया गया है। देहरादून के विज्ञान धाम, झाझरा में आयोजित 21वें उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी सम्मेलन में उन्हें यह सम्मान मिला। दिव्या ने डीएवी पीजी कॉलेज, देहरादून के जंतु विज्ञान विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. पुष्पेंद्र कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में चमोली जिले में पाए जाने वाले परभक्षी कीटों पर शोध किया। वह सीएसआईआर-यूजीसी नेट, गेट और यूसेट परीक्षाएं भी उत्तीर्ण कर चुकी हैं। दिव्या के पिता देवेंद्र सिंह नेगी वरिष्ठ अधिवक्ता हैं। उनकी उपलब्धि पर थराली के अधिवक्ताओं और शिक्षा जगत से जुड़े लोगों ने प्रसन्नता जताते हुए उन्हें बधाई दी।

पौड़ी में बारिश से बढ़ी ठंड, दिनभर बदला मौसम

भारतेन्दु संवाददाता, पौड़ी। पौड़ी में गुरुवार को मौसम का मिजाज बदला रहा। सुबह से आसमान में बादल छाए रहे और रुक-रुककर हुई बारिश से ठंड बढ़ गई। तापमान में गिरावट महसूस होने के साथ लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा। बारिश और ठंडी हवाओं के चलते लोगों को गर्म कपड़ों का सहारा लेना पड़ा। दिनभर मौसम में उतार-चढ़ाव बना रहने से आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ। सुबह से ही वातावरण में ठंडक बनी रही और रुक-रुककर होती बारिश ने सर्दी का एहसास बढ़ा दिया। मौसम में आए बदलाव के बाद लोगों को ठंड से बचाव के लिए अतिरिक्त सावधानी बरतनी पड़ रही है। पहाड़ी क्षेत्र में बारिश के चलते मौसम पहले की अपेक्षा अधिक ठंडा महसूस किया गया।

कर्णप्रयाग में मिला छह दिन से लापता पुलिसकर्मी का शव

भारतेन्दु संवाददाता, चमोली। कर्णप्रयाग-नैनीसैंण मोटर मार्ग पर आईटीआई के समीप गहरी खाई में पुलिसकर्मी वीरेंद्र सिंह नेगी (45) का शव मिला। बणसोली गांव निवासी वीरेंद्र 23 अक्टूबर से लापता थे। वह गोविंदघाट थाने में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी थे और विधानसभा सत्र में उनकी ड्यूटी लगी थी। सूचना मिलने पर पुलिस, एसडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमों ने स्थानीय लोगों की मदद से शव को खाई से बाहर निकाला। सीओ कर्णप्रयाग त्रिवेंद्र सिंह राणा भी मौके पर पहुंचे। पुलिस और परिजन छह दिन से उनकी तलाश कर रहे थे। घटनास्थल पर क्षतिग्रस्त पुश्ता मिलने से स्थानीय लोगों ने सड़क सुरक्षा पर सवाल उठाए। उन्होंने चेतावनी बोर्ड लगाने और संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करने की मांग की।

विकासनगर में शक्ति कैनाल से मिला आरा मशीन कर्मी का शव



भारतेन्दु संवाददाता, विकासनगर। विकासनगर में शक्ति कैनाल से विमल कुमार (48) का शव बरामद हुआ। वह प्रेमनगर में आरा मशीन पर काम करते थे और बुधवार रात से लापता थे। ढकरानी चेक पोस्ट के पास उनका हेलमेट, पर्स, मोबाइल और घड़ी मिलने पर पुलिस ने जांच शुरू की। आधार कार्ड से उनकी पहचान हुई। गुरुवार को तलाशी अभियान के दौरान ढालीपुर इंटेक की जाली में शव मिला। पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। मौके से सुसाइड नोट भी मिला है, जिसमें मृतक ने आत्महत्या के लिए खुद को जिम्मेदार बताया है।

कर्णप्रयाग हादसे में चमोली पुलिस ने खोया कर्तव्यनिष्ठ साथी, परिवार में शोक लहर



उदित नैनवाल। चमोली जिले के कर्णप्रयाग में सड़क दुर्घटना में उत्तराखंड पुलिस में तैनात अनुचर वीरेंद्र सिंह का असामयिक निधन हो गया। उनके निधन से चमोली पुलिस परिवार में शोक की लहर है। वीरेंद्र सिंह मूल रूप से ग्राम बनसोली, थाना कर्णप्रयाग, जनपद चमोली के निवासी थे। वह वर्ष 2007 में उत्तराखंड पुलिस में अनुचर के पद पर भर्ती हुए थे। अपने सेवाकाल के दौरान उन्होंने पूरी निष्ठा, ईमानदारी और कर्तव्यपरायणता के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन किया। उनके असामयिक निधन से पुलिस विभाग ने एक कर्तव्यनिष्ठ साथी खो दिया है। उनकी सेवाओं और योगदान को सदैव याद किया जाएगा। पुलिस अधीक्षक चमोली सुरजीत सिंह पंवार सहित समस्त चमोली पुलिस परिवार ने वीरेंद्र सिंह के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया। पुलिस परिवार ने दिवंगत आत्मा की शांति और उन्हें श्रीचरणों में स्थान प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। साथ ही शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए उन्हें इस कठिन समय में दुख सहन करने की शक्ति और धैर्य प्रदान करने की कामना की।

हरिद्वार में 160 एनसीसी कैडेट्स ने सीखा आपदा प्रबंधन का गुर

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। उत्तराखंड प्रशासनिक अकादमी, नैनीताल की ओर से गुरुकुल कांगड़ी विश्वविद्यालय, हरिद्वार में दो दिवसीय आपदा जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। पर्यावरण विभाग के सभागार में आयोजित इस कार्यशाला में 160 एनसीसी कैडेट्स ने भाग लिया। इंडियन रेड क्रॉस उत्तराखंड के चेयरमैन प्रो. डॉ. नरेश चौधरी को विषय विशेषज्ञ के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ. चौधरी ने कहा कि उत्तराखंड भौगोलिक दृष्टि से प्राकृतिक आपदाओं के प्रति संवेदनशील है। वहीं, कुंभ, अर्धकुंभ, कांवड़ मेला और सोमवती अमावस्या जैसे बड़े आयोजनों के कारण हरिद्वार में मानवजनित आपदाओं का खतरा भी अधिक रहता है।

उत्तरकाशी में बर्फबारी, बर्फ से ढके गंगोत्री यमुनोत्री धाम

भारतेन्दु संवाददाता, उत्तरकाशी। उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में गुरुवार को मौसम ने करवट बदली। गंगोत्री और यमुनोत्री धाम समेत ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी हुई, जबकि जिला मुख्यालय और निचले क्षेत्रों में बारिश से ठंड बढ़ गई। हर्षिल, धराली, सुक्की, झाला, जसपुर, जानकीचट्टी और खरसाली की पहाड़ियां बर्फ की सफेद चादर से ढक गईं। सुबह से मौसम बिगड़ने के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई और लोगों को ठिठुरन का सामना करना पड़ा। बर्फबारी के बीच भी श्रद्धालु गंगोत्री धाम में दर्शन के लिए पहुंचे। यहां अधिकतम तापमान दो डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान शून्य से सात डिग्री नीचे दर्ज किया गया।

उत्तराखंड में 768 करोड़ की परियोजनाओं समेत पांच प्रस्तावों को मिली मंजूरी

सहसपुर जलाशय, खैरना पेयजल योजना और कुंभ स्वच्छता कार्यों को मिली स्वीकृति

अनिल थपलियाल



देहरादून। मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में आयोजित व्यय वित्त समिति की बैठक में विभिन्न विभागों के आठ प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इनमें से पांच प्रस्तावों को मंजूरी प्रदान की गई, जबकि तीन प्रस्तावों को आवश्यक समीक्षा और परीक्षण के लिए रखा गया। स्वीकृत परियोजनाओं में सहसपुर की पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जलाशय परियोजना, नैनीताल की खैरना बैराज पेयजल परियोजना, बागेश्वर में सर्किट हाउस निर्माण, कैंची धाम बाईपास मार्ग का सुधारीकरण और कुंभ मेला-2027 की स्वच्छता व्यवस्था शामिल हैं।

बैठक में सहसपुर में मुख्यमंत्री की घोषणा से संबंधित 326.64 करोड़ रुपये की पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी जलाशय परियोजना को अनुमोदन दिया गया। इसके अलावा नैनीताल जिले में 382.40 करोड़ रुपये की खैरना बैराज पेयजल परियोजना को भी स्वीकृति मिली। चौबट्टाखाल विधानसभा क्षेत्र के बीरोंखाल में स्यूंसी झील निर्माण और रुद्रप्रयाग शहर के मास्टर प्लान के पहले चरण से संबंधित प्रस्तावों की समीक्षा करने के निर्देश दिए गए। मुख्य सचिव ने रुद्रप्रयाग में जल निकासी की योजना बनाते समय यह सुनिश्चित करने को कहा कि घरों से निकलने वाला गंदा पानी सीधे नदी में न पहुंचे। बागेश्वर में 13.15 करोड़ रुपये की लागत से सर्किट हाउस बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई। वहीं, नैनीताल जिले के बेतालघाट विकासखंड में दुनिघाट से रातिघाट (पाडली) तक कैंची धाम बाईपास मोटर मार्ग के डामरीकरण और सुधारीकरण के लिए 21.81 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए।

मुख्य सचिव ने विभागों को परियोजनाओं की तकनीकी, भू-वैज्ञानिक, वित्तीय और प्रशासनिक औपचारिकताएं समय पर पूरी करने को कहा। उन्होंने लागत वृद्धि के कारणों का स्पष्ट विवरण देने और सक्षम अधिकारियों से भौतिक सत्यापन कराने पर जोर दिया। बैठक में प्रमुख सचिव आरके सुधांशु, आर. मीनाक्षी सुंदरम, सचिव पंकज पांडेय, डॉ. आर. राजेश कुमार, श्रीधर बाबू अडांकी सहित संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वित्तीय अनुशासन और गुणवत्ता पर निर्देश

कुंभ-2027 की स्वच्छता व्यवस्था पर जोर

हरिद्वार में कुंभ मेला-2027 के दौरान एकीकृत स्वच्छता व्यवस्था के लिए 25 करोड़ रुपये के प्रस्ताव को भी मंजूरी मिली। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को आउटसोर्सिंग एजेंसियों और स्वच्छता कर्मचारियों का बायोमेट्रिक सहित आधुनिक तकनीकों से सत्यापन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आवश्यक जांच के बाद ही संबंधित एजेंसियों और कर्मचारियों को भुगतान किया जाए। केदारनाथ धाम में आधारभूत संरचना, सबस्टेशन पैनल और अन्य कार्यों की बढ़ी हुई लागत से जुड़े प्रस्ताव को अतिरिक्त परीक्षण के लिए रखा गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर उत्तराखंड पुलिस दिलाएगी एकजुटता की शपथ

भारतेन्दु संवाददाता, देहरादून। राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर कल उत्तराखंड पुलिस प्रदेशभर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित करेगी। गुजरात के एकता नगर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में होने वाली 'एकता परेड-2026' का प्रदेश के सभी पुलिस थानों में सीधा प्रसारण किया जाएगा। इसके माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता, संप्रभुता और सामाजिक सद्भाव का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, युवाओं, स्कूली विद्यार्थियों, प्रबुद्धजनों और सेवानिवृत्त पुलिसकर्मियों की सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी।

पुलिस मुख्यालय ने कार्यक्रम के लिए वरिष्ठ अधिकारियों को विभिन्न जनपदों की जिम्मेदारी सौंपी है। अधिकारी संबंधित जिलों में पुलिस लाइन्स में आयोजित परेड में हिस्सा लेकर पुलिसकर्मियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाएंगे। इसके अलावा पुलिसकर्मियों के साथ सम्मेलन भी आयोजित किए जाएंगे। देहरादून में एडीजी वी. मुरुगेशन और आईजी रिधिम अग्रवाल, नैनीताल में एडीजी ए.पी. अंशुमान, हरिद्वार में आईजी विम्मी सचदेवा तथा ऊधमसिंह नगर में आईजी कृष्ण कुमार वीके को जिम्मेदारी दी गई है। अन्य अधिकारियों को पौड़ी, टिहरी, अल्मोड़ा, उत्तरकाशी, चंपावत, रुद्रप्रयाग, चमोली और पिथौरागढ़ जिलों में कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

◆ **पुलिसकर्मी और नागरिक साइबर अपराधों पर होंगे जागरूक**

पुलिस महानिदेशक दीपम सेठ ने बताया कि शाम 5:30 बजे सभी थानों में स्थानीय नागरिकों, स्कूली विद्यार्थियों और युवाओं के साथ एकता परेड का सीधा प्रसारण साझा किया जाएगा। इसके बाद जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित होगा। इसमें पुलिस और आमजन के बीच समन्वय, सहयोग और विश्वास मजबूत करने पर चर्चा की जाएगी। साथ ही साइबर अपराध, ऑनलाइन धोखाधड़ी और नशे के दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य राष्ट्रीय एकता और सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा देने के साथ पुलिस तथा जनता के बीच बेहतर संबंध स्थापित करना है।

एसएसपी ने 13 सदस्यीय टीम को सौंपी चुनावी जिम्मेदारी

हरिद्वार पुलिस ने विधानसभा चुनाव के लिए गठित किया चुनाव सेल



एसएसपी नवनीत सिंह

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन को लेकर हरिद्वार पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी हैं। निर्वाचन प्रक्रिया को शांतिपूर्ण, निष्पक्ष और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) नवनीत सिंह ने चुनाव सेल का गठन किया है। इस संबंध में जारी आदेश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिया गया है।

एसएसपी ने इंस्पेक्टर योगेश दत्त को चुनाव सेल की जिम्मेदारी सौंपी है। उनके नेतृत्व में कुल 13 पुलिसकर्मियों की टीम गठित की गई है। इसमें प्रभारी इंस्पेक्टर के अलावा एक उपनिरीक्षक, एक अपर उपनिरीक्षक, दो हेड कांस्टेबल और आठ कांस्टेबल शामिल हैं।

गठित चुनाव सेल आगामी विधानसभा चुनाव से संबंधित पुलिस व्यवस्थाओं की तैयारी और नियोजन का कार्य करेगी। इसके तहत निर्वाचन ड्यूटी के लिए आवश्यक पुलिस बल की मांग तैयार करना, आवंटित बल का वितरण सुनिश्चित करना और चुनाव से जुड़े विभिन्न कार्यों का समन्वय करना शामिल है। चुनाव के दौरान सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस बल की उपलब्धता और उसकी तैनाती महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में चुनाव सेल समय रहते आवश्यक तैयारियों को पूरा करने के साथ संबंधित इकाइयों के बीच समन्वय स्थापित करेगी।

पुलिस प्रशासन का उद्देश्य निर्वाचन से जुड़ी व्यवस्थाओं को समयबद्ध तरीके से पूरा करना है, ताकि मतदान प्रक्रिया के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने में किसी प्रकार की परेशानी न हो। चुनाव सेल के गठन को आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

उत्तराखंड में बढ़ता नशे का कारोबार और अवैध शराब की तस्करी – आखिर किस दिशा में जा रहा है देवभूमि?

क्या उत्तराखंड पुलिस पर बढ़ गया है काम का बोझ? अपराधियों पर लगाम लगाने की जिम्मेदारी!

विकास बलूनी



देहरादून। देहरादून पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी और नकली होलोग्राम-स्टीकर लगाकर शराब बेचने के मामले का पर्दाफाश करते हुए पांच आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपितों के कब्जे से विभिन्न ब्रांड की अंग्रेजी शराब की 87 बोतलें बरामद की हैं। इसके अलावा उत्तराखंड आबकारी विभाग के 540 स्टीकर और विभिन्न ब्रांडों के 1048 रेपर, स्टीकर, ढक्कन, सीलिंग, खाली बोतलें व पैकिंग से जुड़ी सामग्री भी बरामद की गई है। तस्करी में इस्तेमाल बोलेरो वाहन को भी सीज कर दिया गया है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है।

कोतवाली नगर पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने 29 अक्टूबर को मुखबिर की सूचना पर मातावाला बाग, सहारनपुर रोड की ओर से आ रहे संदिग्ध बोलेरो वाहन को रोककर तलाशी ली। वाहन में पांच लोग सवार थे। तलाशी के दौरान पुलिस को अलग-अलग ब्रांड की 87 बोतलें अंग्रेजी शराब मिलीं। इसके साथ ही शराब की बोतलों पर लगाने के लिए नकली होलोग्राम, स्टीकर और पैकिंग सामग्री भी बरामद हुई। पुलिस ने मौके से पांचों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया।

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान पंकज कुमार गोयल निवासी पल्लवपुरम, मेरठ, प्रवीण निवासी बद्रीपुर, देहरादून, मनीष अरोड़ा निवासी मन्नूगंज, देहरादून, प्रतीक और विनोद निवासी कंकरखेड़ा, मेरठ के रूप में हुई है। प्रारंभिक जांच में शराब की कुछ बोतलों पर रक्षा कर्मियों के लिए बिक्री संबंधी लेबल पाए गए। पुलिस के अनुसार, आरोपित हरियाणा के करनाल से सस्ते दामों पर शराब खरीदकर लाए थे। वे बोतलों पर रक्षा विभाग और उत्तराखंड आबकारी विभाग के नकली होलोग्राम व स्टीकर लगाकर शराब को महंगे दामों पर बेचने की फिराक में थे। पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ कोतवाली नगर में आबकारी अधिनियम की धाराओं 60, 63 और 72 तथा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 349 और 350 के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब शराब की आपूर्ति के स्रोत, इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और संभावित नेटवर्क की जानकारी जुटा रही है।



वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून के नेतृत्व में जिले में अवैध मादक पदार्थों और शराब की तस्करी में संलिप्त लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। एसएसपी ने सभी अधीनस्थ अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में ऐसे आरोपितों की पहचान कर उनके विरुद्ध कठोर वैधानिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

रुद्रप्रयाग में गढ़ दर्शन से पर्यटन और रोजगार को बढ़ावा

चार करोड़ की लागत से बना रिजॉर्ट, स्थानीय उत्पादों को मिलेगा नया बाजार

भारतेन्दु संवाददाता, रुद्रप्रयाग



सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने कहा कि महिला समूहों की आमदनी बढ़ाना और पहाड़ी उत्पादों को प्रोत्साहित करना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से आर्थिक गतिविधियों का विस्तार कर अधिक लोगों को रोजगार और स्वरोजगार से जोड़ा जा सकता है। उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ का लक्ष्य एक हजार करोड़ रुपये का कारोबार पार करना है। 'गढ़ दर्शन' रिजॉर्ट इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। इससे स्थानीय युवाओं और महिला समूहों के लिए नए अवसर विकसित होने की उम्मीद है। कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्र में इस तरह की पहल महत्वपूर्ण है। इससे स्थानीय युवाओं को अपने क्षेत्र में रोजगार के अवसर मिलेंगे और पलायन कम करने में मदद मिल सकती है।

उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ ने सहकारिता को पर्यटन और हॉस्पिटैलिटी से जोड़ते हुए नई पहल की है। बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा मार्ग पर रतूड़ा में लगभग चार करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 'गढ़ दर्शन' रिजॉर्ट एवं रेस्टोरेंट का गुरुवार को कैबिनेट मंत्री भरत सिंह चौधरी ने शुभारंभ किया। कार्यक्रम में सहकारिता मंत्री डॉ. धन सिंह रावत वर्चुअल माध्यम से जुड़े। उन्होंने इस पहल को पर्वतीय क्षेत्रों की आर्थिक समृद्धि और स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

'गढ़ दर्शन' रिजॉर्ट के प्रथम चरण में 16 कॉटेज और रेस्टोरेंट तैयार किए गए हैं। बदरीनाथ-केदारनाथ यात्रा मार्ग पर स्थित यह परिसर देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं को गढ़वाल की सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक पहाड़ी व्यंजनों और स्थानीय उत्पादों से परिचित कराएगा। यहां महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों और पारंपरिक गढ़वाली खानपान को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे स्थानीय उत्पादकों को बाजार मिलने के साथ महिलाओं की आमदनी बढ़ाने और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिलेगी। आगामी चरणों में गढ़वाल की ग्रामीण और लोक संस्कृति को प्रदर्शित करने की व्यवस्था भी की जाएगी।

नए व्यावसायिक क्षेत्रों में बढ़ रहा संघ का दायरा

उत्तराखंड राज्य सहकारी संघ के प्रबंध निदेशक आनंद शुक्ला ने कहा कि संघ पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी के साथ अन्य व्यावसायिक क्षेत्रों में भी विस्तार कर रहा है। जल्द ही वाटर प्लांट शुरू करने की तैयारी है। इसके अलावा बायो फर्टिलाइजर, धान खरीद, मिलेट्स खरीद और अन्य गतिविधियों में भागीदारी बढ़ाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्री के मार्गदर्शन में संघ कारोबार को एक हजार करोड़ रुपये तक पहुंचाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहा है। कार्यक्रम में उप निबंधक सहकारी समितियां सुरेंद्र पाल, यूसीएफ के महाप्रबंधक टीएस रावत, जिला सहायक निबंधक रुद्रप्रयाग रणजीत सिंह राणा, मुख्य कृषि अधिकारी लोकेंद्र बिष्ट सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

सीएम धामी के विरासत अभियान से हजारों लोगों को मिली राहत

भारतेन्दु संवाददाता, अनिल थपलियाल, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देश पर उत्तराखंड में चलाए गए विरासत अभियान के तहत निर्विवाद संपत्ति हस्तांतरण से जुड़े हजारों मामलों का निस्तारण किया गया है। अभियान के अंतर्गत धारा-34 और धारा-33ए के तहत कुल 10,404 प्रकरण दर्ज किए गए, जिनमें से 4,943 का निस्तारण हो चुका है। इस पहल से प्रदेश के अनेक लोगों को राहत मिली है और संपत्ति के नामांतरण की प्रक्रिया में तेजी आई है।

17 अक्टूबर 2026 को आयोजित म्यूटेशन डे के दौरान उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, धारा-34 के तहत कुल 9,244 प्रकरण दर्ज किए गए थे। इनमें से 3,835 मामलों का निस्तारण किया जा चुका है। वहीं, धारा-33ए के तहत दर्ज 1,160 प्रकरणों में से 1,108 का समाधान किया गया। इस प्रकार दोनों धाराओं के तहत कुल 4,943 मामलों का निस्तारण हुआ है। अभियान का उद्देश्य निर्विवाद संपत्ति हस्तांतरण के मामलों को समयबद्ध तरीके से निपटाकर नागरिकों को राहत देना है।

◆ **धारा-34 और धारा-33ए के तहत हजारों संपत्ति मामलों का समयबद्ध निस्तारण**

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार का उद्देश्य आमजन को सरकारी सेवाओं का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध तरीके से उपलब्ध कराना है। विरासत अभियान इसी दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। संपत्ति से जुड़े निर्विवाद मामलों के निस्तारण में देरी होने से लोगों को अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे मामलों का त्वरित समाधान सुनिश्चित करना सरकार की प्राथमिकता है।

मसूरी में भारी बारिश के बावजूद स्वयंसेवकों ने दिया अनुशासन और एकजुटता का संदेश

सुनील सोनकर



मसूरी। पहाड़ों की रानी मसूरी में भारी बारिश भी राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवकों के उत्साह को कम नहीं कर सकी। प्रतिकूल मौसम के बीच स्वयंसेवकों ने बड़ोनी चौक से गांधी चौक तक पथ संचलन किया। इस दौरान स्वयंसेवक अनुशासित पंक्तियों में कदमताल करते हुए निर्धारित मार्ग पर आगे बढ़े। बारिश के बावजूद उनकी सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को खास बना दिया। पथ संचलन के माध्यम से अनुशासन, संगठनात्मक एकता, सामूहिकता और राष्ट्रसेवा का संदेश दिया गया। संचलन के दौरान मार्ग पर मौजूद लोगों का ध्यान स्वयंसेवकों की कदमताल और अनुशासित गतिविधियों की ओर आकर्षित हुआ। मौसम की चुनौती के बावजूद स्वयंसेवकों ने पूरे उत्साह के साथ कार्यक्रम में हिस्सा लिया और अपने समर्पण का परिचय दिया।

बड़ोनी चौक से शुरू हुआ पथ संचलन गांधी चौक तक पहुंचा। बारिश के कारण शहर में सामान्य गतिविधियां प्रभावित होने के बावजूद स्वयंसेवकों ने निर्धारित कार्यक्रम में भागीदारी निभाई। पथ संचलन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की प्रमुख संगठनात्मक गतिविधियों में शामिल है, जिसमें स्वयंसेवक एक निर्धारित मार्ग पर अनुशासित पंक्तियों में चलते हैं। इसका उद्देश्य स्वयंसेवकों में अनुशासन, संगठनात्मक एकता, समर्पण और समाजसेवा की भावना को मजबूत करना बताया जाता है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से सामूहिक प्रयास, आपसी समन्वय और सामाजिक जिम्मेदारी के महत्व को सामने रखा जाता है। मसूरी में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान स्वयंसेवकों ने विपरीत मौसम में भी अपनी सहभागिता से एकजुटता का संदेश दिया। कार्यक्रम में अनुशासन और सामूहिकता की भावना प्रमुख रूप से दिखाई दी।

मसूरी भाजपा मंडल अध्यक्ष रजत अग्रवाल ने कहा कि भारी बारिश के बावजूद स्वयंसेवकों का उत्साह बना रहना उनके अनुशासन और समर्पण की भावना को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में एकता, सेवा और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध का संदेश पहुंचता है। मौसम की कठिन परिस्थितियों में भी स्वयंसेवकों की भागीदारी उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करती है।

प्राच्यविद्या प्राचीन ग्रंथों और पांडुलिपियों के संरक्षण से भावी पीढ़ियों तक पहुंचेगा भारतीय ज्ञान का अमूल्य खजाना

राज्यपाल ढाल सिंह बिसेन ने प्राच्यविद्या सम्मेलन का किया उद्घाटन

भारतेन्दु संवाददाता, हरिद्वार

राज्यपाल डॉ. ढाल सिंह बिसेन ने गुरुवार को हरिद्वार स्थित पतंजलि विश्वविद्यालय में 52वें अखिल भारतीय प्राच्यविद्या सम्मेलन का उद्घाटन किया। तीन दिवसीय सम्मेलन में देश-विदेश से विद्वान, शोधकर्ता, शिक्षाविद और विद्यार्थी प्रतिभाग कर रहे हैं। उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा का उद्देश्य केवल बौद्धिक विकास तक सीमित नहीं है, बल्कि यह व्यक्ति के चरित्र निर्माण, समाज में सद्भाव और मानव कल्याण की भावना को भी मजबूत करती है।

भारतीय सभ्यता को समझने का माध्यम है प्राच्यविद्या : राज्यपाल ने कहा कि प्राच्यविद्या का अध्ययन केवल अतीत को जानने तक सीमित नहीं है। यह भारतीय सभ्यता के विकास, विभिन्न विचारधाराओं के संवाद और मानव समाज के बौद्धिक इतिहास को समझने का अवसर प्रदान करता है। वेद, उपनिषद, रामायण, महाभारत और भारतीय दर्शन के ग्रंथों में जीवन, नैतिकता, कर्तव्य और सामाजिक समरसता से जुड़े महत्वपूर्ण विचार मिलते हैं। इन ग्रंथों का अध्ययन वर्तमान समय में भी प्रासंगिक है और समाज को जीवन मूल्यों की दिशा प्रदान करता है।

सांस्कृतिक विरासत और आधुनिक विकास में समन्वय : राज्यपाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय सांस्कृतिक विरासत, प्राचीन ज्ञान परंपरा और भारतीय भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन को महत्व दिया जा रहा है। 'विकास भी, विरासत भी' का विचार आधुनिक प्रगति और सांस्कृतिक जड़ों के बीच समन्वय को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 में भारतीय ज्ञान परंपरा, मातृभाषाओं, बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान को महत्व दिया गया है। इससे विद्यार्थियों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़कर ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ने का अवसर मिलता है। राज्यपाल ने कहा कि ज्ञान भारतम् मिशन के माध्यम से प्राचीन पांडुलिपियों के सर्वेक्षण, संरक्षण और अंकीयकरण की दिशा में प्रयास किए जा रहे हैं। इन पांडुलिपियों में भारत की सभ्यता, संस्कृति और बौद्धिक उपलब्धियों का अमूल्य भंडार मौजूद है। इनका संरक्षण केवल ऐतिहासिक धरोहर को सुरक्षित रखने का कार्य नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों तक ज्ञान पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम भी है।

मानव कल्याण में निहित है ज्ञान का उद्देश्य

राज्यपाल ने कहा कि भारतीय परंपरा में ज्ञान को लोककल्याण से जोड़ने की भावना रही है। 'सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः' का संदेश संपूर्ण मानवता के सुख, स्वास्थ्य और कल्याण की कामना करता है। आज विश्व सामाजिक, पर्यावरणीय और नैतिक चुनौतियों का सामना कर रहा है। ऐसे समय में भारतीय ज्ञान परंपरा में निहित संतुलन, सह-अस्तित्व और समग्र दृष्टिकोण पर विमर्श उपयोगी साबित हो सकता है। उन्होंने कहा कि शोध कार्यों में स्रोतों की प्रामाणिकता, निष्कर्षों की पारदर्शिता और बौद्धिक ईमानदारी को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जानी चाहिए।

भारतीय संस्कृति, नैतिक मूल्यों और शोध की प्रामाणिकता पर विशेष जोर



विद्वानों और शोधार्थियों ने की सहभागिता

सम्मेलन में पतंजलि विश्वविद्यालय के कुलाधिपति स्वामी रामदेव, कुलपति आचार्य बालकृष्ण, केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास वरखेड़ी सहित भारतीय विद्वत् परिषद के प्रतिनिधि, विभिन्न विश्वविद्यालयों के कुलपति, विद्वान, आचार्य, शोधार्थी और विद्यार्थी उपस्थित रहे। तीन दिवसीय आयोजन में भारतीय ज्ञान परंपरा, प्राचीन ग्रंथों और सांस्कृतिक विरासत से जुड़े विषयों पर विद्वानों के विचार-विमर्श का अवसर मिलेगा।

बरनाला में सुखबीर बादल की व्यापारी मिलनी, रंगदारी खत्म करने और कारोबारियों को राहत के किए वादे

सुखबीर बादल ने व्यापारियों को राहत, एनओसी खत्म करने और रंगदारी रोकने का दिया भरोसा

भारतेंदु संवाददाता, बरनाला। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सुखबीर सिंह बादल ने बरनाला में आयोजित व्यापारी मिलनी के दौरान व्यापारियों, उद्योगपतियों और सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधियों से संवाद किया। इस दौरान कारोबारियों ने राज्य में बढ़ती रंगदारी, अफसरशाही, प्रॉपर्टी कारोबार पर बढ़ते शुल्क और उद्योगों की समस्याओं को उठाया। सुखबीर बादल ने आश्वासन दिया कि अकाली दल की सरकार बनने पर व्यापारियों की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता से किया जाएगा।

पंजाब प्रदेश व्यापार मंडल के अध्यक्ष अमित कपूर ने राज्य के व्यापारिक माहौल पर चिंता जताते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी सरकार की नीतियों से व्यापारी वर्ग परेशान है। उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान किए गए वादों के बावजूद कारोबारियों की समस्याएं कम नहीं हुई हैं।

रंगदारी और गैंगस्टरवाद पर निशाना : व्यापारियों ने राज्य में



फिरौती और रंगदारी की घटनाओं के साथ अफसरशाही की कार्यप्रणाली का मुद्दा उठाया। इस पर सुखबीर बादल ने कहा कि रंगदारी पर रोक लगाना मुश्किल नहीं है, लेकिन इसके लिए मुख्यमंत्री में प्रशासनिक दृढ़ता और इच्छाशक्ति होनी चाहिए। उन्होंने दावा किया कि अकाली दल की सरकार बनने पर नशे और गैंगस्टर संस्कृति को खत्म करना प्राथमिकता होगी।

प्रॉपर्टी कारोबारियों को राहत का भरोसा : प्रॉपर्टी डीलर एसोसिएशन के अध्यक्ष शीशन बांसल और महासचिव राजपाल शर्मा ने सीएलयू तथा कॉलोनियों की मंजूरी संबंधी फीस में बढ़ोतरी का मुद्दा उठाया। उन्होंने बताया कि रिहायशी कॉलोनियों की मंजूरी फीस सात लाख रुपये से बढ़ाकर 25 लाख रुपये और व्यावसायिक कॉलोनियों की फीस 20 लाख रुपये से बढ़ाकर 62 लाख रुपये प्रति एकड़ कर दी गई है। उन्होंने 70 प्रतिशत आबादी वाली पुरानी अनधिकृत कॉलोनियों को फीस से राहत देने की मांग की।

सुखबीर बादल ने कहा कि अकाली दल की सरकार बनने पर 'इन्वेस्ट पंजाब' की तर्ज पर 'पिंड पंजाब' विभाग बनाया जाएगा, जिसके माध्यम से एक महीने में सभी मंजूरियां देने की व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने जमीन और प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त में एनओसी की जटिल व्यवस्था खत्म कर स्वघोषणा प्रणाली लागू करने तथा सीएलयू शुल्क को सीधे रजिस्ट्री से जोड़ने का भरोसा भी दिया।

उद्योगों और छोटे कारोबारियों के मुद्दे उठे : राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अजैब सिंह जवंधा और तिरलोचन बांसल ने गोदामों में जगह की कमी, मिलिंग चार्ज और ड्राइंग प्रतिशत में कटौती से हो रहे नुकसान की जानकारी दी। सुखबीर बादल ने कहा कि अकाली सरकार के समय राइस मिलर्स के हितों के लिए केंद्र सरकार के साथ लगातार संपर्क रखा जाता था।

केमिस्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष नरिंदर अरोड़ा ने पुलिस की कथित दखलअंदाजी का मुद्दा उठाया। इस पर बादल ने केमिस्टों को परेशान न किए जाने का आश्वासन दिया। उन्होंने छोटे व्यापारियों के लिए एकमुश्त जीएसटी व्यवस्था लागू करने की बात भी कही।

प्राचीन गौशाला की ओर से अमरजीत कालेके ने बिजली और पानी के बिलों में राहत की मांग की। इस पर सुखबीर बादल ने वादा किया कि सरकार बनने पर गौशालाओं के बिजली और पानी के बिल माफ किए जाएंगे।

कार्यक्रम में पूर्व संसदीय सचिव संत बलवीर सिंह घुनस, अकाली दल जिलाध्यक्ष यादविंदर सिंह बिट्टू, संजीव शोरी, एडवोकेट रूपिंदर संधू, गुरतेज खुड्डी, बेअंत बाठ, सोनी जागल, विवेक सिंधवानी, विजय गर्ग, राज कुमार गोयल, इकबाल सिंह सरां, अनिल दत्त शर्मा, राजपाल शर्मा, अशोक मित्तल, नीरज गर्ग, प्रदीप गोयल, सुनील काला, एडवोकेट जतिंदर बहादरपुरिया, कृष्ण कुमार, नवीन जिंदल और युवराज युवी सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

मकबूलपुरा में नशे से उजड़े परिवार, एसडीएम ने जनसहयोग की से मुहिम तेज करने की अपील

भारतेंदु संवाददाता, अमृतसर। मकबूलपुरा में नशे की समस्या ने कई परिवारों की खुशियां छीन ली हैं। नशे की लत के कारण कई महिलाओं ने अपने पतियों को खो दिया, जबकि नशे की गिरफ्त में आए अनेक युवाओं की असमय मौत हो गई। इन परिवारों में अब महिलाओं और बच्चों के सामने जीवनयापन की चुनौती खड़ी है। कभी हंसी-खुशी से रहने वाले परिवारों में पसरा सन्नाटा नशे के गंभीर सामाजिक दुष्परिणामों को उजागर करता है। ऐसे में मकबूलपुरा को नशे के चंगुल से मुक्त कराना प्रशासन और समाज के लिए बड़ी चुनौती बन गया है।



उजड़ते परिवारों के दर्द के बीच अमृतसर के मकबूलपुरा पहुंचीं एसडीएम

इस समस्या से निपटने के उद्देश्य से एसडीएम अमृतसर-1 अलका कालिया ने पुलिस अधिकारियों के साथ नशे के हाटस्पाट मकबूलपुरा का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने क्षेत्रवासियों से बातचीत की और पंजाब सरकार के 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने की अपील की। उन्होंने कहा कि नशे के खिलाफ लड़ाई में प्रशासन के साथ आम लोगों का सहयोग भी बेहद जरूरी है।

एसडीएम ने कहा कि नशा एक गंभीर सामाजिक बुराई है, जिसका प्रभाव केवल नशे की लत से जूझ रहे व्यक्ति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि पूरा परिवार इसकी चपेट में आ जाता है। बच्चों का भविष्य प्रभावित होता है और परिवारों को आर्थिक व सामाजिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इस समस्या को समाप्त करने के लिए समाज के प्रत्येक वर्ग को आगे आना होगा।

उन्होंने बताया कि पंजाब सरकार नशा तस्करों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर रही है। वहीं, नशे की लत में फंसे युवाओं को इससे बाहर निकालने के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त उपचार की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। उन्होंने लोगों से अपील की कि यदि उनके आसपास कोई व्यक्ति नशे का शिकार है, तो उसे नशा छोड़ने के लिए प्रेरित करें और उपचार के लिए सरकारी स्वास्थ्य केंद्र तक पहुंचाने में मदद करें।

एसडीएम ने कहा कि यदि किसी को इलाके में नशीले पदार्थों की तस्करी या बिक्री की जानकारी मिलती है, तो इसकी सूचना तुरंत प्रशासन या पुलिस को दें। उन्होंने विश्वास जताया कि जनभागीदारी, जागरूकता और उचित उपचार के माध्यम से मकबूलपुरा को नशामुक्त बनाने की दिशा में प्रभावी प्रयास किए जा सकते हैं। मकबूलपुरा में नशे के कारण कई परिवार उजड़ चुके हैं और अनेक युवाओं की असमय मौत हो गई है। इस गंभीर समस्या को देखते हुए एसडीएम अमृतसर-1 अलका कालिया ने पुलिस अधिकारियों के साथ क्षेत्र का दौरा किया। उन्होंने लोगों से पंजाब सरकार के 'युद्ध नशों के विरुद्ध' अभियान में सहयोग की अपील की।

एसडीएम ने कहा कि नशे के खात्मे के लिए जनभागीदारी जरूरी है। सरकार नशा तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है और नशे की लत से पीड़ित युवाओं को सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में मुफ्त उपचार दिया जा रहा है। उन्होंने लोगों से नशे के शिकार व्यक्तियों को इलाज के लिए प्रेरित करने तथा नशीले पदार्थों की तस्करी की सूचना पुलिस या प्रशासन को देने का आग्रह किया।

चंडीगढ़ में प्रकृति की पाठशाला से पर्यावरण संरक्षण सीख रहे स्कूली बच्चे

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। चंडीगढ़ में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को प्रकृति के करीब लाने और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक करने के लिए विशेष पहल की जा रही है। इसके तहत बच्चों को कक्षाओं से बाहर प्राकृतिक स्थलों पर ले जाकर वनस्पतियों, जीव-जंतुओं और पारिस्थितिक संतुलन की व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है। इस पहल का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रकृति के प्रति जिज्ञासा बढ़ाने के साथ जैव विविधता के संरक्षण की भावना विकसित करना है।

इसी क्रम में सेक्टर-27 स्थित राजकीय मॉडल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के करीब 100 विद्यार्थियों ने सेक्टर-26 के बटरफ्लाई पार्क का भ्रमण किया। यहां तितली विशेषज्ञ कुलभूषण कंवर के मार्गदर्शन में बच्चों ने तितलियों के जीवन चक्र, उनके विकास के विभिन्न चरणों और उन्हें आकर्षित करने वाले पौधों के बारे में जानकारी प्राप्त की। विद्यार्थियों को बताया गया कि तितलियां केवल प्रकृति की सुंदरता बढ़ाने तक सीमित



नहीं हैं, बल्कि परागण की प्रक्रिया और पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

यह पहल वन एवं वन्यजीव विभाग और स्कूल शिक्षा विभाग के समन्वय से अक्टूबर-नवंबर 2026 में चलाए जा रहे दो माह के प्रकृति शिक्षा कार्यक्रम का हिस्सा है। कार्यक्रम के तहत शहर के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को विभिन्न प्राकृतिक स्थलों का भ्रमण कराया जा रहा है। लेक फॉरेस्ट ट्रेल पर बच्चे पक्षियों का अवलोकन करते हैं और स्थानीय पेड़-पौधों की पहचान करना सीखते हैं। उन्हें यह भी समझाया जाता है कि जंगल में मौजूद वनस्पतियां, पक्षी और अन्य जीव-जंतु एक-दूसरे पर किस प्रकार निर्भर रहते हैं। इससे विद्यार्थियों को प्रकृति में संतुलन बनाए रखने के महत्व को समझने का अवसर मिलता है। प्रकृति शिक्षा कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को किताबी ज्ञान के साथ वास्तविक अनुभव भी प्रदान किया जा रहा है। प्राकृतिक वातावरण में समय बिताने से बच्चों में पर्यावरण के प्रति संवेदनशीलता विकसित करने में मदद मिलती है।

राऊवाली पटाखा मार्केट विवाद सुलझा, दोनों पक्षों ने लिए केस वापस

भारतेंदु संवाददाता, जालंधर। पठानकोट रोड स्थित गांव राऊवाली में पटाखा मार्केट को लेकर पिछले कई दिनों से चल रहा विवाद आपसी सहमति के बाद सुलझ गया है। ग्राम पंचायत राऊवाली और पटाखा एसोसिएशन के बीच समझौता होने के बाद अदालत में चल रहे दोनों मामले वापस ले लिए गए हैं। अधिवक्ता जगपाल सिंह धूपर ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि दोनों पक्षों ने आपसी समझ के आधार पर कानूनी विवाद समाप्त करने का फैसला लिया। अदालती रिकॉर्ड के अनुसार, 29 अक्टूबर को ग्राम पंचायत राऊवाली बनाम विकास भंडारी और विकास भंडारी बनाम ग्राम पंचायत राऊवाली से जुड़े मामलों को वापस लेने के आधार पर खारिज कर दिया गया। रिकॉर्ड में इन्हें 'डिस्मिस्ड एज विड्रावन' दर्ज किया गया है। पटाखा मार्केट को लेकर पंचायत और कारोबारियों के बीच विवाद पिछले कई दिनों से चर्चा में था। मामला अदालत तक पहुंचने के कारण कारोबारियों के बीच भी असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। अब दोनों पक्षों के बीच सहमति बनने से कानूनी विवाद खत्म हो गया है। हालांकि, अदालत से केस वापस होने का अर्थ पटाखा मार्केट लगाने की प्रशासनिक अनुमति मिलना नहीं है। मार्केट के संचालन और अस्थायी लाइसेंस से संबंधित अनुमति प्रशासन के अलग-अलग आदेशों पर निर्भर करेगी।

त्योहारी सीजन में लुधियाना से चलेंगी पांच जोड़ी विशेष ट्रेनें

छठ और दिवाली पर घर जाने वालों को राहत, बिहार-कोलकाता के लिए विशेष रेलगाड़ियां

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। त्योहारी सीजन में ट्रेनों में बढ़ती भीड़ और लंबी प्रतीक्षा सूची को देखते हुए उत्तर रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए विशेष इंतजाम किए हैं। रेलवे प्रशासन ने लुधियाना से बिहार और कोलकाता के प्रमुख शहरों के लिए चार जोड़ी आरक्षित फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनें चलाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा, बिना आरक्षण यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए सरहिंद से सहरसा के बीच एक जोड़ी अनारक्षित विशेष ट्रेन भी चलाई जाएगी, जो वापसी में अंबाला कैंट तक पहुंचेगी। इन ट्रेनों से दिवाली और छठ पूजा पर घर जाने वाले यात्रियों को राहत मिलेगी।

लुधियाना-सहरसा स्पेशल ट्रेन : ट्रेन संख्या 04656 लुधियाना से 6, 9 और 11 नवंबर को शाम 5:35 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 11:50 बजे सहरसा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04655 सहरसा से 8, 11 और 13 नवंबर को तड़के 3:50 बजे चलेगी और



अगले दिन सुबह 8:35 बजे लुधियाना पहुंचेगी। इसके प्रमुख ठहराव ढंडारी कलां, सरहिंद, अंबाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, गोरखपुर, सीवान, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर और समस्तीपुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी।

गया और कोलकाता के लिए भी विशेष ट्रेनें : लुधियाना-गया स्पेशल ट्रेन संख्या 04664 केवल एक फेरा लगाएगी। यह 12 नवंबर को सुबह 6:30 बजे लुधियाना से रवाना होकर अगले दिन सुबह आठ बजे गया पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04663 गया से 13 नवंबर को सुबह 11 बजे चलेगी और अगले दिन दोपहर 12:50 बजे लुधियाना पहुंचेगी। इसके ठहराव सरहिंद, राजपुरा, अंबाला कैंट, सहारनपुर, मुरादाबाद, बरेली, वाराणसी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय जंक्शन, सासाराम और डेहरी ऑन सोन सहित अन्य स्टेशन होंगे।

लुधियाना-कोलकाता स्पेशल ट्रेन संख्या 04666 छह नवंबर को सुबह 6:30 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 9:45 बजे कोलकाता पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04665 सात नवंबर को रात 11:50 बजे कोलकाता से चलेगी और अगले दिन दोपहर 12:50 बजे लुधियाना पहुंचेगी। रास्ते में यह गोरखपुर, छपरा, हाजीपुर, मुजफ्फरपुर, समस्तीपुर, बरौनी, झाझा, जसीडीह, आसनसोल और दुर्गापुर सहित प्रमुख स्टेशनों पर रुकेगी। सरहिंद-सहरसा अनारक्षित स्पेशल ट्रेन संख्या 04528 सरहिंद से 5, 9 और 12 नवंबर को सुबह 11:25 बजे चलेगी और अगले दिन शाम पांच बजे सहरसा पहुंचेगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04527 सहरसा से 6, 10 और 13 नवंबर को शाम 7:15 बजे रवाना होकर अगले दिन रात 10 बजे अंबाला कैंट पहुंचेगी।

लुधियाना में पूर्व कांग्रेस नेता पर हमला, मां-बेटा भी थे कार में मौजूद

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। लुधियाना के ढोलेवाल इलाके में बुधवार देर रात पूर्व कांग्रेस नेता जगजोत सिंह पर हमला किए जाने का मामला सामने आया है। पीड़ित के अनुसार, इनोवा कार में आए सात से आठ हमलावरों ने उस पर गोलियां चलाईं और दातर से वार किए। घटना के समय उसकी मां मनजीत कौर और साढ़े तीन साल का बेटा भी कार में मौजूद थे। घायल जगजोत किसी तरह कार लेकर सिविल अस्पताल पहुंचा।

जगजोत ने बताया कि वह अपनी मां और बेटे के साथ ढोलेवाल स्थित मैगी प्वाइंट रेस्टोरेंट में खाना खाने गया था। खाना खाने के बाद वह बेटे के लिए पानी की बोतल लेने और बिल चुकाने के लिए कार से नीचे उतरा। इसी दौरान पीछे से आए हमलावरों ने उस पर फायरिंग शुरू कर दी। जान बचाने के लिए वह कार में बैठ गया, लेकिन आरोप है कि हमलावरों ने गाड़ी की खिड़की के पास से भी गोलियां चलाईं।

पीड़ित के मुताबिक, हमलावरों ने उसके सिर पर दातर से कई वार किए और पिस्तौल के बट से भी हमला किया। उसने आरोप लगाया कि हमलावरों ने उसके बाल भी काट दिए। घटना में उसकी मां को भी चोटें आई हैं। चोटों की गंभीरता मेडिकल जांच के बाद स्पष्ट होगी।

जगजोत ने हमले के पीछे पुरानी रंजिश और राजनीतिक विवाद होने का आरोप लगाया है। उसका दावा है कि करीब एक साल पहले भी इन्हीं लोगों ने उसके घर पर हमला कर फायरिंग की थी। उसने बताया कि वह पहले कांग्रेस से जुड़ा था, लेकिन अब किसी राजनीतिक दल के साथ नहीं है। पीड़ित के अनुसार, वह प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है और एक एनजीओ भी चलाता है। उसने पुलिस से हमलावरों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। मामले में तीन हमलावरों की पहचान होने और केस दर्ज किए जाने की जानकारी सामने आई है।

डेढ़ लाख रुपए तक जुर्माने का आरोप, मुख्यमंत्री भगवंत मान से हस्तक्षेप की मांग

पंजाब में 544 सेवा केंद्र बंद, भारी जुर्माने के खिलाफ कर्मचारियों की हड़ताल

भारतेंदु संवाददाता, पंजाब। पंजाब में वीरवार दोपहर से प्रदेश के 544 सेवा केंद्रों में कामकाज ठप हो गया। सेवा केंद्र कर्मचारियों ने ऑपरेटरों पर भारी जुर्माना लगाने के विरोध में प्रदर्शन करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। कर्मचारी यूनियन का आरोप है कि आधार कार्ड और अन्य नागरिक सेवाओं में मामूली त्रुटियों या तकनीकी खामियों के नाम पर ऑपरेटरों पर एक लाख से डेढ़ लाख रुपये तक की पेनल्टी लगाई जा रही है। सेवा केंद्र कर्मचारी यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष जसविंदर सिंह गिल ने बताया कि जुर्माने की इस व्यवस्था से ऑपरेटरों के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी समस्याएं संबंधित विभागों, पंजाब सरकार और डिपार्टमेंट ऑफ गवर्नेंस



रिफॉर्म्स (डीजीआर) के समक्ष उठा रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। इसी के विरोध में कर्मचारियों ने काम बंद कर आंदोलन शुरू किया है।

प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे जिला प्रधान जसविंदर सैनी ने कहा कि सेवा केंद्र संचालकों पर कथित तौर पर बिना उचित प्रक्रिया के एक लाख से डेढ़ लाख रुपये तक का जुर्माना लगाया जा रहा है। उनका कहना है कि इतनी बड़ी राशि की पेनल्टी से संचालकों के लिए केंद्र चलाना मुश्किल हो गया है। कर्मचारियों ने मांग की कि जुर्माना लगाने की प्रक्रिया की समीक्षा की जाए और अनुचित तरीके से लगाई गई पुरानी पेनल्टी रद्द की जाए। यूनियन अध्यक्ष जसविंदर सिंह गिल के अनुसार, वीरवार शाम को प्रदेश स्तरीय बैठक आयोजित की जानी है।

फाजिल्का लाइसेंस टेस्ट में अवैध वसूली के आरोप, जांच की मांग

भारतेंदु संवाददाता, फाजिल्का । फाजिल्का के आरटीए और आरटीओ कार्यालय के तहत लाइसेंस बनाने वाले टेस्ट ट्रैक पर कथित तौर पर अवैध वसूली का मामला सामने आया है। आरोप है कि मनीष गाबा और कुछ अन्य कर्मचारी ड्राइविंग टेस्ट पास करवाने के बदले लोगों से मोटी रकम वसूलते हैं। यह भी दावा किया गया है कि मनीष गाबा को पहले विभाग ने निलंबित किया था, लेकिन बाद में बहाल कर दोबारा टेस्ट ट्रैक पर तैनात कर दिया गया। उनकी बहाली और तैनाती को लेकर जांच की मांग उठ रही है। आरोपों के अनुसार, मनीष गाबा के भाई प्रदीप गाबा की जलालाबाद में दुकान है, जहां लाइसेंस बनवाने के लिए फाइलें तैयार की जाती हैं। दावा है कि कुछ एजेंटों के माध्यम से टेस्ट पास करवाने के लिए पहले ही पैसे लिए जाते हैं। यह भी आरोप लगाया गया है कि टेस्ट के दौरान कैमरे बंद होने या तकनीकी खराबी का हवाला देकर दोबारा परीक्षा कराई जाती है।

लुधियाना में बढ़े दूध के दाम एक नवंबर से नई दरें होगी लागू

भारतेंदु संवाददाता, लुधियाना। शहर में एक नवंबर से दूध की कीमतों में पांच रुपये प्रति किलो की बढ़ोतरी होगी। ताजपुर रोड डेयरी एसोसिएशन की बैठक में दूध के दाम बढ़ाने का फैसला सर्वसम्मति से लिया गया। नई दरें लागू होने के बाद उपभोक्ताओं को दूध खरीदने के लिए पहले की तुलना में अधिक कीमत चुकानी पड़ेगी।

डेयरी संचालकों के अनुसार, पशुओं की कीमतों में लगातार वृद्धि और दूध उत्पादन पर बढ़ते खर्च के कारण यह निर्णय लेना पड़ा है। उनका कहना है कि पशुओं की खरीद, उनके पालन-पोषण, चारे और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं पर होने वाला खर्च लगातार बढ़ रहा है। ऐसे में मौजूदा कीमतों पर डेयरी कारोबार चलाना मुश्किल हो रहा था। बैठक के दौरान डेयरी कारोबार से जुड़ी बढ़ती लागत और बिक्री मूल्य के बीच अंतर पर चर्चा की गई। संचालकों ने कहा कि उत्पादन खर्च में लगातार इजाफा होने के कारण दूध की



कीमतों में संशोधन जरूरी हो गया था। इसी को ध्यान में रखते हुए एसोसिएशन ने एक नवंबर से दूध पांच रुपये प्रति किलो महंगा करने पर सहमति जताई।

दूध रोजमर्रा की जरूरत का अहम हिस्सा है। इसकी कीमतों में बढ़ोतरी से आम परिवारों के मासिक खर्च पर सीधा असर पड़ेगा। विशेषकर अधिक दूध की खपत वाले परिवारों को अब पहले के मुकाबले ज्यादा खर्च करना होगा। दूध के अलावा अन्य डेयरी उत्पादों की कीमतों पर भी असर पड़ने की आशंका है। हालांकि, अन्य उत्पादों की नई दरों को लेकर अभी स्पष्ट जानकारी सामने नहीं आई है।

तारकोल उपलब्ध होने के बावजूद सड़क निर्माण में देरी पर हाईकोर्ट सख्त

भारतेंदु संवाददाता, चंडीगढ़। मनीमाजरा के सेक्टर-13 स्थित पार्केट नंबर-6 के राजकीय मॉडल मिडिल स्कूल तक जाने वाले बदहाल रास्ते को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। अदालत ने सड़क निर्माण में हो रही देरी पर नाराजगी जताते हुए सवाल किया कि जब निर्माण के लिए जरूरी तारकोल चंडीगढ़ में उपलब्ध है, तो सड़क के छोटे से हिस्से का निर्माण अब तक क्यों नहीं किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान नगर निगम, चंडीगढ़ ने संबंधित सड़क का निर्माण एक महीने के भीतर पूरा करने का आश्वासन दिया। अदालत ने अगली सुनवाई 30 नवंबर, 2026 निर्धारित की है।

जनहित याचिका दाखिल करने वाले डेफाई जिंदल ने अदालत को बताया कि स्कूल में पहली से सातवीं कक्षा तक के विद्यार्थी पढ़ते हैं। स्कूल में सुबह और



शाम की दो पालियों में कक्षाएं लगती हैं। ऐसे में बच्चों को रोजाना स्कूल पहुंचने और छुट्टी के बाद घर लौटने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। खासकर शाम के समय बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बनी रहती है।

याचिका के अनुसार, स्कूल तक पहुंचने वाला रास्ता कच्चा, ऊबड़-खाबड़ और ढलानदार है। रास्ते के आसपास झाड़ियां उगी हुई हैं और जगह-जगह कूड़ा जमा रहता है। इसके अलावा, पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था नहीं है। आसपास अस्थायी ढांचे और झुग्गियां भी मौजूद हैं। स्कूल की चारदीवारी से करीब 50 से 60 फीट की दूरी पर नाला होने के कारण भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता जताई गई है।

चीफ जस्टिस अश्वनी कुमार मिश्रा और जस्टिस रोहित कपूर की खंडपीठ के समक्ष संबंधित अधिकारी उपस्थित हुए। सुनवाई के दौरान अधिकारी ने स्वीकार किया कि सड़क निर्माण के लिए जरूरी तारकोल चंडीगढ़ में उपलब्ध है। इस पर अदालत ने निर्माण कार्य में देरी पर सवाल उठाए। नगर निगम के अधीक्षण अभियंता धर्मेंद्र शर्मा ने एक महीने के भीतर सड़क बनाने का भरोसा दिया।

हाईकोर्ट ने नगर निगम को अगली सुनवाई पर अनुपालन हलफनामा दाखिल करने का निर्देश दिया है। इससे पहले तारकोल की कमी का हवाला देकर टेंडर जारी नहीं करने की जानकारी दी गई थी।

साइबरसतर्कता पुलिस ने नागरिकों से संदिग्ध लिंक न खोलने और ओटीपी साझा न करने की अपील की

खन्ना में डीएसपी का वॉट्सएप हैक, संदिग्ध संदेशों से रहें सावधान

भारतेंदु संवाददाता, खन्ना। पुलिस जिला खन्ना के डीएसपी (ट्रैफिक) करमवीर सिंह तूर का वॉट्सएप नंबर हैक होने की सूचना सामने आई है। इस संबंध में खन्ना पुलिस ने सतर्कता सूचना जारी कर पत्रकारों, पुलिस अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों को सावधान रहने की अपील की है। पुलिस को आशंका है कि संबंधित नंबर का दुरुपयोग कर लोगों को संदिग्ध संदेश भेजे जा सकते हैं या उनसे पैसों की मांग की जा सकती है।

पुलिस की ओर से जारी सूचना के अनुसार, संबंधित नंबर से आने वाले संदेशों पर विशेष सावधानी बरतने की जरूरत है। यदि इस नंबर से आर्थिक सहायता मांगने, पैसे ट्रांसफर करने या किसी संदिग्ध लिंक पर क्लिक करने के लिए कहा जाता है, तो बिना पुष्टि के कोई कदम न उठाएं। लोगों को अपनी निजी जानकारी, बैंक खाते का विवरण, पासवर्ड और ओटीपी साझा नहीं करने की भी सलाह दी गई है।

खन्ना पुलिस ने पत्रकारों, पुलिस अधिकारियों और अन्य संबंधित लोगों से अपील की है कि वे इस सूचना को गंभीरता से लें। संबंधित नंबर से कोई असामान्य संदेश या आर्थिक लेन-देन का अनुरोध मिलने पर किसी अन्य विश्वसनीय माध्यम से संबंधित अधिकारी से संपर्क कर पुष्टि करें। केवल अधिकारी का नाम, पद या तस्वीर दिखाई देने के आधार पर संदेश को वास्तविक न मानें।

पुलिस ने संदिग्ध लिंक खोलने और बिना सत्यापन भुगतान करने से बचने की सलाह दी है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी पुलिस को देने से संभावित आर्थिक



नुकसान को रोका जा सकता है।

इस बीच, खुद को केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) का अधिकारी और थाना सदर खन्ना का एसएचओ बताकर कथित तौर पर धमकी भरे वॉट्सएप कॉल करने तथा एक महिला के प्रति अभद्र और अश्लील टिप्पणियां करने का एक अलग मामला भी चर्चा में है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि संबंधित व्यक्ति ने सरकारी अधिकारियों की पहचान का कथित दुरुपयोग कर फोन किए और धमकियां दीं।

शिकायतकर्ता के अनुसार, मामला पंजाब के पुलिस महानिदेशक और खन्ना की वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. दर्पण आहलूवालिया के संज्ञान में भी लाया गया है। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। शिकायतकर्ता ने प्राथमिकी दर्ज करने और मामले की निष्पक्ष जांच किसी वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी की निगरानी में करवाने की मांग की है। साथ ही, परिवार की सुरक्षा को लेकर भी चिंता जताई है। मोबाइल नंबर, सरकारी अधिकारियों के नाम और पहचान का कथित दुरुपयोग गंभीर जांच का विषय है। ऐसे मामलों में कॉल विवरण, वॉट्सएप संदेशों और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच से वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकती है। हालांकि, डीएसपी के वॉट्सएप नंबर हैक होने की घटना और अधिकारी बनकर धमकी देने के मामले के बीच किसी प्रत्यक्ष संबंध की पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती।

उमर सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार से नेशनल कॉन्फ्रेंस में बगावत तेज़

फारूक अब्दुल्ला की कोशिशें नाकाम, नाराज विधायकों ने पार्टी नेतृत्व के खिलाफ खोला मोर्चा

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

नेशनल कॉन्फ्रेंस में लंबे समय से जारी अंतर्कलह मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद खुलकर सामने आ गई है। मंत्री पद नहीं मिलने से नाराज विधायक अब पार्टी नेतृत्व के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। कुछ नेताओं ने पार्टी छोड़ने और अलग रास्ता अपनाने की चेतावनी भी दी है। हालात संभालने के लिए पार्टी अध्यक्ष डा. फारूक अब्दुल्ला को खुद आगे आना पड़ा, लेकिन उनकी कोशिशों के बावजूद असंतोष कम होने के संकेत नहीं मिल रहे हैं।

पूर्व विधानसभा अध्यक्ष मुबारक गुल के समर्थक सफेद कफन पहनकर प्रदर्शन कर रहे हैं। उन्होंने नेतृत्व के फैसले पर पुनर्विचार की मांग की है। कुछ समर्थकों की ओर से आत्मदाह की धमकी दिए जाने से स्थिति की गंभीरता का अंदाजा लगाया जा सकता है। पार्टी के भीतर बढ़ते विरोध ने नेतृत्व की मुश्किलें बढ़ा दी हैं।

दरअसल, मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंगलवार को परिवहन मंत्री सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से हटाकर चार नए मंत्रियों को शामिल किया। जम्मू-कश्मीर पुनर्गठन अधिनियम के तहत 90 सदस्यीय विधानसभा वाले प्रदेश में मुख्यमंत्री समेत अधिकतम नौ सदस्यीय मंत्रिपरिषद हो सकती है। ऐसे में करीब डेढ़ दर्जन दावेदारों में से केवल चार विधायकों को मौका मिलने से बाकी नेताओं की उम्मीदों को झटका लगा। मंत्री पद से वंचित 11 विधायक शपथ ग्रहण समारोह में शामिल नहीं हुए, जबकि कुछ नेताओं ने पहुंचकर भी अपनी नाराजगी जाहिर की। उत्तरी कश्मीर के एक विधायक ने आरोप लगाया कि पार्टी में महत्वपूर्ण फैसले उमर अब्दुल्ला और उनके कुछ करीबी ही लेते हैं। इससे वरिष्ठ नेताओं और विधायकों में उपेक्षा की भावना बढ़ी है। नेशनल कॉन्फ्रेंस छोड़ चुके पूर्व विधायक सैयद मोहम्मद अखून ने भी कहा कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र और वफादारी की अनदेखी के कारण उन्हें अलग होना पड़ा था।



मुबारक गुल और गुरेजी नाराज

मुबारक गुल को मनाने के लिए फारूक अब्दुल्ला ने उन्हें संगठन में महासचिव की जिम्मेदारी देने की पेशकश की, लेकिन इससे विवाद शांत नहीं हुआ। गुल का कहना है कि उनके समर्थक संतुष्ट नहीं हैं और उनसे इस्तीफा देने को कह रहे हैं। मंगलवार से शुरू हुआ प्रदर्शन बुधवार को भी जारी रहा। गुल ने चार नवंबर को अपना रुख स्पष्ट करने की बात कही है। पूर्व मंत्री नजीर अहमद गुरेजी को भी फारूक ने फोन कर मनाने की कोशिश की, लेकिन कथित तौर पर उन्हें सफलता नहीं मिली। गुरेजी ने भी अलग रास्ता अपनाने की चेतावनी दी है। वहीं, अब्दुल मजीद लारमी ने वरिष्ठता की अनदेखी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि अब उनके लिए अपने क्षेत्र में लोगों का सामना करना मुश्किल हो गया है। पुंछ के विधायक एजाज जान और अर्जुन सिंह राजू भी उपेक्षा से नाखुश बताए जा रहे हैं। एजाज जान ने पहाड़ी समुदाय की अनदेखी का आरोप लगाते हुए कहा कि उनके परिवार ने पार्टी के लिए लंबे समय तक संघर्ष किया, लेकिन इसके बावजूद उन्हें दरकिनार किया जा रहा है।

राजनीतिक संकट की आशंका

पार्टी नेतृत्व अब संगठनात्मक फेरबदल और अहम जिम्मेदारियां देने का भरोसा दिलाकर असंतुष्ट नेताओं को मनाने में जुटा है। फारूक अब्दुल्ला और वरिष्ठ नेता अब्दुल रहीम राथर कई विधायकों से संपर्क कर चुके हैं, लेकिन विरोध थमता नहीं दिख रहा। पार्टी के एक वरिष्ठ नेता के अनुसार, मंत्रिमंडल विस्तार के बाद असंतोष की आशंका थी, लेकिन विरोध इतना बढ़ जाएगा, इसका अंदाजा नहीं था। राजनीतिक मामलों के जानकार बिलाल बशीर का मानना है कि मंत्रिमंडल विस्तार के बाद सामने आया विवाद नेशनल कॉन्फ्रेंस की कमजोर होती एकजुटता को दर्शाता है। सांसद आगा रुहुल्ला पहले ही पार्टी नेतृत्व के लिए चुनौती बने हुए हैं। ऐसे में यदि नाराज विधायक भी विरोध का रास्ता अपनाते हैं, तो यह असंतोष उमर अब्दुल्ला सरकार के लिए राजनीतिक संकट पैदा कर सकता है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने युवाओं से नशे से दूर रहकर खेलों से जुड़ने की अपील की

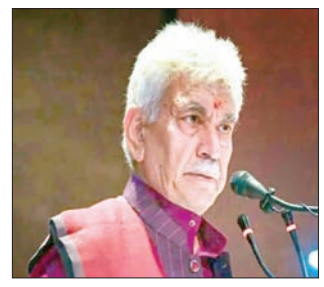
उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने युवाओं की ऊर्जा को समृद्ध जम्मू-कश्मीर की ताकत बताया

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने युवाओं से नशीले पदार्थों से दूर रहने और खेलों तथा राष्ट्र निर्माण की गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि युवाओं की ऊर्जा, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच एक शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समृद्ध जम्मू-कश्मीर के निर्माण के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। युवाओं को सही दिशा और अवसर प्रदान करके समाज में सकारात्मक बदलाव लाया जा सकता है।

डल झील के किनारे स्थित पुलिस गोल्फ कोर्स में आयोजित 'पैडल थ्रू पैराडाइज 2026' के समापन समारोह को संबोधित करते हुए उपराज्यपाल ने खेलों को युवाओं में अनुशासन, शारीरिक फिटनेस और सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने का प्रभावी माध्यम बताया। उन्होंने साइकिलिंग प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रतिभागियों और विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने और ऊर्जा को रचनात्मक कार्यों में लगाने का अवसर प्रदान करते हैं।

उपराज्यपाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पुलिस अपनी पारंपरिक जिम्मेदारियों से आगे बढ़कर ऐसे कार्यक्रम आयोजित कर रही है, जिनसे जनता का विश्वास मजबूत हो, सामाजिक सद्भाव को बढ़ावा मिले और युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ा जा सके। 'जश्न-ए-डल' और 'पैडल थ्रू पैराडाइज' जैसी पहल युवाओं में उम्मीद, अनुशासन और आत्मविश्वास का संचार करती हैं।



◆ खेलों से जुड़कर युवा नशे से बचें, समाज निर्माण में निभाएं भूमिका

उन्होंने कहा कि खेल युवाओं को अपने परिवेश से जोड़ने के साथ समाज के प्रति उनकी जिम्मेदारी का एहसास भी कराते हैं। युवा केवल देश का भविष्य नहीं हैं, बल्कि वर्तमान की ताकत भी हैं। खेल, नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में उनकी उपलब्धियां जम्मू-कश्मीर की प्रगति में योगदान देने की उनकी क्षमता को दर्शाती हैं।

सिन्हा ने नशीले पदार्थों के दुरुपयोग की समस्या पर चिंता जताते हुए कहा कि इससे निपटने के लिए परिवारों, समुदायों और युवाओं को मिलकर प्रयास करने होंगे। नशे के खिलाफ लड़ाई केवल प्रशासन या पुलिस की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि समाज के प्रत्येक वर्ग की भागीदारी आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि नशे की लत से जूझ रहे लोगों को सामाजिक कलंक और भेदभाव का सामना कराने के बजाय उन्हें सहयोग, समझ और उचित सहायता प्रदान की जानी चाहिए। ऐसे लोगों को नशे से उबरने और अपना जीवन दोबारा संवारने का अवसर देना समाज की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। उपराज्यपाल ने युवाओं को स्वस्थ, सुरक्षित और अपने लक्ष्यों के प्रति समर्पित रखने के लिए लगातार प्रयास करने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों, नवाचार और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़कर उनकी क्षमताओं का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने विश्वास जताया कि युवाओं की सक्रिय भागीदारी, सकारात्मक सोच और सामूहिक प्रयासों से जम्मू-कश्मीर को शांतिपूर्ण, प्रगतिशील और समृद्ध बनाने का लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

पार्टी नेतृत्व और चुनावी वादों से नाराजगी बनी इस्तीफे की वजह

नेकां में बगावत तेज, सांसद रुहुल्ला मेहदी तीन नवंबर को छोड़ेंगे पार्टी

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) के भीतर चल रही खींचतान के बीच सांसद आगा सैयद रुहुल्ला मेहदी ने तीन नवंबर को पार्टी और लोकसभा की सदस्यता से इस्तीफा देने की घोषणा की है। पार्टी नेतृत्व से लंबे समय से नाराज चल रहे रुहुल्ला ने स्पष्ट किया कि उनके रुख में कोई बदलाव नहीं आया है। उन्होंने पार्टी के रवैये और अपने राजनीतिक एजेंडे को लेकर असंतोष जताया है।

मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के मंत्रिमंडल विस्तार के बाद पार्टी में उभरी नाराजगी पर प्रतिक्रिया देते हुए रुहुल्ला ने कहा कि विधायकों का असंतोष स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि पहले वह अकेले पार्टी के कुछ नेताओं की कार्यशैली पर सवाल उठा रहे थे, लेकिन अब दूसरे विधायक भी अपनी नाराजगी जाहिर कर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि वह किसी नाराज विधायक के संपर्क में नहीं हैं और न ही पार्टी को तोड़ने का प्रयास कर रहे हैं।



रुहुल्ला ने तीन नवंबर को इस्तीफा देने की घोषणा अपने पिता की बरसी के दिन की है। उनके पिता की वर्ष 2000 में एक आतंकी हमले में मौत हो गई थी। रुहुल्ला जम्मू-कश्मीर में शिया समुदाय के एक बड़े वर्ग के धर्मगुरु भी हैं। उनके इस फैसले से नेकां के भीतर राजनीतिक मतभेद और गहराने की संभावना है।

चुनावी वादों से पीछे हटने का आरोप

रुहुल्ला ने आरोप लगाया कि नेशनल कॉन्फ्रेंस वर्ष 2024 के विधानसभा चुनाव के घोषणापत्र में किए गए वादों से पीछे हट रही है। उन्होंने कहा कि घोषणापत्र तैयार करने की प्रक्रिया में वह स्वयं शामिल थे। पार्टी ने जम्मू-कश्मीर के विशेष संवैधानिक दर्जे की बहाली और राज्य का दर्जा वापस दिलाने के लिए प्रयास करने का वादा किया था।

लद्दाख में बिजली प्रबंधन सुधारने को राज्य लोड डिस्पैच सेंटर प्रस्तावित

भारतेन्दु संवाददाता, लेह। लद्दाख प्रशासन ने केंद्र शासित प्रदेश में बिजली व्यवस्था को मजबूत बनाने, ग्रिड प्रबंधन में सुधार करने और उपभोक्ताओं को विश्वसनीय बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए राज्य लोड डिस्पैच सेंटर (एसएलडीसी) स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है। मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा की अध्यक्षता में लद्दाख विद्युत विकास विभाग (एलपीडीडी) की समीक्षा बैठक में इस प्रस्ताव पर चर्चा की गई। बैठक में बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण परियोजनाओं के साथ नवीकरणीय ऊर्जा पहलों की प्रगति का भी आकलन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि प्रस्तावित केंद्र के लिए उपयुक्त स्थान का चयन, संस्थागत व्यवस्था और प्रशिक्षित तकनीकी कर्मचारियों की उपलब्धता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर विचार किया गया। इस केंद्र का उद्देश्य बिजली के प्रवाह को बेहतर ढंग से नियंत्रित करना और उपलब्ध ऊर्जा संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना है। मुख्य सचिव आशीष कुंद्रा ने वर्षभर ऊर्जा सुरक्षा बनाए रखने पर जोर देते हुए गर्मी और सर्दी के मौसम में बिजली की मांग तथा उपलब्धता का विस्तृत आकलन करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि योजना बनाते समय मौसमी जलविद्युत उत्पादन, सौर ऊर्जा की उपलब्धता, बाहरी स्रोतों से बिजली खरीद और बिजली खरीद समझौतों के साथ उनसे जुड़े वित्तीय प्रभावों को भी ध्यान में रखा जाना चाहिए। बैठक में ताकमाचिक, निमू-बासगो सहित अन्य प्रमुख जलविद्युत और नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थिति की समीक्षा की गई। अधिकारियों ने जारी और प्रस्तावित परियोजनाओं की प्रगति तथा उनके क्रियान्वयन से जुड़े पहलुओं पर जानकारी साझा की। मुख्य सचिव ने परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार करने में तेजी लाने, कार्यान्वयन के लिए स्पष्ट समयसीमा तय करने और निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि समयबद्ध क्रियान्वयन से लद्दाख की बिजली उत्पादन क्षमता का अधिकतम उपयोग किया जा सकेगा। साथ ही, बेहतर योजना और समन्वय से मौसमी परिस्थितियों के बावजूद बिजली की मांग और आपूर्ति के बीच संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी।

गुरेज-तुलैल में बाढ़ सुरक्षा के लिए 11 करोड़ रुपए मंजूर

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के गुरेज और तुलैल घाटी में किशनगंगा नदी के उफान से होने वाले नुकसान को रोकने के लिए सरकार ने बाढ़ सुरक्षा के उपाय तेज कर दिए हैं। सीमावर्ती क्षेत्र के कई गांव नदी और पहाड़ी नालों के किनारे बसे हैं, जहां बरसात के दौरान अचानक पानी बढ़ने से घरों, सड़कों और कृषि भूमि को नुकसान पहुंचने का खतरा बना रहता है। इस समस्या के समाधान के लिए सरकार ने 11 करोड़ रुपये से अधिक की सुरक्षा योजना तैयार की है। पिछले कुछ वर्षों में घाटी में बादल फटने और अचानक बाढ़ आने की घटनाओं से स्थानीय लोगों को नुकसान उठाना पड़ा है। मार्च 2025 में बारनोई तुलैल में अचानक आई बाढ़ से 14 घर तबाह हो गए थे। अगस्त 2025 में जादिगाय तुलैल में बादल फटने से स्थानीय नाले में पानी का बहाव बढ़ गया और गांव को जोड़ने वाली सड़क का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया था। वहीं, वर्ष 2026 में भी तुलैल और गुरेज के विभिन्न गांवों में भारी बारिश तथा बादल फटने की घटनाओं से रिहायशी मकानों और कृषि भूमि को नुकसान पहुंचने की सूचना सामने आई। गुरेज के विधायक नजीर अहमद खान गुरेजी ने विधानसभा में क्षेत्र की बाढ़ संबंधी समस्याओं को उठाते हुए सरकार से स्थायी समाधान की मांग की थी। इसके बाद दो स्थानों पर सुरक्षा कार्यों के लिए 1 करोड़ 54 लाख 24 हजार रुपये की योजना बनाई गई है।

9.48 करोड़ की बड़ी योजना भी प्रस्तावित



सरकार ने दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए किशनगंगा नदी और उससे जुड़ने वाले नालों के किनारों को मजबूत करने की 9.48 करोड़ रुपये की एक अन्य योजना भी तैयार की है। इसका प्रस्ताव वित्त विभाग को भेजा गया है। योजना के तहत संवेदनशील स्थानों पर सुरक्षा दीवारें, पत्थरों से भरी जालियां और नदी के बहाव को नियंत्रित करने वाले ढांचे बनाने का प्रस्ताव है।इन योजनाओं के लागू होने से गुरेज और तुलैल के बाढ़ प्रभावित गांवों को राहत मिलने की उम्मीद है। हालांकि, क्षेत्र को स्थायी सुरक्षा प्रदान करने के लिए कार्यों का समय पर पूरा होना और संवेदनशील स्थानों पर प्रभावी निगरानी बनाए रखना महत्वपूर्ण होगा।

रियासी के डंसल में दर्दनाक टेम्पो हादसा, महिला की मौत, तीन घायल

भारतेन्दु संवाददाता, रियासी। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले के डंसल इलाके में बुधवार और गुरुवार की दरमियानी रात एक सड़क हादसे में 45 वर्षीय महिला की मौत हो गई, जबकि एक नाबालिग बच्ची समेत तीन अन्य लोग घायल हो गए। हादसा उस समय हुआ, जब एक टेम्पो अनियंत्रित होकर सड़क से फिसलते हुए नीचे जा गिरा। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसा डंसल क्षेत्र में 'लास्ट गल्ला' के पास हुआ। दुर्घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों और संबंधित अधिकारियों ने घायलों को अस्पताल पहुंचाने में मदद की। अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने एक महिला को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य घायलों का उपचार जारी है।



मृतका की पहचान धनौर निवासी गुलशन (45) के रूप में हुई है। हादसे में घायल लोगों में धनौर निवासी सुभाष, धारोर निवासी वाहन चालक अल्ताफ और एक नाबालिग बच्ची शामिल हैं। बच्ची की पहचान अभी नहीं हो पाई है। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है। घटना की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया है। हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि टेम्पो सड़क से कैसे फिसला। जांच पूरी होने के बाद ही दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा।

राशन वितरण में फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्यता का जम्मू में विरोध

जम्मू। फेयर प्राइस शॉप डीलर्स एसोसिएशन जम्मू-कश्मीर ने राशन वितरण के लिए आधार आधारित फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य करने के फैसले पर चिंता जताई है। जम्मू प्रेस क्लब में आयोजित पत्रकार वार्ता में एसोसिएशन के अध्यक्ष अजय गुप्ता और कार्यकारी अध्यक्ष संजय अबरोल ने विभाग से नए निर्देशों पर पुनर्विचार करने की मांग की। एसोसिएशन के अनुसार, आठ अक्टूबर को जारी आदेश के तहत नवंबर से राशन वितरण के लिए फेस ऑथेंटिकेशन अनिवार्य किया जाना है। इससे अंगूठे के निशान और ओटीपी के जरिए राशन लेने के विकल्प बंद होने की आशंका है। पदाधिकारियों ने कहा कि परिवार के मुखिया के माध्यम से ही राशन मिलने की व्यवस्था से बुजुर्गों, गंभीर रूप से बीमार लोगों और असमर्थ मुखियाओं वाले परिवारों को परेशानी हो सकती है।

बारामूला में फर्जी बैंक खातों से अवैध लेन देन, दो आरोपियों पर एफआईआर दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में फर्जी बैंक खातों के जरिए कथित तौर पर अवैध धन प्राप्त करने, रखने और एक स्थान से दूसरे स्थान पर स्थानांतरित करने के मामले में पुलिस ने दो व्यक्तियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। पुलिस के अनुसार, इस कार्रवाई का उद्देश्य साइबर अपराधों पर अंकुश लगाना और गैरकानूनी गतिविधियों में इस्तेमाल किए जा रहे वित्तीय नेटवर्क का पता लगाना है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि बारामूला पुलिस ने साइबर पुलिस स्टेशन के माध्यम से आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। आरोपियों की पहचान मोहसिन अशरफ गनी और साहिल इरशाद के रूप में हुई है। पुलिस को सूचना मिली थी कि जम्मू-कश्मीर के भीतर और बाहर अवैध धन के लेन-देन को आसान बनाने के लिए फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल किया जा रहा है। इसी सूचना के आधार पर मामले की जांच शुरू की गई।



पुलिस के मुताबिक, फर्जी बैंक खातों का इस्तेमाल वित्तीय लेन-देन से जुड़ी वास्तविक जानकारी छिपाने और धन के स्रोत का पता लगाने में बाधा उत्पन्न करने के लिए किया जा सकता है। ऐसे खातों के माध्यम से संदिग्ध धनराशि को अलग-अलग खातों में स्थानांतरित किया जा सकता है, जिससे लेन-देन की कड़ियों और उसमें शामिल लोगों की पहचान करना चुनौतीपूर्ण हो जाता है।

प्रवक्ता ने कहा कि साइबर अपराधों के लिए इस्तेमाल होने वाले ऐसे वित्तीय नेटवर्क की पहचान करना और उन्हें बाधित करना पुलिस की प्राथमिकताओं में शामिल है। इस तरह की गतिविधियों पर कार्रवाई से संदिग्ध वित्तीय लेन-देन की निगरानी करने और संभावित अपराधों की जांच में मदद मिल सकती है।

पुलिस ने बताया कि मामले की जांच जारी है। जांच के दौरान संबंधित बैंक खातों और वित्तीय लेन-देन की जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही, यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कथित गतिविधियों में आरोपियों की क्या भूमिका थी और क्या इस मामले में अन्य व्यक्ति या कोई संगठित नेटवर्क भी शामिल है।

पट्टन में प्रवासी मजदूरों की जमीन हड़पने के मामले में पांच आरोपितों पर शिकंजा

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर की अपराध शाखा की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू), कश्मीर ने बारामूला जिले के पट्टन में प्रवासी मजदूरों की 14 कनाल और 3 मरला जमीन की कथित धोखाधड़ी से बिक्री के मामले में पांच लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। मामले में एक करोड़ रुपये से अधिक की रकम लेने के बावजूद जमीन का कब्जा नहीं सौंपने और राशि वापस नहीं करने का आरोप है।

प्रवक्ता के अनुसार, आरोपपत्र सोपोर स्थित मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में एफआईआर संख्या 34/2017 के तहत दाखिल किया गया है। आरोपितों में बृज नाथ, गुलाम मोहिउद्दीन डार, गुलाम मोहम्मद शेख, जहूर अहमद डार और रियाज अहमद राथर शामिल हैं। मामला जवाहर लाल भट के स्वामित्व वाली मौजा वुस्सान गोशबुघ, पट्टन स्थित जमीन से संबंधित है। शिकायत के आधार पर दर्ज मामले की जांच में कथित तौर पर सामने आया कि आरोपितों ने फर्जी पहचान दस्तावेजों, प्रतिरूपण और पावर ऑफ अटॉर्नी के दुरुपयोग के जरिए शिकायतकर्ता को धोखा देने की साजिश रची। आरोपितों के खिलाफ धोखाधड़ी, जालसाजी और आपराधिक साजिश से संबंधित धाराएं लगाई गई हैं।

प्रवक्ता ने बताया कि बृज नाथ, हादी नाथ, मोहन लाल और गुलाम मोहिउद्दीन डार को सितंबर के अंत में गिरफ्तार किया गया था। डार को जमानत मिल गई है, जबकि बृज नाथ केंद्रीय जेल में बंद हैं।

दरबार मूव पर दो दिन भारी वाहनों की आवाजाही रहेगी बंद

फलों से लदे ट्रकों को प्राथमिकता, श्रीनगर में जाम घटाने के लिए फ्लाईओवर प्रस्तावित

भारतेन्दु संवाददाता, श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में दरबार मूव के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए 31 अक्टूबर और 1 नवंबर को जम्मू से श्रीनगर की ओर भारी वाहनों की आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, फलों से लदे ट्रकों को प्राथमिकता दी जाएगी, ताकि फल उत्पादकों और व्यापारियों को नुकसान से बचाया जा सके। डीआईजी ट्रैफिक हसीब-उर-रहमान ने वीरवार को यह जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि दरबार मूव को ध्यान में रखते हुए विशेष यातायात योजना तैयार की गई है। इसके तहत राजधानी स्थानांतरण से संबंधित वाहनों की आवाजाही को प्राथमिकता दी जाएगी। फलों से लदे ट्रकों के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है। यदि सड़क पर यातायात बाधित होता है, तो इन ट्रकों को प्राथमिकता के आधार पर आगे भेजने का प्रयास किया जाएगा।



रहमान ने कहा कि फिलहाल यातायात व्यवस्था सामान्य है और कोई बड़ी समस्या सामने नहीं आई है। हालांकि, बारिश या बर्फबारी होने पर श्रीनगर-जम्मू राष्ट्रीय राजमार्ग पर वाहनों की आवाजाही प्रभावित हो सकती है। उन्होंने यात्रियों से प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक और सोशल मीडिया के माध्यम से जारी यातायात संबंधी सलाह का पालन करने की अपील की। सड़क की स्थिति की जानकारी के लिए यातायात नियंत्रण इकाई के हेल्पलाइन नंबर 103 पर संपर्क किया जा सकता है।

श्रीनगर में जाम से निपटने की तैयारी

श्रीनगर में बढ़ते यातायात जाम के संबंध में डीआईजी ने कहा कि वाहनों की संख्या में लगातार वृद्धि इसकी प्रमुख वजह है। उन्होंने बताया कि सरकार पार्किंग सुविधाओं और सड़क बुनियादी ढांचे में सुधार के विकल्पों पर विचार कर रही है।

फेरबदल वित्त विभाग जावेद डार को सौंपा, खनन से चौधरी और शिक्षा से सकीना इट्टू की छुट्टी

उमर सरकार में विभागों का बंटवारा, कई मंत्रियों की बदलीं जिम्मेदारियां

भारतेन्दु संवाददाता, जम्मू

जम्मू-कश्मीर में मंत्रिमंडल विस्तार के एक दिन बाद मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बुधवार को मंत्रियों के विभागों का नए सिरे से आवंटन किया। इस फेरबदल में कई मंत्रियों के विभाग बदले गए हैं। जावेद अहमद डार को वित्त, खनन और सहकारिता विभाग सौंपे गए हैं, जबकि उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से खनन विभाग वापस ले लिया गया है। सकीना इट्टू को भी स्कूल शिक्षा विभाग छोड़ना पड़ा है।

उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने मुख्यमंत्री की सिफारिश पर विभागों के आवंटन का औपचारिक आदेश जारी किया। इस फेरबदल में जावेद डार की जिम्मेदारियां बढ़ी हैं। इससे पहले वित्त विभाग मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के पास था। पर्यटन विभाग भी मुख्यमंत्री के पास ही रहेगा। जिन विभागों का आवंटन किसी मंत्री को नहीं किया गया है, उनका कार्यभार भी मुख्यमंत्री संभालेंगे।

◆ विभागीय फेरबदल में जावेद डार मजबूत, चौधरी और सकीना को झटका

चौधरी से खनन विभाग वापस : मंत्रिमंडल में बदलाव के दौरान उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से खनन विभाग वापस लिया गया है, लेकिन लोक निर्माण विभाग उनके पास बरकरार रखा गया है। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायकों की तीन जून 2026 को डाचीगाम नेशनल पार्क में हुई बैठक में भी चौधरी से खनन और लोक निर्माण विभाग वापस लेने की मांग उठी थी।

वहीं, जावेद अहमद राणा से वन एवं पर्यावरण और जलशक्ति विभाग वापस ले लिए गए हैं। उन्हें खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले तथा परिवहन विभाग सौंपे गए हैं। मीर सैफुल्ला को युवा सेवा एवं खेल और एआरआइ एवं प्रशिक्षण विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

सकीना इट्टू को स्वास्थ्य विभाग :



जावेद डार, उमर अब्दुल्ला और सकीना इट्टू

सकीना इट्टू को स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा समाज कल्याण विभाग सौंपे गए हैं। स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और जलशक्ति विभाग शमीमा फिरदौस को दिए गए हैं। अली मोहम्मद सागर को राजस्व, बिजली विकास, विधि एवं संसदीय कार्य, आपदा प्रबंधन, राहत, पुनर्वास एवं पुनर्निर्माण तथा निर्वाचन विभाग की जिम्मेदारी मिली है।

मीर सैफुल्ला को योजना, विकास एवं निगरानी, संस्कृति, युवा सेवा एवं खेल और एआरआइ एवं प्रशिक्षण विभाग सौंपे गए हैं। अल्ताफ अहमद वानी को वन एवं पर्यावरण तथा ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग दिए गए हैं।

मंत्रिमंडल विस्तार में सतीश शर्मा को मंत्रिमंडल से बाहर किया गया था और चार नए मंत्रियों को शामिल किया गया था। इसके बाद विभागों के पुनर्वितरण को सरकार की प्रशासनिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण बदलाव माना जा रहा है। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने मंत्रिमंडल विस्तार के एक दिन बाद मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया है। जावेद अहमद डार को वित्त, खनन और सहकारिता विभाग सौंपे गए हैं। उपमुख्यमंत्री सुरिंदर चौधरी से खनन विभाग वापस लिया गया है, जबकि सकीना इट्टू को स्कूल शिक्षा विभाग की जगह स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा तथा समाज कल्याण विभाग दिए गए हैं।

अदला-बदली से

शुरू हुआ सिक्कों का सफर

पूर्व पाषाण काल में मानव का प्रमुख धंधा शिकार करना था। वह शिकार और पशुपालन पर निर्भर रहकर अपनी भोजन संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करता था। उस समय परिवारों और छोटे-छोटे कबीलों का जीवन भी शिकार पर ही निर्भर था। इसलिए उनका दूसरे परिवारों या कबीलों से किसी प्रकार का लेन-देन नहीं होता था। बाद में समय के साथ ज्ञान और विकास बढ़ने पर अनेक परिवर्तन हुए। विभिन्न समूहों और कबीलों में आपसी लेन-देन तथा आर्थिक संबंध स्थापित होने लगे। दैनिक जीवन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए वस्तुओं के आदान-प्रदान की जरूरत महसूस हुई और इसी से अदला-बदली का चलन शुरू हुआ।

अदला-बदली में सबसे पहले गायों, पशुओं और अनाज का लेन-देन किया जाने लगा। समाज के अलग-अलग वर्गों में यह प्रथा भी भिन्न थी। लड़ाकू जातियों में घोड़ों की अदला-बदली होती थी, जबकि घुमंतू और शिकारी कबीलों के लोग शिकार किए हुए जानवरों का आदान-प्रदान करते थे। दक्षिण प्रशांत क्षेत्र में पत्थरों और पंखों की अदला-बदली की जानकारी मिलती है। इथोपिया में कई सदियों तक नमक का आदान-प्रदान होता रहा।

हिमाचल के मैगल और द्रंग में नमक की खानें तथा नमकीन पानी मिलने के कारण नमक और नमकीन पानी के घड़ों की अदला-बदली का चलन रहा। गांवों में आज भी लोग फल, सब्जियां, जड़ी-बूटियां, अनारदाना, गलगल, नींबू और आंवला देकर बदले में कपड़े आदि लेते हैं। पशुओं की अदला-बदली भी अनेक स्थानों पर प्रचलित रही है। होमर और रोम में बैलों का आदान-प्रदान होता था। आज भी मेलों, त्योहारों और हिमाचल के नलवाड़ी मेले में पशुओं की अदला-बदली देखी जा सकती है।

हालांकि, पशुओं की अदला-बदली आसान नहीं थी, क्योंकि उनकी नस्ल, आयु, कार्यक्षमता और दूध देने की मात्रा में अंतर होता था। वस्तुओं के विभाजन में भी समस्याएं आती थीं। इन कठिनाइयों के कारण अदला-बदली के स्थान पर पहले धातु की छड़ों और फिर धातु के टुकड़ों का प्रयोग शुरू हुआ। बाद में इन टुकड़ों पर निशान अंकित किए जाने लगे, जिससे सिक्कों का चलन आरंभ हुआ माना जाता है।



डॉ. कमल

पौराणिक साहित्य और वेदों में निष्क के माध्यम से आदान-प्रदान की जानकारी मिलती है। निष्क सोने-चांदी के गोलाकार या वर्गाकार टुकड़ों से बने हार के रूप में प्रचलित था। ऋग्वेद में रईस नाम से चांदी के सिक्कों का उल्लेख मिलता है। वैदिक काल में सोने और तांबे के सिक्कों का भी चलन था। यही परंपरा पूर्व मौर्य और उत्तर मौर्य काल में भी जारी रही। बौद्ध साहित्य में सिक्कों को कहापना और करषापण कहा गया है। उस समय कामशा, पादा, माशका, काकणिका और करषापण जैसी मुद्राएं भी प्रचलित थीं, जिनका मूल्य स्थान और समय के अनुसार अलग-अलग होता था।

बाद में धातु के चपटे और गोल टुकड़ों को समान भार में काटकर सिक्कों के रूप में इस्तेमाल किया जाने लगा। इन पर आहत करके एक या दो चिह्न अंकित किए जाते थे। इसी कारण इन्हें आहत सिक्के कहा गया। इन्हें भारत के सबसे प्राचीन सिक्कों में माना जाता है। ऐसे सिक्के देश के कई स्थानों से मिले हैं। हिमाचल के मंडी, कांगड़ा, सोलन और अन्य क्षेत्रों से भी इनकी प्राप्ति हुई है। आहत सिक्कों



एआई निर्मित चित्र।

के प्रचलन के समय को लेकर विद्वानों में मतभेद हैं। प्रो. ए. एल. बाशम के अनुसार, बिना निशान वाले आहत सिक्कों का चलन छठी शताब्दी ईसा पूर्व से शुरू होकर कई शताब्दियों तक जारी रहा। हालांकि, निशान वाले सिक्कों के अध्ययन से इनके प्रचलन के इससे पहले शुरू होने की संभावना भी व्यक्त की जाती है। इन सिक्कों पर सूर्य, पर्वत, वृक्ष, पशु, मछली, सांप और गोलाकार आकृतियों के चिह्न मिलते हैं। प्राचीन समय में सोने, चांदी और तांबे के सिक्कों के साथ कौड़ियों का भी लेन-देन में व्यापक प्रयोग होता था। आज भी कुछ पुराने दुकानदारों के गल्लों में कौड़ियां देखने को मिल जाती हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

घर- संस्कारों की पहली पाठशाला और राष्ट्र निर्माण का आधार

यह हम सबने सुना है कि घर पहली पाठशाला होती है और माता प्रथम गुरु होती है, लेकिन क्या कभी हमने विचार किया है कि वास्तव में घर होता क्या है? क्या घर रेत, मिट्टी, सीमेंट, लोहा और टाइल्स से बनी एक इमारत मात्र है? वास्तव में घर का निर्माण उसमें रहने वाले लोगों के आचरण, विचारों और संस्कारों से होता है। घर-परिवार केवल चार दीवारें नहीं, बल्कि एक-दूसरे की चिंता करने, देखभाल करने, गलतियाँ सुधारने, सुख-दुःख में साथ रहने और उन्नति के लिए प्रेरित करने वाले लोगों का समूह है।

आज तथाकथित आधुनिकता के दौर में घर भोजन करने और सोने का ठिकाना बनते जा रहे हैं। हर व्यक्ति भागदौड़ में व्यस्त है। किसी के पास परिवार के लिए समय नहीं है और यदि समय है भी तो मोबाइल फोन ने उसे जकड़ रखा है। युवा पढ़ाई और रोजगार के लिए गाँवों से शहरों की ओर जा रहे हैं। दूसरी ओर, शहरों में जीवन धन कमाने तक सीमित होता जा रहा है। लोगों के पास फिल्में देखने, मैच और रील्स देखने का समय है, लेकिन बच्चों और माता-पिता के साथ बैठकर बातचीत करने का समय नहीं है। ऐसे में पारिवारिक रिश्तों में दूरी बढ़ना स्वाभाविक है।

इसी स्थिति में परिवार प्रबोधन का महत्त्व बढ़ जाता है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अपने शताब्दी वर्ष में पंच परिवर्तन अभियान के माध्यम से परिवार प्रबोधन जैसे विषयों पर जोर दे रहा है। संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने भी व्याख्यानमाला में इस विषय को उठाया। यह विचार करने योग्य है कि जिस देश में पूरी वसुधा को परिवार मानने की परंपरा रही है, वहाँ आज अपने ही माता-पिता और बच्चों के लिए समय निकालने की आवश्यकता समझानी पड़ रही है। वृद्धाश्रमों में माता-पिता का रहना और पारिवारिक संबंधों में बढ़ती



एआई निर्मित चित्र।

कटुता समाज के सामने गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं।

अक्सर कहा जाता है कि आजकल के बच्चे संस्कारी नहीं हैं, लेकिन प्रश्न यह है कि उन्हें संस्कार देगा कौन? संस्कारों की पहली पाठशाला घर-परिवार ही है। परिवार के बड़े सदस्य जब बच्चों के साथ बैठेंगे, बातचीत



बिंदु सिंह ठाकुर

करेंगे, उन्हें अपने परिवार के इतिहास, परंपराओं, संस्कृति और सामाजिक दायित्वों से परिचित कराएँगे, तभी उनमें अच्छे संस्कार विकसित होंगे। परिवार प्रबोधन का अर्थ ही है कि सभी सदस्य साथ बैठकर भोजन करें, एक-दूसरे की समस्याएँ सुनें, विचार साझा करें और मिलकर समाधान खोजें।

पारिवारिक संवाद में बहुत शक्ति होती है। बातचीत और अच्छे व्यवहार से अनेक विवादों को टाला जा सकता है। जहाँ संवाद की कमी होती है, वहाँ गलतफहमियाँ बढ़ती हैं और रिश्तों में तनाव पैदा होता है। इसलिए परिवार के सदस्यों को एक-दूसरे के लिए समय निकालना चाहिए। बच्चों को केवल सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनके साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखना भी आवश्यक है। माता-पिता का स्नेह, मार्गदर्शन और व्यवहार ही बच्चों के व्यक्तित्व निर्माण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

भारत को विश्व में अग्रणी बनाना है तो भावी पीढ़ी को अच्छे संस्कारों और नागरिक दायित्वों से परिचित कराना होगा। युवा तभी जिम्मेदार नागरिक बनेंगे, जब उन्हें अपने परिवार, रिश्तों, परंपराओं और देश की संस्कृति का बोध होगा। दुनिया को जीतने से पहले अपने घर को जीतना आवश्यक है। घर को जीतने का अर्थ है परिवार के सभी सदस्यों में अपनेपन, निस्वार्थ प्रेम, सहयोग और एकता की भावना विकसित करना। आधुनिकता तभी सार्थक है, जब वह हमें अपने परिवार और मूल्यों से दूर न करे। जब परिवार के सदस्य नियमित रूप से साथ बैठेंगे और संवाद करेंगे, तब उन्हें समझ आएगा कि घर केवल रहने, खाने और सोने की जगह नहीं, बल्कि संस्कारों का केंद्र है। परिवार मजबूत होगा तो समाज मजबूत होगा और समाज मजबूत होगा तो देश का भविष्य भी उज्ज्वल बनेगा।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

वेलनेस और डिजिटलीकरण में उलझता प्राथमिक स्वास्थ्य

देश की स्वास्थ्य व्यवस्था पिछले एक दशक में अभूतपूर्व बदलावों से गुजर रही है। डिजिटल तकनीकों का विस्तार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, टेलीमेडिसिन, इलेक्ट्रॉनिक स्वास्थ्य अभिलेख और एकीकृत डिजिटल मंचों ने स्वास्थ्य सेवाओं के स्वरूप को बदलना शुरू किया है। दूसरी ओर, चिकित्सा विज्ञान में अब उपचार के साथ समग्र स्वास्थ्य, रोग निवारण, मानसिक स्वास्थ्य, पोषण, योग और स्वस्थ जीवनशैली पर भी जोर दिया जा रहा है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्र, आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन, ई-संजीवनी और आभा डिजिटल स्वास्थ्य पहचान जैसी पहलें इसी बदलाव का हिस्सा हैं। हालांकि, सवाल यह है कि क्या डिजिटल परिवर्तन और समग्र स्वास्थ्य पर केंद्रित दृष्टिकोण मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थानों का विकल्प बन सकते हैं? इसका उत्तर नहीं है।

तकनीक स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक कुशल, पारदर्शी और सुलभ बना सकती है, लेकिन वह डॉक्टरों, नर्सों, दवाओं, प्रयोगशालाओं, एंबुलेंस और मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थानों की जगह नहीं ले सकती। स्वास्थ्य सेवा मूल रूप से मानवीय सेवा है, जिसका आधार मजबूत संस्थागत ढांचा, प्रशिक्षित मानव संसाधन और समुदाय तक पहुंच है। यदि प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था कमजोर होगी, तो आधुनिक डिजिटल मंच भी नागरिकों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने में सफल नहीं हो पाएंगे।

भारत की सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था का आधार उप-स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र और



एआई निर्मित चित्र।

डिजिटल स्वास्थ्य क्रांति के लिए जमीनी ढांचे पर जोर

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य, टीकाकरण, पोषण, परिवार नियोजन, संक्रामक रोगों पर नियंत्रण, गैर-संचारी रोगों की शुरुआती पहचान और प्राथमिक उपचार जैसी आवश्यक सेवाएं इन्हीं संस्थानों के माध्यम से मिलती हैं। दुर्भाग्य से ग्रामीण, जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों के अनेक स्वास्थ्य संस्थान वर्षों से डॉक्टरों, नर्सों, दवाओं, उपकरणों और बुनियादी सुविधाओं की कमी से जूझ रहे हैं। कई केंद्रों में नियमित बिजली, स्वच्छ पेयजल, इंटरनेट, प्रयोगशाला और एंबुलेंस जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध नहीं हैं। ऐसे में केवल डिजिटल मंच विकसित करने से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता अपने आप नहीं सुधर सकती।

आयुष्मान भारत स्वास्थ्य एवं कल्याण केंद्रों का उद्देश्य प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करना है। इनमें मातृ-शिशु स्वास्थ्य, गैर-संचारी रोगों की जांच, मानसिक स्वास्थ्य और योग जैसी सेवाएं शामिल हैं। लेकिन कई स्थानों पर संसाधनों, दवाओं और कर्मचारियों की कमी के कारण इन केंद्रों की क्षमता सीमित बनी हुई है। इसलिए प्राथमिक स्वास्थ्य संस्थानों को पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराना आवश्यक है।

भारत डिजिटल मिशन के माध्यम



डॉ. प्रियंका सौरभ

से स्वास्थ्य सेवाओं का डिजिटलीकरण किया जा रहा है। इससे स्वास्थ्य अभिलेखों और उपचार संबंधी जानकारी को बेहतर तरीके से उपलब्ध कराने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यह व्यवस्था डॉक्टरों की कमी या कमजोर बुनियादी ढांचे का विकल्प नहीं है। ग्रामीण भारत में डिजिटल सुविधाओं तक असमान पहुंच भी एक बड़ी चुनौती है। वास्तविक सुधार के लिए मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य तंत्र, पर्याप्त संसाधन और जमीनी स्तर पर काम करने वाले स्वास्थ्यकर्मियों की क्षमता बढ़ाना जरूरी है।

अंततः तकनीक और समग्र स्वास्थ्य की अवधारणा तभी प्रभावी हो सकती है, जब उनके साथ मजबूत प्राथमिक स्वास्थ्य व्यवस्था भी विकसित की जाए। डिजिटल सुविधाओं का उद्देश्य स्वास्थ्यकर्मियों की मदद करना और नागरिकों तक सेवाओं की पहुंच बढ़ाना होना चाहिए।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

संपादकीय

रक्षा उद्योग को बढ़ावा

केंद्रीय रक्षा खरीद परिषद (डीपीसी) ने सैन्य बलों की सामरिक जरूरतों को पूरा करने के लिए 2.12 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद प्रस्तावों को मंजूरी देकर देश की सुरक्षा और सैन्य आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। इन प्रस्तावों में थल सेना, नौसेना और वायुसेना के लिए आधुनिक हथियारों, निगरानी प्रणालियों और रक्षा उपकरणों की खरीद शामिल है। बदलते वैश्विक सुरक्षा परिदृश्य और सीमाओं पर बढ़ती चुनौतियों के बीच भारतीय सेनाओं को आधुनिक तकनीक से लैस करना समय की आवश्यकता है। हालांकि, रक्षा तैयारियों का उद्देश्य केवल हथियारों की संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि सैन्य क्षमता, रणनीतिक आत्मनिर्भरता और सैनिकों की सुरक्षा को मजबूत करना भी होना चाहिए।

प्रस्तावित खरीद में सेना के लिए मल्टी रोल लाइट हेलीकॉप्टर, लंबी दूरी के टोही मानवरहित हवाई वाहन, उन्नत श्रेणी के लंबी दूरी के आत्मघाती ड्रोन सिस्टम और कम दूरी के वायु रक्षा उपकरण शामिल हैं। नौसेना के लिए मिसाइल रोधी सेल्फ प्रोपेल्ड ट्रैक्ड गन सिस्टम तथा वायुसेना के लिए हेलीकॉप्टर और डॉप्लर रडार जैसे उपकरणों की व्यवस्था भी महत्वपूर्ण है। इन प्रणालियों से दुश्मन की गतिविधियों पर निगरानी रखने, संभावित खतरों की पहचान करने और जरूरत पड़ने पर सटीक कार्रवाई करने की क्षमता बढ़ेगी। आधुनिक युद्ध में सूचना, गति और तकनीकी श्रेष्ठता निर्णायक भूमिका निभाती हैं। ऐसे में सेना को समय के अनुरूप सक्षम बनाना जरूरी है।

आज युद्ध का स्वरूप तेजी से बदल रहा है। पारंपरिक हथियारों के साथ ड्रोन, साइबर हमले, इलेक्ट्रॉनिक युद्ध और सटीक निशाना लगाने वाली प्रणालियों का महत्व बढ़ गया है। मानवरहित हवाई वाहन सीमावर्ती क्षेत्रों की निगरानी, दुश्मन की गतिविधियों का आकलन और संवेदनशील ठिकानों की सुरक्षा में उपयोगी साबित हो रहे हैं। इसी प्रकार, वायु रक्षा प्रणालियां दुश्मन के ड्रोन और अन्य हवाई खतरों से सैन्य ठिकानों तथा महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की रक्षा करने में सहायक हैं। इसलिए रक्षा खरीद में आधुनिक तकनीक को प्राथमिकता देना देश की सुरक्षा रणनीति के अनुरूप है।

भारत की सुरक्षा चुनौतियां भी लगातार बदल रही हैं। पाकिस्तान की ओर से होने वाली सामरिक गतिविधियां, चीन के साथ सीमा संबंधी तनाव और क्षेत्रीय स्तर पर बदलते सैन्य समीकरण देश को अपनी तैयारियां मजबूत करने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे वातावरण में किसी भी संभावित खतरे का समय रहते आकलन करना और उसका प्रभावी जवाब देने की क्षमता बनाए रखना आवश्यक है। हालांकि, रक्षा तैयारियों का उद्देश्य केवल किसी एक देश के विरुद्ध सैन्य शक्ति बढ़ाना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सीमाओं की रक्षा करना, शांति बनाए रखना और किसी भी आपात स्थिति में देश की संप्रभुता की सुरक्षा सुनिश्चित करना होना चाहिए।

इस खरीद निर्णय का एक महत्वपूर्ण पहलू रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना है। कुल खरीद का 82 प्रतिशत भारतीय रक्षा उद्योग से किए जाने का लक्ष्य घरेलू विनिर्माण, अनुसंधान और तकनीकी विकास के लिए नए अवसर पैदा कर सकता है। इससे देश की रक्षा कंपनियों, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों और निजी उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। साथ ही, रक्षा उपकरणों के निर्माण में स्वदेशी तकनीक और स्थानीय संसाधनों का उपयोग बढ़ने से विदेशों पर निर्भरता कम करने में मदद मिल सकती है। रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक आवश्यकता नहीं, बल्कि रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है।

देश में रक्षा उद्योग का विस्तार होने से रोजगार के नए अवसर पैदा हो सकते हैं। इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स, संचार तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक्स और मशीन निर्माण जैसे क्षेत्रों में कुशल युवाओं की मांग बढ़ सकती है। इसके अलावा, रक्षा अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहन मिलने से भारत नई तकनीकों के विकास में अपनी क्षमता बढ़ा सकता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि स्वदेशी उत्पादन की गुणवत्ता, उपकरणों की विश्वसनीयता और समय पर आपूर्ति सुनिश्चित की जाए। केवल खरीद के लिए बजट निर्धारित कर देना पर्याप्त नहीं है; योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

रक्षा खरीद की प्रक्रिया में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। हथियारों तथा उपकरणों की आपूर्ति में अनावश्यक देरी से सैन्य तैयारियां प्रभावित हो सकती हैं। इसलिए खरीद से लेकर परीक्षण, उत्पादन और तैनाती तक सभी चरणों की नियमित निगरानी आवश्यक है। साथ ही, तीनों सेनाओं के बीच बेहतर समन्वय और संसाधनों का प्रभावी उपयोग सुनिश्चित करना होगा, ताकि आधुनिक उपकरण वास्तविक जरूरतों के अनुरूप काम कर सकें।

अंततः 2.12 लाख करोड़ रुपये के रक्षा खरीद प्रस्ताव देश की सुरक्षा और सैन्य आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं। इनसे सेनाओं की परिचालन क्षमता मजबूत करने और स्वदेशी रक्षा उद्योग को आगे बढ़ाने की संभावनाएं हैं। भारत की प्राथमिकता युद्ध नहीं, बल्कि शांति और स्थिरता होनी चाहिए। लेकिन शांति बनाए रखने के लिए मजबूत रक्षा क्षमता और विश्वसनीय प्रतिरोधक शक्ति भी आवश्यक है। आधुनिक हथियारों, प्रशिक्षित सैनिकों, स्वदेशी तकनीक और मजबूत रणनीतिक तैयारी के संतुलित मेल से ही भारत अपनी सीमाओं की सुरक्षा करते हुए क्षेत्रीय शांति और राष्ट्रीय हितों की रक्षा कर सकता है।

-शिवांश धाकड़

आज की प्रमुख हस्ती

निकुंज मलिक की अभिनय यात्रा

निकुंज मलिक भारतीय अभिनेत्री और टेलीविजन जगत की जानी-पहचानी हस्ती हैं। उनका जन्म 30 अक्टूबर 1989 को हुआ। उन्होंने मनोरंजन की दुनिया में अपनी शुरुआत रियलिटी टेलीविजन कार्यक्रम से की और धीरे-धीरे फिल्मों में भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अभिनय के साथ-साथ फैशन डिजाइनिंग में उनकी शैक्षणिक पृष्ठभूमि भी उन्हें एक अलग पहचान देती है। निकुंज ने अपने करियर में टेलीविजन, बॉलीवुड और विज्ञापन जगत में काम किया है।



निकुंज मलिक
जन्म : 30 अक्टूबर 1989

निकुंज मलिक को पहली बार लोकप्रियता वर्ष 2011 में प्रसारित हुए रियलिटी शो राहुल दुल्हनिया ले जाएगा से मिली। यह कार्यक्रम एनडीटीवी इमेजिन पर 1 फरवरी 2011 को शुरू हुआ था। इस शो में उन्होंने प्रतियोगी के रूप में हिस्सा लिया। अपनी उपस्थिति और व्यक्तित्व के कारण वह दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुईं। हालांकि, कार्यक्रम के अंतिम चरण में उन्होंने विवाह करने का विकल्प नहीं चुना और शादी से पीछे हटने का निर्णय लिया। इस फैसले ने उस समय काफी ध्यान आकर्षित किया और उन्हें टेलीविजन दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बना दिया।

टेलीविजन पर पहचान बनाने के बाद निकुंज मलिक ने हिंदी फिल्मों की ओर रुख किया। उन्होंने कंगना रनौत अभिनीत बॉलीवुड फिल्म रिवॉल्वर रानी से फिल्मी दुनिया में कदम रखा। इस फिल्म में काम करके उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इसके अलावा वह फिल्म द शौकीन्स में अतिथि भूमिका में भी नजर आईं। इन फिल्मों के माध्यम से उन्होंने मनोरंजन जगत में अपने अनुभव का विस्तार किया और टेलीविजन से आगे बढ़कर फिल्मों में काम करने का अवसर प्राप्त किया।

निकुंज मलिक की शिक्षा भी उनके व्यक्तित्व का एक महत्वपूर्ण पक्ष है। उन्होंने राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएफटी) से स्नातक और स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूरी की है। उनकी विशेषज्ञता फुटवियर डिजाइनिंग में है। फैशन के क्षेत्र में उनकी शैक्षणिक योग्यता उन्हें अभिनय से अलग एक पेशेवर पहचान भी प्रदान करती है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार, उन्होंने भारतीय प्रबंधन संस्थान अहमदाबाद में डॉक्टरेट कार्यक्रम के लिए भी प्रवेश संबंधी प्रक्रिया पूरी की थी, लेकिन बाद में इसे बीच में छोड़ दिया।

त्योहार की भागदौड़ में न भूलें अपनी सुंदरता का ख्याल



एआई निर्मित चित्र।

त्योहारों का सीजन शुरू हो चुका है और कुछ ही दिनों में दिवाली आने वाली है। स्वाभाविक है कि दीपों के इस त्योहार पर आप भी रंगों की तरह दमकना चाहती हैं। दिवाली पर घर को सुंदर बनाने, सजावट, लाइटिंग और खरीदारी की तैयारियों में महिलाएं विशेष भूमिका निभाती हैं। हालांकि, इन तमाम तैयारियों के बीच वे अक्सर अपनी त्वचा, बालों और सौंदर्य की अनदेखी कर बैठती हैं। यदि आप घर की सजावट के साथ अपने सौंदर्य पर भी ध्यान दें, तो त्योहार की खुशियां कई गुना बढ़ सकती हैं। इसके लिए महंगे सौंदर्य प्रसाधनों के बजाय घरेलू नुस्खों को भी अपनाया जा सकता है।

दिवाली के साथ मौसम में भी बदलाव आने लगता है। ठंडक बढ़ने और वातावरण में नमी कम होने से त्वचा रूखी होने लगती है। होंठों, चेहरे और बालों पर इसका असर साफ दिखाई देता है। पर्वतीय क्षेत्रों में पहली बर्फबारी के बाद त्वचा का प्राकृतिक संतुलन बिगड़ सकता है। ऐसे में त्वचा में नमी बनाए रखना बेहद जरूरी है। सामान्य और रूखी त्वचा को दिन में दो बार हल्के क्लींजर से साफ करें। इसके बाद गुलाब जल और उपयुक्त मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। रात को सोने से पहले चेहरे से मेकअप और अन्य सौंदर्य प्रसाधन हटाना न भूलें, क्योंकि धूल, प्रदूषण और गंदगी त्वचा संबंधी समस्याओं को बढ़ा सकते हैं।

मौसम में ठंडक के बावजूद दिन का तापमान अधिक हो सकता है। इसलिए घर से बाहर निकलने से पहले त्वचा पर सनस्क्रीन लगाएं और जरूरत के अनुसार मॉइस्चराइजर का इस्तेमाल करें। तैलीय त्वचा को भी नमी की आवश्यकता होती है। इसके लिए त्वचा के अनुकूल हल्का, बिना रोमछिद्र बंद करने वाला मॉइस्चराइजर उपयोगी हो सकता है। चेहरे की सफाई के लिए दूध या उपयुक्त फेसवॉश का इस्तेमाल किया जा सकता है। बादाम के बारीक पाउडर, दही और थोड़ी हल्दी से घरेलू फेस पैक बनाया जा सकता है, लेकिन संवेदनशील त्वचा पर ऐसे मिश्रण लगाने से पहले पैच टेस्ट करना जरूरी है।

दिवाली पर त्वचा में निखार लाने के लिए शहद और एलोवेरा जैसे घरेलू पदार्थों का इस्तेमाल भी किया जाता है। एलोवेरा जेल त्वचा को नमी प्रदान करने में मदद कर सकता है। गाजर में विटामिन और अन्य पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो त्वचा के स्वास्थ्य के लिए उपयोगी हैं। हालांकि, घरेलू नुस्खे हर त्वचा पर समान प्रभाव नहीं डालते, इसलिए किसी भी पदार्थ से जलन होने पर उसका इस्तेमाल बंद कर देना चाहिए। नींबू का रस सीधे चेहरे पर लगाने से बचें, क्योंकि इससे त्वचा में जलन और धूप के प्रति संवेदनशीलता बढ़ सकती है। बालों की देखभाल के लिए सप्ताह में एक या दो बार तेल से हल्की मालिश की जा सकती है।



शहनाज हुसैन

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

कविता

दीवार के उस पार

सतीश धर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

वो जो दीवार के उस पार हैं,
सभी कुछ तो वैसा ही है
जैसा अपने देश में होता है।
फूलों पर रंग यकसा,
हवाओं में मस्ती यकसा,
पेट के निवाले यकसा,
पैरों में छाले यकसा,
दिलों में दर्द यकसा।
सदियां अब भी तलाश रही हैं,
जो इस ओर है,
वह उस ओर क्यों नहीं।
लम्हों ने बदले पहरावे दोनों ओर,
खून ने भी बदला रंग दोनों ओर,
दीवारों पर शहादत ही,
लिखी गई दोनों ओर।
बावजूद इसके,
सब कुछ वैसा ही रहा,
जैसा दीवार के उस पार था।
कह दो,
एक बार-दीवारों को आदत बदलनी होगी,
या फिर टूटकर बिखरना होगा।
आदत तो बदली जा सकती है,
पर बिखरने का दर्द
इतिहास की कहानी बन जाती है।

'भारतेन्दु शिखर'

प्रकाशक, मुद्रक, संपादक एवं स्वामी शिवांश धाकड़ द्वारा शर्मा भवन, न्यू रणजीत नगर, एप्पल फ्रूट मंडी, नजदीक ढली टनल, शिमला (हि.प्र.) 171006 से प्रकाशित एवं बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद शिमला न्यायालय के अधीन होंगे।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/2000/02437
ई-मेल : bhartendunewsmedia@gmail.com, फोन नंबर : 88946-77702

न्यूज ब्रीफ

भाजपा जिला हमीरपुर के खेल एवं परिवहन प्रकोष्ठों ने किया अपनी-अपनी कार्यकारिणियों का विस्तार

भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। भारतीय जनता पार्टी जिला हमीरपुर के खेल और परिवहन प्रकोष्ठ की कार्यकारिणियों का विस्तार किया गया है। जिला संयोजकों जगदीप शर्मा और विनोद कुमार सोनी ने जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर की मंजूरी के बाद मंडल संयोजकों और जिला सह-संयोजकों की नियुक्तियां की हैं। खेल प्रकोष्ठ में दीप पठानिया को नादौन, अशोक कुमार को गलोड़, अनिल कुमार को हमीरपुर ग्रामीण और देवराज को हमीरपुर शहरी मंडल का संयोजक बनाया गया है। वहीं, परिवहन प्रकोष्ठ में संजीव शर्मा को भोरंज और राकेश कुमार को समीरपुर मंडल की जिम्मेदारी सौंपी गई है। अन्य मंडलों में भी नियुक्तियां की गई हैं। जिलाध्यक्ष राकेश ठाकुर ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने और जिम्मेदारियों का निष्ठा से निर्वहन करने का आह्वान किया।

लाइब्रेरी की किताबों और लैब के उपकरणों का हो सदुपयोग: निशा गुप्ता



अमर सिंह ठाकुर,भारतेन्दु संवाददाता, पंजगाईं। मुख्यमंत्री आदर्श राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पंजगाईं में एनएसएस शिविर के समापन समारोह में शिक्षा विभाग की उपनिदेशक एवं गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी निशा गुप्ता ने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच और समस्याओं के समाधान की क्षमता विकसित करना है। उन्होंने शिक्षकों से पुस्तकालय की पुस्तकों और प्रयोगशाला उपकरणों का नियमित उपयोग करवाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि विज्ञान प्रदर्शनियों और एनएसएस शिविरों से विद्यार्थियों में रचनात्मकता, आत्मविश्वास, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित होती है। साथ ही मोबाइल का संतुलित उपयोग, खेलकूद और रचनात्मक गतिविधियां भी जरूरी हैं।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, शिमला द्वारा फिट इंडिया फ्रीडम रन 7.0 का आयोजन



भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय, शिमला द्वारा आज 29 अक्तूबर को फिट इंडिया फ्रीडम रन 7.0 का आयोजन किया गया7 इस वर्ष की थीम 'फ़िटनेस की डोस, आधा घंटा रोज़' है7 यह रन भारतीय उच्च अध्ययन संस्थान, चौड़ा मैदान पार्किंग ग्राउन्ड से आरंभ हुई तथा अवालॉज होते हुए चौड़ा मैदान डाकघर से होकर आरभ स्थल पर सम्पन्न हुई7 इस रन का मुख्य उद्देश्य जनता में फ़िटनेस के प्रति जागरूकता फैलाना था।

कोटलू में आग से आशियाना राख, पीड़ित परिवार से मिले राजेंद्र गर्ग

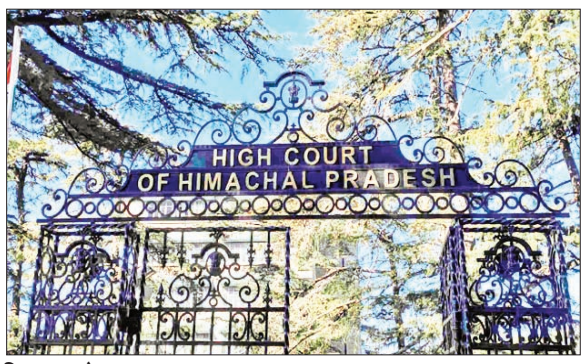
भारतेन्दु संवाददाता, घुमारवीं। ग्राम पंचायत बम्म के कोटलू गांव में सोमवार को कश्मीर सिंह पुत्र पुन्नू राम के रिहायशी मकान में आग लगने से काफी सामान जलकर राख हो गया। पूर्व खाद्य आपूर्ति मंत्री एवं भाजपा नेता राजेंद्र गर्ग ने पीड़ित परिवार से मुलाकात कर उनका दुख साझा किया और ढांढस बंधाया। राजेंद्र गर्ग ने परिवार की जरूरतों को देखते हुए आवश्यक सामान भेंट कर मदद की। उन्होंने कहा कि अग्निकांड से परिवार को आर्थिक नुकसान के साथ मानसिक पीड़ा भी झेलनी पड़ती है। ऐसे समय में प्रभावित परिवार को हरसंभव सहयोग मिलना चाहिए। उन्होंने प्रशासन से नुकसान का उचित आकलन करवाकर नियमानुसार मुआवजा देने की मांग की। साथ ही प्रभावित परिवार को जल्द राहत उपलब्ध करवाने की अपील की। राजेंद्र गर्ग ने भरोसा दिलाया कि घुमारवीं भाजपा संकट की इस घड़ी में परिवार के साथ खड़ी है और हरसंभव सहायता करेगी।

संजौली–भट्टाकुफर सुरंग निर्माण पर हाईकोर्ट ने एनएचएआई से मांगा जवाब

जमीन अधिग्रहण पर 600 करोड़ खर्च, फिर सुरंग बनाने का फैसला क्यों

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट ने संजौली से भट्टाकुफर तक बन रही जुड़वां सुरंग के निर्माण को लेकर भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) से जवाब तलब किया है। अदालत ने पूछा कि जब छकरेल, भट्टाकुफर और ढली से होकर सतही सड़क बनाने के लिए जमीन अधिग्रहित की गई थी और करीब 600 करोड़ रुपये मुआवजे के रूप में बांटे गए थे, तो उस योजना को छोड़कर घनी आबादी वाली पहाड़ी के नीचे सुरंग बनाने का फैसला क्यों लिया गया।

मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी। संजौली के निवासियों ने याचिका दायर कर सुरंग निर्माण रोकने की मांग की है। उनका आरोप है कि निर्माण के दौरान सुरक्षा मानकों का पालन नहीं किया गया, जिससे पहाड़ी के ऊपर बने मकानों को खतरा पैदा हो गया है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, कई मकानों में दरारें आई हैं और कुछ घरों को हाल ही में असुरक्षित घोषित किया गया है। याचिका में बताया गया कि मूल योजना के तहत सतही राजमार्ग बनाने के लिए जमीन अधिग्रहित की गई थी। इस प्रक्रिया में करीब 88 परिवारों के मकान तोड़े गए और वे विस्थापित हुए। बाद में इस योजना को छोड़कर संजौली से भट्टाकुफर तक जुड़वां सुरंग बनाने का प्रस्ताव अपनाया गया। याचिकाकर्ताओं ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) की रिपोर्ट का हवाला देते हुए सुरक्षा संबंधी चिंताएं जताईं। रिपोर्ट के अनुसार, कब्रिस्तान और विशाल मेगा मार्ट के आसपास कुछ स्थानों पर सुरंग और सतह के बीच की दूरी केवल 14 मीटर है। सुरंग से पानी निकलने का मुद्दा भी उठाया गया है। स्थानीय शिकायतों के बाद ब्लास्टिंग रोकने के निर्देश दिए गए थे।



हिमाचल प्रदेश उच्च न्यायालय।

आईआईटी रुड़की की तकनीकी टीम ने एक अक्टूबर को मौके का निरीक्षण किया। एनएचएआई ने अदालत को बताया कि निर्माण 18 सितंबर से बंद है और आईआईटी की रिपोर्ट तथा सुरक्षा उपायों के पूरा होने तक काम शुरू नहीं होगा। हाईकोर्ट ने एनएचएआई से दो सप्ताह में जवाब मांगा है और 600 करोड़ रुपये के मुआवजे पर सरकारी खजाने से हुए खर्च की भरपाई को लेकर भी स्पष्टीकरण मांगा है। अदालत ने उम्मीद जताई कि अगली सुनवाई तक निर्माण कार्य बंद रहेगा। मामले की अगली सुनवाई 17 नवंबर को होगी, जिसमें एनएचएआई को अपना पक्ष रखना होगा।

ढालपुर में प्लाट के बढ़े दामों पर भड़के व्यापारी 20 हजार वाला प्लाट अब 50 हजार में!

◆ कुल्लू दशहरा मेले में प्लाट के बढ़े दामों से व्यापारी परेशान

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान ढालपुर में प्लाट के किराये में भारी बढ़ोतरी को लेकर व्यापारियों में रोष है। कारोबारियों का आरोप है कि इस साल प्लाट की दरें दो से तीन गुना तक बढ़ा दी गई हैं। पिछले साल जिस प्लाट के लिए 20 हजार रुपये देने पड़ते थे, उसके लिए इस बार 50 हजार रुपये तक मांगे जा रहे हैं। व्यापारियों ने प्रशासन से पिछले साल की दरों पर प्लाट उपलब्ध करवाने की मांग की है। उन्होंने चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर वे दुकानें समेटकर वापस लौट जाएंगे।

दिल्ली से आए व्यापारी तफसीर जफर ने बताया कि वह पिछले कई वर्षों से कुल्लू दशहरा उत्सव में दुकान लगा रहे हैं। हर साल उन्हें मेले में अच्छे कारोबार की उम्मीद रहती है, लेकिन इस बार किराये में भारी वृद्धि से कारोबार करना मुश्किल हो गया है। उन्होंने कहा कि प्लाट की दरों में दो से तीन गुना बढ़ोतरी व्यापारियों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डाल रही है। तफसीर जफर ने बताया कि इस बार उन्हें पहले वाली जगह पर दुकान लगाने का अवसर भी नहीं मिला और दुकान की जगह बदल दी गई है। इससे उनकी परेशानी बढ़ गई है। उन्होंने प्रशासन से व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुनने और पिछले साल की दरों पर प्लाट देने की अपील की।

व्यापारियों का कहना है कि दूर-दराज के क्षेत्रों से मेले में पहुंचने पर परिवहन, माल ढुलाई और अन्य खर्च भी उठाने पड़ते हैं। ऐसे में प्लाट का किराया बढ़ने से उनके लिए कारोबार चलाना चुनौतीपूर्ण हो गया है। उन्होंने प्रशासन से जल्द हस्तक्षेप कर दरें कम करने की मांग की है। व्यापारियों ने स्पष्ट किया कि यदि उनकी मांग पर विचार नहीं किया गया तो वे दशहरा उत्सव से लौटने का फैसला ले सकते हैं। व्यापारियों ने कहा कि किराये में राहत मिलने से उन्हें आर्थिक नुकसान से बचने और मेले में कारोबार जारी रखने का अवसर मिलेगा। उन्होंने प्रशासन से जल्द उचित निर्णय लेने की मांग की।

एमएलसी नतीजों ने विपक्ष के एजेंडे पर उठाए सवाल : अनुराग ठाकुर

सुरेंद्र कटोच, भारतेन्दु संवाददाता, हमीरपुर। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र से सांसद अनुराग सिंह ठाकुर ने चार राज्यों की 28 विधान परिषद (एमएलसी) सीटों के चुनाव में एनडीए की जीत पर प्रसन्नता जताई। उन्होंने कहा कि बैलेट पेपर से हुए इन चुनावों ने कांग्रेस समेत विपक्ष के वोट चोरी के आरोपों को बेनकाब कर दिया है। उनके अनुसार, परिणाम कांग्रेस के घटते जनाधार और जनता के विश्वास में कमी को दर्शाते हैं।

अनुराग ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस भय, भ्रम, झूठ और अराजकता की राजनीति कर रही है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं और चुनावी व्यवस्थाओं पर सवाल उठाकर कांग्रेस चुनावों में मिल रही हार को छिपाने का प्रयास करती है। कभी ईवीएम, कभी चुनाव आयोग और कभी चुनाव आयुक्त पर आरोप लगाना पार्टी की राजनीति का हिस्सा बन गया है। उन्होंने कहा कि चार राज्यों की 28 एमएलसी सीटों के चुनाव में एनडीए की जीत और कांग्रेस की हार से विपक्ष के दावों पर सवाल खड़े हुए हैं। ठाकुर ने दावा किया कि इन परिणामों से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और भाजपा के प्रति जनता का भरोसा सामने आया है।



हिमाचल प्रदेश के हालिया पंचायती राज और नगर निकाय चुनावों का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वहां भी बैलेट पेपर से मतदान हुआ, लेकिन कांग्रेस को जनता का समर्थन नहीं मिला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश की जनता कांग्रेस सरकार की नीतियों और कार्यशैली से निराश है। ठाकुर ने कहा कि मतदान ईवीएम से हो या बैलेट पेपर से, जनादेश का सम्मान करना लोकतंत्र की बुनियादी शर्त है। उन्होंने कांग्रेस से आरोपों के बजाय जनता का विश्वास दोबारा अर्जित करने पर ध्यान देने की अपील की।

नगर निगम परिसर में बलवंत सिंह की प्रतिमा लगाने की मांग

भारतेन्दु संवाददाता, पालमपुर। इन्साफ संस्था के उपाध्यक्ष अश्विनी राणा ने पालमपुर नगर निगम कार्यालय परिसर में स्वर्गीय ठाकुर बलवंत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की मांग उठाई है। उन्होंने इन्साफ संस्था के अध्यक्ष एवं पालमपुर के पूर्व विधायक प्रवीन कुमार के समक्ष यह मांग रखते हुए कहा कि बलवंत सिंह ने शहर के विकास और जनसेवा में महत्वपूर्ण योगदान दिया था। अश्विनी राणा ने बताया कि नगर परिषद के कार्यकाल में ठाकुर बलवंत सिंह ने दस चुनाव लड़े और सभी में जीत दर्ज की। उन्होंने अध्यक्ष, उपाध्यक्ष और पार्षद के रूप में शहर की सेवा की। उनके अनुसार, लगातार दस चुनाव जीतना पालमपुर की जनता के बीच उनकी लोकप्रियता और जनविश्वास को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि ऐसे जननेताओं के योगदान और स्मृतियों को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाना जरूरी है। नगर निगम परिसर में उनकी प्रतिमा स्थापित करना उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। अश्विनी राणा ने स्थानीय विधायक और नगर निगम के जनप्रतिनिधियों से मांग पर विचार करने का आग्रह किया।

सैन्य सेवा से साहित्य तक, 63वें वर्ष में पीएचडी हासिल कर अनुज आचार्य ने रचा प्रेरक अध्याय

63वें वर्ष में पीएचडी हासिल कर डॉ. अनुज आचार्य ने पेश की मिसाल

भारतेन्दु संवाददाता, बैजनाथ। भूतपूर्व सैनिक, शिक्षाविद्, लेखक, स्तंभकार और समाजसेवी डॉ. अनुज कुमार आचार्य ने जीवन के 63वें वर्ष में हिंदी विषय में पीएचडी की उपाधि हासिल कर अध्ययन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता का परिचय दिया है। सीटी यूनिवर्सिटी, लुधियाना से प्राप्त यह उपाधि उनके चार दशक से अधिक लंबे शैक्षणिक, साहित्यिक और बौद्धिक सफर की महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उनकी इस सफलता को निरंतर सीखने और नए लक्ष्य हासिल करने की प्रेरक मिसाल के रूप में देखा जा रहा है।

बैजनाथ में जन्मे डॉ. आचार्य ने भारतीय सेना की सेना शिक्षा कोर में लगभग 17 वर्ष छह माह तक शिक्षा अनुदेशक के रूप में सेवाएं दीं। सैन्य सेवा के बाद उन्होंने हिमाचल प्रदेश शिक्षा विभाग में हिंदी प्रवक्ता के रूप में कार्य किया और करीब 37 वर्षों तक शिक्षा के क्षेत्र में योगदान दिया। सैन्य अनुशासन और लंबे शिक्षण अनुभव ने उनके व्यक्तित्व तथा कार्यशैली को समृद्ध किया।



डॉ. आचार्य पत्रकारिता और साहित्य के क्षेत्र में भी सक्रिय रहे हैं। उनके सैकड़ों आलेख दैनिक दिव्य हिमाचल, गिरिराज साप्ताहिक सहित विभिन्न समाचार पत्रों और पत्रिकाओं में प्रकाशित हो चुके हैं। उनके लेखन का केंद्र शिक्षा, संस्कृति, युवा चेतना, राष्ट्रहित और समसामयिक विषय रहे हैं। उनकी पांच पुस्तकें भी प्रकाशित हो चुकी हैं, जो उनकी साहित्यिक सक्रियता को दर्शाती हैं। उनके शोध का विषय 'हिमाचल प्रदेश का हिंदी मीडिया : विविध आयामों का अनुशीलन' रहा। इस शोध के माध्यम से उन्होंने हिमाचल प्रदेश में हिंदी मीडिया के विकास, स्वरूप, विभिन्न माध्यमों और उसकी सामाजिक-सांस्कृतिक भूमिका का अध्ययन किया।

यह विषय प्रदेश के मीडिया जगत और हिंदी पत्रकारिता के विविध पहलुओं को समझने की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। डॉ. आचार्य की उपलब्धि यह संदेश देती है कि शिक्षा और ज्ञान अर्जित करने की कोई आयु सीमा नहीं होती। दृढ़ संकल्प, जिज्ञासा और निरंतर परिश्रम से जीवन के किसी भी पड़ाव पर नए लक्ष्य हासिल किए जा सकते हैं।

एहजु रेलवे फाटक और सुकाबाग में सड़क पुलिया के अधूरे काम पर विधायक चिंतित

भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। एहजु रेलवे फाटक के पास सड़क की दयनीय स्थिति को लेकर स्थानीय विधायक प्रकाश राणा ने गंभीर चिंता जताई है। उन्होंने संबंधित विभाग के अधिकारियों को सड़क की जल्द मरम्मत करने और सुधार कार्य में तेजी लाने के सख्त निर्देश दिए हैं। विधायक ने कहा कि आम जनता को सड़क की खराब हालत के कारण परेशानी नहीं होनी चाहिए और विभाग को इस समस्या का प्राथमिकता के आधार पर समाधान करना चाहिए।



सड़क की बदहाल स्थिति के चलते स्थानीय लोगों और राहगीरों को आवाजाही में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। सड़क पर आवागमन प्रभावित होने से लोगों को परेशानी झेलनी पड़ रही है। इस स्थिति को लेकर स्थानीय लोगों और राहगीरों में रोष है। उन्होंने संबंधित विभाग से सड़क की मरम्मत जल्द करवाने और समस्या का स्थायी समाधान करने की मांग उठाई है। विधायक प्रकाश राणा ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जनसमस्याओं को गंभीरता से लिया जाए और सड़क सुधार के कार्य को प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि सड़क की मरम्मत होने से लोगों को राहत मिलेगी और आवागमन अधिक सुरक्षित एवं सुचारू हो सकेगा। स्थानीय लोगों को उम्मीद है कि संबंधित विभाग विधायक के निर्देशों पर जल्द कार्रवाई करेगा और सड़क की हालत में सुधार लाकर उनकी परेशानी दूर करेगा।

मार्च 2027 की एसओएस परीक्षाओं की तैयारी शुरू

सनी महाजन, भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2027 में प्रस्तावित राज्य मुक्त विद्यालय (एचपीएसओएस) परीक्षाओं के लिए निजी स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाने की आवेदन प्रक्रिया का शेड्यूल जारी कर दिया है। इच्छुक संबद्ध निजी स्कूल और शिक्षण संस्थान एक नवंबर से बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी लॉगिन आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि 30 नवंबर 2026 तक आवेदन करने पर कोई विलंब शुल्क नहीं लगेगा। एक से 15 दिसंबर तक आवेदन करने वाले संस्थानों को निर्धारित शुल्क के अतिरिक्त पांच हजार रुपये लेट फीस देनी होगी। वहीं, 16 से 31 दिसंबर तक आवेदन करने पर 10 हजार रुपये विलंब शुल्क देना होगा। 31 दिसंबर के बाद आवेदन पर बोर्ड अध्यक्ष या सचिव की पूर्व अनुमति से ही विचार किया जाएगा।

त्रिलोक कपूर बोले, मतदाता सूची की जांच संवैधानिक प्रक्रिया, कांग्रेस का विरोध समझ से परे

एसआईआर वाले राज्यों में कांग्रेस का सूपड़ा साफ : त्रिलोक कपूर

भारतेन्दु संवाददाता, बैजनाथ। भाजपा के प्रदेश वरिष्ठ प्रवक्ता त्रिलोक कपूर ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि एसआईआर मतदाता सूची की जांच और शुद्धिकरण की प्रक्रिया है, जो आजादी के बाद से अब तक आठ बार हो चुकी है। कपूर के अनुसार, इनमें से कई बार कांग्रेस के प्रधानमंत्री के कार्यकाल में भी यह प्रक्रिया अपनाई गई थी।

कपूर ने कहा कि चुनाव आयोग को मतदाता सूची की समीक्षा करने का संवैधानिक अधिकार प्राप्त है। इसलिए एसआईआर की प्रक्रिया को संवैधानिक व्यवस्था के संदर्भ में समझना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पहले कांग्रेस के प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल में यह प्रक्रिया हुई थी, तो अब इसका विरोध क्यों किया जा रहा है। भाजपा प्रवक्ता ने पालमपुर नगर निगम चुनाव का उल्लेख करते हुए आरोप लगाया कि वहां कांग्रेस ने योजनाबद्ध तरीके से मतदाताओं की संख्या बढ़ाने का प्रयास किया। उन्होंने दावा किया कि इस मामले को लेकर पालमपुर के वरिष्ठ नागरिकों ने संविधान के अनुच्छेद 243 के तहत प्रदेश चुनाव आयोग को नोटिस जारी किया है।



हालांकि, ये आरोप हैं और इनकी स्वतंत्र पुष्टि उपलब्ध जानकारी से नहीं होती। कपूर ने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी के परनाना और देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के कार्यकाल में एसआईआर तीन बार हुआ था। उनके अनुसार, इंदिरा गांधी के कार्यकाल में दो बार और राजीव गांधी के कार्यकाल में भी यह प्रक्रिया अपनाई गई थी। उन्होंने कांग्रेस से पूछा कि नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में एसआईआर होने पर उसे आपत्ति क्यों है।

उन्होंने यह भी कहा कि कांग्रेस और उसके गठबंधन से जुड़े कुछ नेता अलग-अलग अवसरों पर एसआईआर का समर्थन कर चुके हैं। कपूर ने दिल्ली में डुप्लीकेट मतदाताओं को लेकर अरविंद केजरीवाल के वर्ष 2015 के बयान का भी जिक्र किया। भाजपा प्रवक्ता ने बताया कि 42 पूर्व न्यायाधीशों ने खुले पत्र पर हस्ताक्षर कर चुनाव आयोग के कामकाज पर समर्थन जताया है। उन्होंने कहा कि संवैधानिक संस्थाओं पर आरोप लगाने से पहले तथ्यों और प्रक्रियाओं को समझना जरूरी है। कपूर ने कहा कि मतदाता सूची की पारदर्शिता लोकतंत्र को मजबूत करती है और सभी राजनीतिक दलों को चुनाव आयोग की संवैधानिक प्रक्रिया का सम्मान करना चाहिए।

निवेशक जागरूकता कार्यक्रम में 250 विद्यार्थियों को वित्तीय प्रबंधन की जानकारी मिली

जितेंदर कुमार, भारतेन्दु संवाददाता, जोगिंद्रनगर। राजीव गांधी स्मारक महाविद्यालय जोगिंद्रनगर में भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के निवेशक जागरूकता कार्यक्रम के तहत वित्तीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। महाविद्यालय के करियर काउंसलिंग एवं प्लेसमेंट सेल की ओर से आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ प्राचार्य प्रकाश चौहान ने किया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता एनआईएसएम प्रमाणित प्रशिक्षक प्रवीण कुमार ने विद्यार्थियों को वित्तीय साक्षरता, बचत, निवेश के विभिन्न विकल्पों और निवेश संबंधी सावधानियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि वित्तीय निर्णय लेते समय सतर्कता बरतना और निवेश से पहले उचित जानकारी हासिल करना आवश्यक है। इससे वित्तीय धोखाधड़ी से बचने के साथ अपनी बचत का बेहतर उपयोग किया जा सकता है। उन्होंने विद्यार्थियों को भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए जिम्मेदार निवेश अपनाने के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम के तहत वाणिज्य, विज्ञान और कला संकाय के विद्यार्थियों के लिए तीन अलग-अलग सत्र आयोजित किए गए। इनमें लगभग 250 विद्यार्थियों ने भाग लिया और वित्तीय प्रबंधन से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां हासिल कीं।

समग्र शिक्षा के तहत जेईई/नीट निःशुल्क कोचिंग बूट कैंप का शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। समग्र शिक्षा हिमाचल प्रदेश के सौजन्य से डाइट मंडी और समग्र शिक्षा मंडी के संयुक्त तत्वावधान में प्लस टू के विद्यार्थियों के लिए नौ दिवसीय निःशुल्क जेईई-नीट ऑनलाइन कोचिंग बूट कैंप का शुभारंभ होटल रिवर बैंक, मंडी में किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन उपनिदेशक (क्वालिटी) मीना ठाकुर ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर प्रधानाचार्य राजेश शर्मा भी उपस्थित रहे। जिला समन्वयक डॉ. राकेश ने बताया कि बूट कैंप में प्रदेश के विभिन्न जिलों से 160 से अधिक विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। अगले नौ दिनों तक विद्यार्थियों को जेईई और नीट परीक्षाओं की विशेष तैयारी करवाई जाएगी। फिजिक्स वाला और अवंती फेलो के करीब 10 अनुभवी मेंटर्स विद्यार्थियों को विषय संबंधी जानकारी, परीक्षा की रणनीति, समय प्रबंधन और शंकाओं के समाधान के लिए विशेष सत्र देंगे।

एफआईआर कार्तिक चौधरी ने शिकायत में बंटी सराजी और सुमित की भूमिका पर सवाल उठाए

टैक्सी-मैक्सी ऑपरेटर एसोसिएशन प्रधान अभिलव पर पुलिस कार्रवाई

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान लाल चंद प्रार्थी कला केंद्र के बाहर हुई नारेबाजी को लेकर विवाद गहरा गया है। युवा कांग्रेस के जिला अध्यक्ष कार्तिक चौधरी की शिकायत पर टैक्सी-मैक्सी ऑपरेटर एसोसिएशन के प्रधान अभिलव के खिलाफ एफआईआर दर्ज होने की बात सामने आई है। कार्तिक चौधरी ने आरोप लगाया कि उत्सव के दौरान नारेबाजी कर भीड़ को उकसाने और माहौल बिगाड़ने का प्रयास किया गया।

कार्तिक चौधरी के अनुसार, इस घटनाक्रम के दौरान अभिलव के साथ बंटी सराजी और सुमित भी मौजूद थे। उन्होंने आरोप लगाया कि दशहरा उत्सव में उमड़ी भीड़ के बीच नारेबाजी करके लोगों को भड़काने की कोशिश की गई, जिससे मौके पर अव्यवस्था पैदा होने की आशंका थी। युवा कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा प्रदेश की सांस्कृतिक पहचान और देव परंपराओं से जुड़ा महत्वपूर्ण उत्सव है। ऐसे आयोजन के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने आरोप लगाया कि नारेबाजी के जरिए उत्सव माहौल बिगाड़ने की साजिश रची गई। कार्तिक चौधरी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज होने की बात कही गई है। हालांकि, पुलिस की आधिकारिक पुष्टि, दर्ज धाराओं और जांच की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी सामने आना बाकी है। अभिलव, बंटी सराजी और सुमित का पक्ष भी उपलब्ध नहीं हो पाया है। मामले में पुलिस जांच के बाद ही आरोपों और संबंधित लोगों की भूमिका स्पष्ट होगी।


दशहरा नारेबाजी मामले में एसोसिएशन प्रधान पर एफआईआर।

गौर रहे कि दशहरा उत्सव से पहले बंटी सराजी ने मंजू शर्मा मौत मामले को लेकर आंदोलन की चेतावनी दी थी। हालांकि, मृतका के पति के आंदोलन से पीछे हटने के बाद यह आंदोलन आगे नहीं बढ़ पाया था। कार्तिक चौधरी ने कहा कि कुल्लू की जनता ने इस घटनाक्रम को देखा है और भविष्य में ऐसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने प्रशासन से उत्सव के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी विवाद की निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने की मांग की।

एनएच-305 पर फड़ेल नाला के पास खाई में गिरी आल्टो, युवक की मौत

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू के आनी क्षेत्र में राष्ट्रीय राजमार्ग-305 पर फड़ेल नाला के पास वीरवार दोपहर बाद दर्दनाक सड़क हादसे में 21 वर्षीय युवक की मौत हो गई। युवक की आल्टो कार अनियंत्रित होकर कई सौ फुट गहरी खाई में जा गिरी। मृतक की पहचान तेजेन्द्र राणा पुत्र निहाल राणा, निवासी खनाग के रूप में हुई है। डीएसपी आनी राजीव मेहता ने हादसे की पुष्टि करते हुए बताया कि तेजेन्द्र राणा कार में अकेले आनी से अपने घर खनाग की ओर जा रहा था। फड़ेल नाला के समीप भूस्खलन प्रभावित स्थान पर पहुंचने के दौरान कार अचानक अनियंत्रित हो गई और गहरी खाई में जा गिरी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही आनी पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थानीय लोगों और अग्निशमन विभाग के जवानों की मदद से कड़ी मशक्कत के बाद शव को खाई से निकालकर सड़क तक पहुंचाया।

भुंतर में सजा भव्य वेडिंग ज्वेलरी शो पांच हजार ब्राइडल डिजाइन बने आकर्षण



धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश के प्रतिष्ठित ज्वेलर वर्मा ज्वेलर्स की ओर से आयोजित वेडिंग ज्वेलरी शो का शुभारंभ वीरवार को भुंतर स्थित जे.जे. रिजॉर्ट्स, शमशी में हुआ। मैक्स किड्स स्कूल की प्रिंसिपल राखी ओकाजा ने मुख्य अतिथि के रूप में शो का उद्घाटन किया। इस अवसर पर वर्मा परिवार और कंपनी की टीम मौजूद रही।

सोलन, शिमला, पालमपुर और रोहड़ू में सफल आयोजन के बाद पहली बार कुल्लू घाटी में यह शो आयोजित किया जा रहा है। शो एक नवंबर तक प्रतिदिन सुबह 11 बजे से रात 8:30 बजे तक चलेगा। इसमें प्रवेश पूरी तरह निःशुल्क है।

शो में 5,000 से अधिक ब्राइडल डिजाइन और 1,000 से ज्यादा नेकलेस डिजाइन प्रदर्शित किए गए हैं। संग्रह में पोल्की, जड़ाऊ, एंटीक और टेंपल ज्वेलरी के पारंपरिक व आधुनिक विकल्प शामिल हैं। शादी के भारी सेट के साथ मेहंदी, संगीत और रिसेप्शन के लिए हल्के आभूषण भी उपलब्ध हैं। इस आयोजन से कुल्लू, भुंतर और मनाली के परिवारों को शादी के गहनों की खरीदारी के लिए दूसरे शहरों में जाने की जरूरत नहीं होगी। वे परिवार के साथ एक ही स्थान पर विभिन्न डिजाइन देखकर अपनी पसंद के आभूषण चुन सकते हैं।

गुरुग्राम में अवैध निर्माणों पर प्रशासन सख्त पांच चारदीवारी और सड़क नेटवर्क भी तोड़ा

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम



गुरुग्राम में अवैध कॉलोनियों में विकसित हो रहे निर्माणों के खिलाफ टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग ने बुधवार को भोंडसी में बड़ी तोड़फोड़ कार्रवाई की। विभाग की टीम ने करीब 20 एकड़ क्षेत्र में फैली दो अवैध कॉलोनियों में निर्माणों को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान भोंडसी थाना पुलिस का बल भी मौके पर मौजूद रहा।

विभाग के अनुसार, भोंडसी गांव की राजस्व संपदा के अंतर्गत विकसित इन दोनों अवैध कॉलोनियों में बड़े पैमाने पर निर्माण गतिविधियां चल रही थीं। इन्हीं निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए टीम ने कुल 241 डीपीसी को तोड़ा। इसके अलावा पांच चारदीवारी और सात अन्य ढांचों को भी ध्वस्त किया गया। कॉलोनियों में बनाए गए पक्के और कच्चे रास्तों के पूरे नेटवर्क को भी हटा दिया गया। टाउन एंड कंट्री प्लानिंग विभाग की इस कार्रवाई का उद्देश्य अवैध रूप से विकसित की जा रही कॉलोनियों में निर्माण गतिविधियों पर रोक लगाना रहा। विभाग ने संबंधित क्षेत्र में योजनाबद्ध तरीके से तोड़फोड़ की कार्रवाई को अंजाम दिया। मौके पर पुलिस बल की मौजूदगी के बीच अवैध निर्माणों को हटाया गया। कार्रवाई का नेतृत्व जिला नगर योजनाकार प्रवर्तन (डीटीपीई) अमित मधोलिया ने किया। विभाग की टीम ने निर्धारित क्षेत्र में बने निर्माणों और रास्तों को ध्वस्त किया।

करीब 20 एकड़ क्षेत्र में कार्रवाई होने से अवैध कॉलोनियों में विकसित किए गए कई निर्माण प्रभावित हुए। गुरुग्राम और आसपास के क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियों का विकास शहरी नियोजन से जुड़ा महत्वपूर्ण मुद्दा है। बिना निर्धारित अनुमति विकसित होने वाले निर्माणों के खिलाफ संबंधित विभाग समय-समय पर कार्रवाई करते हैं।

नए आपराधिक कानून लागू करने में हरियाणा देश में अव्वल

ई-समन से छह महीने में 25.65 करोड़ और वीडियो सुनवाई से 1.16 करोड़ रुपए बचे

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



हरियाणा पुलिस ने नए आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में राष्ट्रीय स्तर पर पहला स्थान हासिल किया है। सितंबर 2026 के राष्ट्रीय डैशबोर्ड के अनुसार, राज्य ने इन कानूनों को लागू करने और उनसे जुड़ी व्यवस्थाओं को मजबूत बनाने में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने इसे राज्य पुलिस की महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

डीजीपी अजय सिंघल के अनुसार, हरियाणा देश का पहला राज्य है, जिसने भारतीय न्याय संहिता-2023, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 और भारतीय साक्ष्य अधिनियम-2023 को पूरी तरह लागू किया है। ये तीनों नए आपराधिक कानून एक जुलाई 2024 से प्रभावी हुए थे। इनके तहत पुलिस की कार्यप्रणाली, जांच और न्यायिक प्रक्रिया में तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दिया गया है। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि ई-समन व्यवस्था के इस्तेमाल से छह महीने में 25.65 करोड़ रुपये मूल्य के ईंधन की बचत दर्ज की गई। इस व्यवस्था के माध्यम से समन भेजने की प्रक्रिया को डिजिटल बनाया गया है, जिससे कागजी कार्रवाई और समन पहुंचाने के लिए होने वाले आवागमन पर खर्च कम हुआ है। इसी तरह, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए सुनवाई में भाग लेने से सात महीने के दौरान 1.16 करोड़ रुपये के ईंधन की बचत हुई। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के इस्तेमाल से संबंधित अधिकारियों और अन्य पक्षों को हर बार सुनवाई के लिए यात्रा करने की जरूरत कम होती है। इससे समय और संसाधनों की बचत में भी मदद मिलती है। हरियाणा पुलिस ने जीरो एफआईआर की सांताहिक समीक्षा की व्यवस्था भी लागू की है। इसके तहत जीरो एफआईआर की स्थिति पर नियमित निगरानी रखी जाती है। सामान्यत: 48 घंटे के भीतर जीरो एफआईआर को नियमित एफआईआर में बदलने की व्यवस्था भी लागू है।

गंभीर अपराधों में फॉरेंसिक टीम की शत-प्रतिशत विजिट

इसके अलावा हरियाणा पुलिस ने गंभीर अपराधों में घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम की शत-प्रतिशत विजिट सुनिश्चित की है। इससे वैज्ञानिक साक्ष्य जुटाने और जांच प्रक्रिया को मजबूत बनाने में मदद मिल रही है। नए आपराधिक कानूनों के तहत डिजिटल तकनीक के इस्तेमाल से पुलिस की कार्यप्रणाली को अधिक पारदर्शी और प्रभावी बनाने पर जोर दिया जा रहा है। ई-समन, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और जीरो एफआईआर की नियमित निगरानी जैसी व्यवस्थाओं से समय और संसाधनों की बचत हो रही है।

दीपावली से पहले महंगी हुईं सब्जियां, लहसुन 350 और प्याज 100 रुपए किलो

भारतेन्दु संवाददाता, हांसी



दीपावली से पहले सब्जियों की बढ़ती कीमतों ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। त्योहार के दौरान घरों में पकवान और विभिन्न व्यंजन बनाने की तैयारियों के बीच सब्जियों के महंगे दाम लोगों की चिंता बढ़ा रहे हैं। बाजार में आलू और कुछ चुनिंदा सब्जियों को छोड़कर अधिकांश सब्जियां 40 रुपये प्रति किलो से अधिक भाव पर बिक रही हैं। इससे घरेलू खर्च में बढ़ोतरी हो रही है और लोगों को खरीदारी के दौरान अपने बजट का ध्यान रखना पड़ रहा है।

सब्जियों के बाजार में सबसे अधिक कीमत लहसुन की है, जो 350 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। वहीं, मटर 200 रुपये और नींबू 220 रुपये प्रति किलो बिक रहा है। प्याज के दाम भी बढ़कर 100 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए हैं। इसके अलावा हरी मिर्च 120 रुपये प्रति किलो बिक रही है। रोजमर्रा के भोजन में इस्तेमाल होने वाली इन चीजों के महंगे होने से लोगों की परेशानी बढ़ गई है। दीपावली पर घरों में तरह-तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं।

ऐसे में सब्जियों के बढ़े हुए दाम त्योहार की तैयारियों पर भी असर डाल रहे हैं। रसोई में इस्तेमाल होने वाली सब्जियों और मसालों के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। खासकर लहसुन, प्याज और हरी मिर्च जैसी आवश्यक चीजों की कीमतें बढ़ने से भोजन तैयार करने का खर्च भी बढ़ रहा है। आम परिवारों के लिए बढ़ती महंगाई के बीच घर का बजट संभालना चुनौती बन गया है। त्योहार के दौरान मिठाइयों, अन्य खाद्य सामग्री और घरेलू जरूरतों पर भी खर्च बढ़ता है। ऐसे में सब्जियों की कीमतों में तेजी से परिवारों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ रहा है। लोगों को जरूरत के अनुसार ही सब्जियां खरीदने और खर्च में कटौती करने के विकल्प अपनाने पड़ रहे हैं।

हांसी के बाजार में सब्जियों के बढ़े दामों ने दीपावली से पहले महंगाई का असर साफ कर दिया है। लहसुन, मटर, नींबू, प्याज और हरी मिर्च की कीमतें लोगों का ध्यान खींच रही हैं। त्योहार के मौके पर सब्जियों के भाव में आई तेजी से रसोई का खर्च बढ़ गया है। अब आम लोगों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में सब्जियों की कीमतों में राहत मिलेगी, ताकि त्योहार की तैयारियां बजट के भीतर की जा सकें। सब्जियों के दाम बढ़ने से बाजार में खरीदारी का रुझान भी प्रभावित हो रहा है। लोग अब कीमतों की तुलना कर जरूरत के मुताबिक सामान खरीद रहे हैं। त्योहार के बीच महंगाई ने आम परिवारों की चिंता बढ़ा दी है।

फरीदाबाद से पाक आतंकी शहजाद भट्टी का हैंडलर गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, फरीदाबाद। पंजाब पुलिस ने आतंकी गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद से कुलवंत अली नामक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उसे पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकी शहजाद भट्टी से जुड़े होने तथा फाजिल्का के जलालाबाद में हुए हैंड ग्रेनेड हमले का मास्टरमाइंड होने का आरोपी बताया गया है। पुलिस के मुताबिक, 13 सितंबर 2026 को जलालाबाद में हुए हैंड ग्रेनेड हमले के बाद से ही सुरक्षा एजेंसियां उसकी तलाश कर रही थीं। जांच के दौरान मिले इनपुट के आधार पर पंजाब पुलिस ने फरीदाबाद में कार्रवाई कर उसे गिरफ्तार किया। कुलवंत अली पंजाब के फिरोजपुर जिले का निवासी बताया जा रहा है। पुलिस अब हमले में उसकी कथित भूमिका, साजिश में शामिल अन्य लोगों और उसके संपर्कों की जांच कर रही है। आरोपी का नाम राजस्थान के श्रीगंगानगर में आठ किलोग्राम आरडीएक्स बरामद होने के मामले में भी सामने आया है। इस मामले में भी उसे वांछित बताया जा रहा है।

आईपीएल में चयन का झांसा, महिला कांस्टेबल से 40 लाख ठगे

आरोपी ने खुद को दिल्ली रणजी टीम का खिलाड़ी बताकर महिला को झांसे में लिया

भारतेन्दु संवाददाता, नारनौल



हरियाणा पुलिस में नारनौल में तैनात एक महिला कांस्टेबल से क्रिकेटर बनकर 40 लाख रुपये की ठगी करने का मामला सामने आया है। आरोपी विक्रांत तोमर पर महिला को आईपीएल में चयन करवाने का झांसा देकर रकम ऐंठने का आरोप है। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद महिला कांस्टेबल को अब अपनी रकम वापस मिलने की उम्मीद जगी है।

महिला कांस्टेबल ने गुरुवार को बताया कि उसके साथ यह धोखाधड़ी वर्ष 2022 में हुई थी। उसने इस संबंध में गुरुग्राम में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन उस समय कोई कार्रवाई नहीं हुई। महिला खुद भी क्रिकेट खिलाड़ी रह चुकी है और अपनी बहन के साथ सहवाग क्रिकेट एकेडमी में खेलने जाती थी। इसी दौरान उसकी मुलाकात विक्रांत से हुई। महिला के अनुसार, आरोपी की इंस्टाग्राम आईडी 'विक्ट्री' नाम से थी। वह खुद को दिल्ली रणजी टीम का खिलाड़ी बताता था। उसने महिला को बताया कि आईपीएल में चयन के लिए 60 लाख रुपये की जरूरत है। महिला ने इतनी बड़ी रकम देने में असमर्थता जताई तो आरोपी ने अपने मामा संजीव का हवाला देते हुए एक सप्ताह के भीतर पैसे लौटाने का भरोसा दिलाया।

इसके बाद महिला कांस्टेबल ने विक्रांत, उसके भाई तन्मय, बिलाल खान और अन्य लोगों के बैंक खातों में अलग-अलग किश्तों में कुल 40 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिए। इस रकम में कुछ पैसे उसने अपनी बहन से उधार भी लिए थे। आरोप है कि रकम वापस मांगने पर विक्रांत टालमटोल करने लगा और बाद में पैसे लौटाने से इनकार कर दिया। इतना ही नहीं, उसने महिला को नौकरी से हटवाने की धमकी भी दी।

◆ **खुद को दिल्ली रणजी टीम का खिलाड़ी बताकर आरोपी ने महिला को फंसाया**

पुलिस के मुताबिक, उत्तर प्रदेश के बागपत निवासी 26 वर्षीय विक्रांत के खिलाफ दिल्ली के मायापुरी, हरि नगर और इंद्रपुरी समेत विभिन्न स्थानों पर ठगी के पांच मामले दर्ज हैं। आरोपी महंगी गाड़ियां किराये पर लेकर महिलाओं को घुमाता और सोशल मीडिया पर लग्जरी जीवनशैली की तस्वीरें व वीडियो पोस्ट करता था।

गुरुग्राम में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच साफ-सफाई और स्वच्छता मानकों पर जोर

भारतेन्दु संवाददाता, गुरुग्राम

◆ **गुरुग्राम में खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच, स्वच्छता मानकों पर जोर**

◆ **दूषित भोजन से बचाव के लिए खाद्य सुरक्षा अभियान**

शहर में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और जन-स्वास्थ्य की सुरक्षा के उद्देश्य से खाद्य प्रतिष्ठानों में साफ-सफाई और सैनिटाइजेशन की व्यवस्था पर जोर दिया जा रहा है। इसी कड़ी में सेक्टर-31 स्थित कई खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर संचालकों को स्वच्छता मानकों और सुरक्षित खाद्य प्रबंधन के प्रति जागरूक किया गया। मेट्रोपालिटन सर्विलांस यूनिट (एमएसयू), गुरुग्राम से जुड़े खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञ राकेश ने ट्विन ब्रदर्स, एएए फूड्स और मुंबई एक्सप्रेस पाव भाजी सहित अन्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य खाद्य पदार्थों को दूषित होने से बचाना, खाद्य जनित बीमारियों का जोखिम कम करना और उपभोक्ताओं को सुरक्षित भोजन उपलब्ध कराने के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। निरीक्षण के दौरान रसोई की साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के संपर्क में आने वाली सतहों की स्वच्छता, बर्तनों और उपकरणों का रखरखाव, खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण तथा कर्मचारियों की व्यक्तिगत स्वच्छता जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर ध्यान दिया गया। खाद्य सुरक्षा विशेषज्ञ ने प्रतिष्ठान संचालकों को इन सभी व्यवस्थाओं को नियमित रूप से बनाए रखने की आवश्यकता बताई। त्योहारों के मौसम में मिठाइयों और अन्य खाद्य पदार्थों की मांग बढ़ने के कारण उनकी गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करना विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे में खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता के नियमों का पालन उपभोक्ताओं को दूषित भोजन से बचाने में अहम भूमिका निभाता है।

अभियान के माध्यम से संचालकों को सुरक्षित खाद्य प्रबंधन के तरीकों की जानकारी दी गई। साथ ही, उन्हें रसोई और कार्यस्थल पर साफ-सफाई बनाए रखने तथा खाद्य सामग्री को उचित तरीके से रखने के प्रति सचेत किया गया। प्रशासन का उद्देश्य खाद्य सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाकर लोगों को सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराना है। इसके अलावा खाद्य प्रतिष्ठानों के संचालकों को निर्देश दिए गए कि वे निर्धारित स्वच्छता मानकों का नियमित पालन करें। खाद्य सामग्री की गुणवत्ता बनाए रखने और उपभोक्ताओं के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए समय-समय पर जांच और जागरूकता अभियान जारी रहेंगे।

नियमितीकरण से पहले की निरंतर सेवा भी पेंशन गणना में शामिल होगी

हाईकोर्ट का आदेश, अंशकालिक सेवा भी पेंशन में जुड़ेगी

भारतेन्दु संवाददाता, चंडीगढ़



पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा के सरकारी स्कूलों में अंशकालिक कर्मचारी के रूप में लंबे समय तक सेवा देने के बाद नियमित हुए कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ देने के निर्देश दिए हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि नियमित होने से पहले अंशकालिक, दैनिक वेतन, तदर्थ या अस्थायी आधार पर की गई निरंतर सेवा को पेंशन योग्य सेवा की गणना से बाहर नहीं रखा जा सकता। हाईकोर्ट ने भिवानी निवासी सुनीता और अन्य की याचिका स्वीकार करते हुए संबंधित विभाग को उनकी शुरुआती नियुक्ति और नियमितीकरण की तारीखों का सत्यापन करने का आदेश दिया।

याचिकाकर्ताओं ने मांग की थी कि नियमित होने से पहले सरकारी स्कूलों में दी गई उनकी सेवा को भी पेंशन के लिए अर्हकारी सेवा में शामिल किया जाए। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, उनकी नियुक्ति हरियाणा के विभिन्न सरकारी स्कूलों में चतुर्थ श्रेणी के अंशकालिक कर्मचारियों के रूप में वर्ष 1980 से 2002 के बीच हुई थी। उन्होंने लंबे समय तक विभाग में काम किया। इसके बाद 11 नवंबर 2003 की नियमितीकरण नीति के तहत उनकी सेवाएं नियमित की गईं।

कर्मचारियों ने अदालत में तर्क दिया कि उन्होंने सरकारी सेवा नई पेंशन योजना लागू होने से पहले शुरू की थी। ऐसे में नियमितीकरण से पहले की गई निरंतर सेवा को पेंशन की गणना में शामिल किया जाना चाहिए। उनका कहना था कि केवल नियमितीकरण की तारीख के आधार पर शुरुआती सेवा अवधि को पेंशन लाभ से अलग करना उचित नहीं है। गौरतलब है कि नई पेंशन योजना 28 अक्टूबर 2005 को अधिसूचित हुई थी और एक जनवरी 2006 से लागू की गई थी। याचिकाकर्ताओं ने इसी समय-सीमा का हवाला देते हुए पुरानी पेंशन योजना के तहत लाभ देने की मांग की।

◆ **हाईकोर्ट ने हरियाणा के अंशकालिक कर्मचारियों को पुरानी पेंशन देने के दिए निर्देश**

न्यूज ब्रीफ

शादी के दो महीने बाद राहुल की चाकू मारकर हत्या

भारतेन्दु संवाददाता, सिरसा। सिरसा के युवक राहुल उर्फ फौजी सिंह की पंजाब के बठिंडा में इलाज के दौरान मौत हो गई। चाकू से हमले में घायल राहुल ने दो दिन तक जिंदगी और मौत से जूझने के बाद दम तोड़ दिया। घटना के बाद परिवार में मातम पसरा है। वीरवार दोपहर तक उसका शव सिरसा लाए जाने की संभावना है। हमले में घायल राहुल के दोस्त का एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा है। राहुल की शादी करीब दो महीने पहले ही हुई थी और उसकी पत्नी गर्भवती है। संयोग से वीरवार को करवाचौथ होने के कारण परिवार उसकी पत्नी को पति की मौत की खबर देने से बचना चाहता है। परिजनों की चिंता है कि यह दुखद समाचार सुनकर पत्नी को गहरा सदमा लग सकता है। घटना से परिवार और परिचितों में शोक का माहौल है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हमले के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

करनाल में तालाब से मिला दो साल के लापता बच्चे का शव

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल। जिले के गांव सिंगड़ा में बुधवार दोपहर से संदिग्ध परिस्थितियों में लापता दो वर्षीय बच्चे एकांश का शव गुरुवार दोपहर गांव के ही गंदे तालाब में मिला। गोताखोरों की टीम ने तलाश अभियान चलाकर शव को बाहर निकाला। मासूम की मौत की खबर मिलते ही परिवार में मातम छा गया। जानकारी के अनुसार, एकांश बुधवार दोपहर से लापता था। परिजनों ने उसकी तलाश की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने बच्चे को खोजने के लिए घर और गांव में अभियान चलाया। तलाश के दौरान गांव के तालाब में बच्चे का शव मिलने की जानकारी सामने आई। घटना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। डीएसपी ने भी परिवार के सदस्यों से पूछताछ की है, ताकि बच्चे के लापता होने से लेकर शव मिलने तक की परिस्थितियों का पता लगाया जा सके। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि बच्चा तालाब तक कैसे पहुंचा। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

हिसार में पुलिसकर्मी की कार ने बाइक सवार दंपती को मारी टक्कर

भारतेन्दु संवाददाता, हिसार। हरियाणा के हिसार में गुरुवार सुबह डाबड़ा चौक पुल पर कार की टक्कर से बाइक सवार दंपती गंभीर रूप से घायल हो गए। कार स्पेशल पुलिस ऑफिसर (पीएसओ) चला रहा था, जो ड्यूटी से लौट रहा था। हादसे के बाद पुलिसकर्मी ने ही दोनों घायलों को अपनी गाड़ी से अस्पताल पहुंचाया। घायलों की पहचान गांव फरीदपुर निवासी रविंद्र (28) और उसकी पत्नी प्रीति (21) के रूप में हुई है। रविंद्र नहर विभाग में सिक्योरिटी गार्ड है, जबकि प्रीति हिसार के एक निजी अस्पताल के आईसीयू में नर्स के तौर पर काम करती है। दोनों शहर में किराये के मकान में रहते हैं और ड्यूटी के बाद घर लौट रहे थे। हादसे में प्रीति के पैर में कई चोटें आई हैं। दोनों का अस्पताल में उपचार चल रहा है। प्रीति ने बताया कि उन्हें गुरुवार को करवाचौथ का व्रत रखना था, लेकिन हादसे के कारण उनकी योजनाएं प्रभावित हो गईं।

ईश्वर नैन की मौत पर खाप प्रधान रघुबीर नैन ने तोड़ी चुप्पी

भारतेन्दु संवाददाता, जींद। कांग्रेस किसान सेल के प्रदेशाध्यक्ष और रणदीप सिंह सुरजेवाला के समर्थक ईश्वर नैन की मौत के मामले में बिनैण खाप के प्रधान रघुबीर नैन पहली बार सामने आए हैं। उन्होंने वीडियो जारी कर मामले पर अपना पक्ष रखा। रघुबीर नैन ने कहा कि यदि ईश्वर नैन के परिवार को किसी प्रकार का शक या आशंका थी, तो उन्होंने स्वयं खाप की ओर से परिवार से बातचीत की और उन्हें तसल्ली दी। उनके अनुसार, परिवार ने बातचीत के बाद किसी पर शक नहीं जताया। ईश्वर नैन की मौत के मामले में खाप प्रधान का यह बयान सामने आने के बाद चर्चा तेज हो गई है। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में मौत के कारणों, घटना की परिस्थितियों और जांच की मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है। मामले से जुड़े अन्य तथ्यों की पुष्टि के लिए आगे की जानकारी महत्वपूर्ण होगी।

सड़क हादसे में महिला की मौत, बेटों ने कराया अंगदान

भारतेन्दु संवाददाता, यमुनानगर



सड़क हादसे में मां की मौत के बाद उनके अंगदान का फैसला लेकर बेटों ने इंसानियत की मिसाल पेश की है। मीरा देवी के बेटों ने मां के अंगदान की इच्छा जताई, ताकि उनके जाने के बाद भी जरूरतमंद लोगों को नया जीवन मिल सके। परिवार के इस फैसले से दुख की घड़ी में भी दूसरों के जीवन में उम्मीद जगाने का संदेश मिला है।

मीरा देवी के बेटे शुभम ने बताया कि 16 अक्टूबर को हुए सड़क हादसे में उनकी मां गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। उन्हें इलाज के लिए दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में भर्ती कराया गया था। परिवार को उम्मीद थी कि उपचार के बाद वह स्वस्थ होकर घर लौट आएंगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। शुभम के अनुसार, 24 अक्टूबर को घर पर उनकी मां की तबीयत दोबारा बिगड़ गई। इसके बाद परिजन उन्हें उपचार के लिए फरीदाबाद के बादशाह खान नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मां की मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा। इस कठिन समय में शुभम और परिवार के अन्य सदस्यों ने उनकी मां के अंगदान का निर्णय लिया।

परिवार चाहता था कि मीरा देवी के अंग जरूरतमंद लोगों के काम आएं और किसी दूसरे परिवार को अपने प्रियजन के साथ जीवन बिताने का अवसर मिल सके। परिवार की इच्छा की जानकारी मिलने पर फरीदाबाद के सिविल सर्जन डॉ. जयंत आहूजा ने दिल्ली स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की विशेष मेडिकल टीम से संपर्क किया। इसके बाद एम्स की टीम फरीदाबाद पहुंची और आवश्यक चिकित्सीय प्रक्रिया पूरी कर अंगदान की कार्रवाई संपन्न की।

तस्करी करनाल में 1.35 करोड़ का गांजा बरामद, दोनों आरोपी 10 दिन के रिमांड पर

काजू के छिलके में छिपा 1.35 करोड़ का गांजा, चाचा-भतीजा गिरफ्तार

भारतेन्दु संवाददाता, करनाल



हरियाणा के करनाल में एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने नशा तस्करी के एक मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए चाचा-भतीजा को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने दोनों के कब्जे से टाटा ट्रक में काजू के छिलके के नीचे छिपाकर रखी गई 519 किलो 900 ग्राम गांजे की खेप बरामद की है। बरामद गांजे की कीमत करीब 1.35 करोड़ रुपये बताई जा रही है। दोनों आरोपितों को अदालत में पेश करने के बाद 10 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया है।

जानकारी के अनुसार, एंटी नारकोटिक्स सेल की टीम ने मंगलवार रात जीटी रोड पर कोहंड के समीप कार्रवाई करते हुए दोनों आरोपितों को पकड़ा था। पुलिस ने संदेह के आधार पर टाटा ट्रक की जांच की। तलाशी के दौरान ट्रक में काजू के छिलकों के नीचे छिपाकर रखा गया गांजा बरामद हुआ। तस्करों ने गांजे को छिपाने के लिए काजू के छिलकों का इस्तेमाल किया था, ताकि नशीले पदार्थ को आसानी से एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचाया जा सके।

पुलिस ने मौके से गांजे की पूरी खेप कब्जे में लेकर दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया। बरामद गांजे का कुल वजन 519 किलो 900 ग्राम बताया गया है। पुलिस के अनुसार, इसकी बाजार कीमत करीब 1.35 करोड़ रुपये है। इतनी बड़ी मात्रा में गांजे की बरामदगी के बाद मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच आगे बढ़ाई जा रही है। बुधवार को दोनों आरोपितों को अदालत में पेश किया गया। अदालत ने पूछताछ और जांच के लिए दोनों को 10 दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया। पुलिस अब रिमांड के दौरान आरोपितों से गांजे की खेप के स्रोत, इसकी आपूर्ति और तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाने का प्रयास करेगी। मामले में ओडिशा से गांजा तस्करी कर लाए जाने का उल्लेख है।

ऐसे में पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि गांजा कहां से लोड किया गया था और इसे किस स्थान पर पहुंचाया जाना था। इसके अलावा, तस्करी के इस नेटवर्क में अन्य लोगों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। एंटी नारकोटिक्स सेल की कार्रवाई के बाद नशा तस्करी से जुड़े संभावित संपर्कों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस को उम्मीद है कि आरोपितों से पूछताछ के दौरान खेप की आपूर्ति और वितरण से संबंधित अहम जानकारियां मिल सकती हैं। फिलहाल दोनों आरोपित पुलिस रिमांड पर हैं और मामले की जांच जारी है।

यूपीएससी अध्यक्ष ने राष्ट्रपति को आयोग की 76वीं वार्षिक रिपोर्ट सौंपी

वर्ष 1926 में स्थापित यूपीएससी इस साल अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा

एजेंसी, नई दिल्ली

संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) के अध्यक्ष डॉ. अजय कुमार ने गुरुवार को आयोग के सदस्यों के साथ राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रपति को आयोग की 76वीं वार्षिक रिपोर्ट सौंपी। आयोग के स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में जारी स्मारक सिक्के और डाक टिकट भी राष्ट्रपति को भेंट किए गए।

राष्ट्रपति भवन की ओर से सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा की गई जानकारी के अनुसार, इस मुलाकात में यूपीएससी अध्यक्ष के साथ आयोग के कई सदस्य भी मौजूद रहे। इनमें लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) राज शुक्ला, सुमन शर्मा, बिद्युत बिहारी स्वैन, डॉ. दिनेश दासा, शील वर्धन सिंह, संजय वर्मा, सुजाता चतुर्वेदी और अनुराधा प्रसाद शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने राष्ट्रपति को आयोग की वार्षिक रिपोर्ट सौंपने के साथ शताब्दी वर्ष के अवसर पर जारी विशेष स्मृति चिह्न भी भेंट किए।



1926 में हुई थी आयोग की स्थापना: संघ लोक सेवा आयोग इस वर्ष अपनी स्थापना के 100 वर्ष पूरे कर रहा है। आयोग की शुरुआत वर्ष 1926 में हुई थी। एक शताब्दी की इस यात्रा के दौरान आयोग देश की प्रशासनिक व्यवस्था के लिए योग्य अधिकारियों के चयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है। शताब्दी वर्ष के अवसर पर जारी स्मारक सिक्का और डाक टिकट आयोग की ऐतिहासिक यात्रा को चिह्नित करते हैं।

यूपीएससी भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) और भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) सहित विभिन्न शीर्ष सिविल सेवाओं में अधिकारियों की भर्ती के लिए प्रतियोगी परीक्षाएं आयोजित करता है। इन परीक्षाओं के माध्यम से केंद्र सरकार की विभिन्न सेवाओं के लिए योग्य अभ्यर्थियों का चयन किया जाता है।

यूपीएससी की शताब्दी पर स्मारक सिक्का और डाक टिकट जारी

आयोग की परीक्षाओं में देशभर से लाखों अभ्यर्थी हिस्सा लेते हैं। चयन प्रक्रिया के तहत उम्मीदवारों की योग्यता, ज्ञान और प्रशासनिक क्षमता का आकलन किया जाता है। इसके माध्यम से विभिन्न केंद्रीय सेवाओं के लिए अधिकारियों का चयन होता है, जो देश के प्रशासन और कानून-व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण दायित्व निभाते हैं। यूपीएससी की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने का अवसर आयोग की ऐतिहासिक भूमिका और उपलब्धियों को याद करने का भी मौका है। राष्ट्रपति को वार्षिक रिपोर्ट सौंपना आयोग की नियमित संस्थागत प्रक्रिया का हिस्सा है। वहीं, शताब्दी वर्ष के अवसर पर जारी स्मारक सिक्का और डाक टिकट इस लंबे सफर को विशेष पहचान देते हैं। आयोग की भूमिका भविष्य में भी योग्य और सक्षम अधिकारियों के चयन के माध्यम से देश की प्रशासनिक व्यवस्था को मजबूत बनाने में महत्वपूर्ण बनी रहेगी।

प्रदूषण से कराह रही हरनंदी, जिम्मेदारों की अनदेखी जारी

हर साल छठ पर होती है सफाई, बाकी दिनों में सीवेज से दम तोड़ती नदी

एजेंसी, नई दिल्ली



कभी निर्मल और स्वच्छ जल के लिए पहचानी जाने वाली हरनंदी नदी आज प्रदूषण के कारण बदहाली का शिकार है। शहर के विस्तार के साथ नदी में गंदगी और सीवेज का प्रवाह बढ़ता गया। हालात ऐसे हैं कि नदी के पुनर्जीवन की योजनाएं हर साल कागजों पर तो बनती हैं, लेकिन धरातल पर अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आता। छठ पर्व नजदीक आते ही नदी की सफाई और स्वच्छता को लेकर गतिविधियां तेज हो जाती हैं, जबकि बाकी दिनों में इसकी दुर्दशा बनी रहती है।

हरनंदी की मौजूदा स्थिति शासन-प्रशासन के साथ आम नागरिकों की जिम्मेदारी पर भी सवाल खड़े करती है। नदी को प्रदूषण से बचाने के लिए प्रभावी कदम उठाने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही है। इसके बावजूद नदी में गंदा पानी गिरने की समस्या बनी हुई है। लगातार सीवेज का प्रवाह नदी के पानी को दूषित कर रहा है और इसकी प्राकृतिक पहचान को नुकसान पहुंचा रहा है। आगामी छठ पर्व पर लाखों श्रद्धालु हरनंदी के किनारे पहुंचकर भगवान सूर्य को अर्घ्य देंगे। ऐसे में नदी की सफाई का मुद्दा एक बार फिर चर्चा में है।

पर्व के दौरान नदी के पानी को साफ करने के लिए गंगाजल का इस्तेमाल किया जाता है। हालांकि, यह व्यवस्था नदी में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण की स्थायी समस्या का समाधान नहीं है। श्रद्धालुओं की आस्था से जुड़े इस पर्व पर नदी की स्थिति विशेष चिंता का विषय बन जाती है। दूषित पानी के बीच पूजा-अर्चना करने की मजबूरी नदी की बदहाली को उजागर करती है। सवाल यह है कि जब छठ पर नदी की सफाई की जरूरत महसूस होती है, तो पूरे साल इसकी स्वच्छता बनाए रखने के लिए ठोस प्रयास क्यों नहीं किए जाते?

हरनंदी को बचाने के लिए घोषणाएं नहीं ठोस कार्रवाई जरूरी

नदी को प्रदूषण से मुक्त करने के लिए केवल अस्थायी सफाई पर्याप्त नहीं है। इसके लिए सीवेज के प्रवाह को रोकना, गंदे पानी के निस्तारण की उचित व्यवस्था करना और नियमित रूप से जल गुणवत्ता की जांच करना जरूरी है। संबंधित विभागों को मिलकर ऐसी कार्ययोजना तैयार करनी होगी, जिससे हरनंदी में प्रदूषण का स्तर कम हो सके। साथ ही, नदी किनारे रहने वाले लोगों और आसपास के संस्थानों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करना होगा। हरनंदी की बदहाली केवल पर्यावरण से जुड़ा मुद्दा नहीं, बल्कि शहर की सामूहिक जिम्मेदारी भी है। यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए, तो नदी की स्थिति और गंभीर हो सकती है। छठ पर्व पर सफाई के प्रयासों के साथ-साथ पूरे वर्ष नदी को स्वच्छ रखने की व्यवस्था विकसित करनी होगी। तभी हरनंदी अपनी पुरानी पहचान वापस पा सकेगी और श्रद्धालुओं को स्वच्छ वातावरण में पूजा-अर्चना करने का अवसर मिलेगा। इसके लिए नगर निगम और संबंधित विभागों को जवाबदेही तय करते हुए नियमित निगरानी करनी होगी। नदी में कचरा डालने और गंदे पानी का प्रवाह रोकने के लिए सख्त कदम उठाने होंगे। जनभागीदारी से ही स्वच्छता अभियान को स्थायी बनाया जा सकता है। हरनंदी को बचाने के लिए अब घोषणाओं के बजाय ठोस कार्रवाई की जरूरत है।

निगमायुक्त संजीव खिरवार ने कालकाजी साप्ताहिक बाजार का किया निरीक्षण

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ त्योहारों में बाजार आने वाले लोगों की सुविधा के लिए समन्वय से काम करेंगे विभाग



आगामी त्योहारों के मद्देनजर बाजारों में बढ़ने वाली भीड़, अतिक्रमण और यातायात जाम की समस्या से निपटने के लिए दिल्ली नगर निगम ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में निगमायुक्त संजीव खिरवार ने कालकाजी साप्ताहिक बाजार का निरीक्षण किया। उन्होंने नागरिकों को होने वाली असुविधाओं का जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने दक्षिण-पूर्वी क्षेत्र के उपायुक्त चिमला शिव गोपाल रेड्डी से बाजार के कारण उत्पन्न होने वाली समस्याओं और उनके समाधान के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी ली। स्थानीय नागरिकों ने उन्हें बताया कि सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमण तथा वाहनों की अनियमित पार्किंग के कारण यातायात जाम की समस्या बनी रहती है। इससे बाजार आने वाले लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। निगमायुक्त ने बाजार में तहबाजारी के तहत संचालित दुकानों का भी निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को बाजार में स्वच्छता बनाए रखने और कूड़े का उचित निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान बाजार में आने वाले नागरिकों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए। इसके लिए संबंधित विभाग आपसी समन्वय से आवश्यक व्यवस्थाएं करें।

निरीक्षण के दौरान खिरवार ने के-ब्लॉक के पास हाल ही में निर्मित फिक्स्ड कॉम्पैक्टर ट्रांसफर स्टेशन (एफसीटीएस) का जायजा लिया और इसकी कार्यप्रणाली की जानकारी प्राप्त की। उन्होंने एफसीटीएस के पास स्थित खाली प्लॉट को पार्क के रूप में विकसित करने के निर्देश भी दिए। इससे क्षेत्र में हरित स्थान और सार्वजनिक सुविधाओं का विस्तार हो सकेगा।

नीट-यूजी पेपर लीक केस में आरोप तय करने पर 18 नवंबर को फैसला

एजेंसी, नई दिल्ली। नीट-यूजी पेपर लीक मामले में राउज एवेन्यू स्थित फास्ट ट्रैक कोर्ट 18 नवंबर को आरोप तय करने के संबंध में अपना फैसला सुनाएगा। अदालत ने मामले से जुड़े सभी पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनवाई पूरी कर ली है। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने इस मामले में कुल 14 आरोपितों को नामजद किया है। सीबीआई ने जुलाई 2026 में मामले में 13 आरोपितों के खिलाफ पहली चार्जशीट दाखिल की थी। इसके बाद जांच एजेंसी ने मामले की आगे की पड़ताल की। जांच के दौरान 14वें आरोपित शेषराव बजरंग सूर्यवंशी की भूमिका सामने आई, जिसके बाद उसके खिलाफ पूरक आरोपपत्र दाखिल किया गया। इस तरह मामले में आरोपितों की संख्या बढ़कर 14 हो गई। अदालत में आरोप तय करने को लेकर दोनों पक्षों की दलीलें सुनी गईं। अब न्यायालय 18 नवंबर को इस संबंध में अपना निर्णय सुनाएगा। इस फैसले से यह स्पष्ट होगा कि आरोपितों के खिलाफ मामले में आरोप तय किए जाएंगे या नहीं। नीट-यूजी पेपर लीक मामला देशभर में मेडिकल प्रवेश परीक्षा की निष्पक्षता और परीक्षा प्रक्रिया की सुरक्षा को लेकर महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मामले की जांच सीबीआई कर रही है और एजेंसी ने जांच के आधार पर आरोपपत्र अदालत में पेश किए हैं। फिलहाल सभी की नजरें 18 नवंबर को आने वाले अदालत के फैसले पर टिकी हैं।

◆ नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई ने कुल 14 आरोपितों को नामजद किया है

एनएसयूआई जामिया के दो कार्यकर्ता तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेजे गए

एजेंसी, नई दिल्ली

◆ बचाव पक्ष ने छात्रों को तय समय से पहले अदालत लाने का आरोप लगाया

◆ जीशान अहमद और फैजान की पेशी के समय पर बचाव पक्ष ने उठाए सवाल



एनएसयूआई जामिया के सदस्य जीशान अहमद और फैजान को गुरुवार को अमर कॉलोनी स्थित विशेष कार्यपालक मजिस्ट्रेट की अदालत में पेश किया गया। अदालत ने दोनों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया। इस दौरान बचाव पक्ष के वकील ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि दोनों छात्रों को तय समय से पहले अदालत में पेश किया गया।

बचाव पक्ष के अनुसार, पुलिस ने दोनों छात्रों को दोपहर दो बजे अदालत में पेश किए जाने की जानकारी दी थी। हालांकि, वकील का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें दोपहर एक बजे ही अदालत में पेश कर दिया। इसको लेकर बचाव पक्ष ने आपत्ति जताई और पुलिस की ओर से बताई गई पेशी की समय-सारिणी पर सवाल उठाए। मामले में अदालत ने दोनों आरोपितों को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। दोनों को अदालत में पेश किए जाने के बाद न्यायिक हिरासत का आदेश सुनाया गया। बचाव पक्ष ने पुलिस पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि पेशी के समय को लेकर दी गई जानकारी और वास्तविक कार्रवाई में अंतर था।

वकील के मुताबिक, पुलिस ने पहले दोपहर दो बजे पेश करने की बात कही थी, लेकिन दोनों छात्रों को इससे एक घंटे पहले ही अदालत में लाया गया। इस आरोप को लेकर मामले में पुलिस की कार्रवाई चर्चा में रही। हालांकि, उपलब्ध जानकारी में यह स्पष्ट नहीं है कि दोनों कार्यकर्ताओं को किन आरोपों के तहत हिरासत में लिया गया था और मामले की पृष्ठभूमि क्या है। पुलिस की ओर से बचाव पक्ष के आरोपों पर कोई प्रतिक्रिया भी सामने नहीं आई है। अदालत के आदेश के बाद दोनों कार्यकर्ताओं को तीन दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया के दौरान बचाव पक्ष की ओर से उठाए गए सवालों और पुलिस के पक्ष पर नजर रहेगी।

बैंक धोखाधड़ी गिरोह का पर्दाफाश, दो आरोपित गिरफ्तार

आरोपितों ने फर्जी ईमेल के जरिये बैंक से 22.56 लाख रुपए निकलवाए

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने कंपनी निदेशक बनकर बैंक अधिकारियों को फोन करने और फर्जी ईमेल के जरिये 22.56 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले गिरोह का पर्दाफाश किया है। सेंट्रल जिला पुलिस ने मामले में दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इस मामले और इससे जुड़े अन्य मामलों की जांच के दौरान करीब 2.50 करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की है।

पुलिस के अनुसार, आरोपितों ने कंपनी के निदेशक की पहचान का इस्तेमाल कर बैंक अधिकारियों से संपर्क किया। इसके बाद फर्जी ईमेल के जरिये बैंक से 22.56 लाख रुपये ट्रांसफर कराए गए। इस तरह की धोखाधड़ी में आरोपित भरोसा जीतने और अधिकारियों को भ्रमित करने के लिए सोशल इंजीनियरिंग का सहारा लेते थे। मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपितों तक पहुंचने के लिए साक्ष्यों और संबंधित जानकारियों की पड़ताल की। कार्रवाई के बाद दोनों आरोपितों को गाजियाबाद के लोनी से गिरफ्तार किया गया। पुलिस अब इस बात की जांच कर रही है कि इस गिरोह ने अन्य कितने मामलों को अंजाम दिया और ठगी की रकम का इस्तेमाल कहां किया गया। पुलिस ने जांच के दौरान करीब ढाई करोड़ रुपये की संपत्ति बरामद की है। बरामद सामान में सोने के सिक्के, सोने की चेन, कड़े, अंगूठियां, नकदी और महिंद्रा थार रॉक्स गाड़ी शामिल है। पुलिस के मुताबिक, बरामदगी में इस मामले के साथ जुड़े अन्य मामलों की जांच भी शामिल है। इस मामले में कंपनी के निदेशक की पहचान का दुरुपयोग और फर्जी ईमेल का इस्तेमाल ठगी का अहम हिस्सा रहा।



एआई चित्र।

कंपनी निदेशक बनकर ठगी करने वाले गिरोह की जांच तेज

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, इस तरह की साइबर ठगी में आरोपित पहले संबंधित कंपनी और उसके अधिकारियों की जानकारी जुटाते हैं। इसके बाद कंपनी के निदेशक या किसी वरिष्ठ अधिकारी के नाम से बैंक कर्मचारियों से संपर्क कर फर्जी निर्देश दिए जाते हैं। ईमेल की भाषा और पहचान को वास्तविक दिखाकर बैंक अधिकारियों को भ्रमित किया जाता है, जिससे रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर कराई जा सके। पुलिस अब आरोपितों के बैंक खातों, वित्तीय लेनदेन और संपत्ति से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है। साथ ही, यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि ठगी की रकम किन खातों में भेजी गई और इस नेटवर्क में अन्य कौन-कौन लोग शामिल हैं।

दिल्ली-जयपुर रेल सफर में डेढ़ घंटे तक समय बचेगा

एजेंसी, नई दिल्ली। दिल्ली और जयपुर के बीच सफर करने वाले यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। रेवाड़ी से नीमराणा और कोटपूतली होते हुए जयपुर तक 191 किलोमीटर लंबी नई रेल लाइन बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। इस रेल मार्ग के बनने से दिल्ली-जयपुर के बीच यात्रा का समय करीब एक से डेढ़ घंटे तक कम होने की उम्मीद है। नई रेल लाइन से हरियाणा और राजस्थान के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्रों को भी सीधा रेल संपर्क मिलेगा। विशेष रूप से नीमराणा और कोटपूतली के औद्योगिक क्षेत्रों को इससे लाभ मिलने की संभावना है। बेहतर रेल कनेक्टिविटी से उद्योगों को माल की ढुलाई और आवागमन में सुविधा मिल सकती है।

अनिल टुटेजा की जमानत रद्द कराने छत्तीसगढ़ सरकार जा सकेगी हाई कोर्ट

एजेंसी, नई दिल्ली



सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ सरकार को सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा की जमानत रद्द कराने के लिए हाई कोर्ट जाने की छूट दे दी है। शीर्ष अदालत ने स्पष्ट किया कि यदि भ्रष्टाचार के मामलों में मिली जमानत का दुरुपयोग होता है, तो राज्य सरकार उसे रद्द कराने के लिए हाई कोर्ट का रुख कर सकती है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य सरकार की उस याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया, जिसमें भ्रष्टाचार के नए मामलों में हाई कोर्ट की ओर से टुटेजा को दी गई जमानत को चुनौती दी गई थी।

हालांकि, अदालत ने जमानत के दुरुपयोग की स्थिति में राज्य सरकार के लिए कानूनी विकल्प खुला रखा। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि यदि जमानत की शर्तों का उल्लंघन होता है या उसका दुरुपयोग किया जाता है, तो सरकार हाई कोर्ट में जमानत रद्द करने की मांग कर सकती है। अदालत ने यह भी टिप्पणी की कि टुटेजा के भ्रष्टाचार में शामिल होने का प्रबल संदेह है, लेकिन संदेह को ठोस सबूतों में बदलना आवश्यक है। टुटेजा छत्तीसगढ़ की पूर्ववर्ती भूपेश बघेल सरकार के कार्यकाल में कई महत्वपूर्ण पदों पर रहे थे। वह शराब घोटाले, जिला खनिज निधि में कथित अनियमितताओं और कोयला लेवी घोटाले समेत भ्रष्टाचार के विभिन्न मामलों में जांच का सामना कर रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने 18 मई को जिला खनिज निधि में कथित अनियमितताओं से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में टुटेजा को जमानत दी थी। जमानत मिलने से पहले वह भ्रष्टाचार के कई मामलों में 24 जनवरी, 2024 से जेल में थे। शीर्ष अदालत के इस रुख के बाद अब जमानत के कथित दुरुपयोग की स्थिति में छत्तीसगढ़ सरकार हाई कोर्ट में कानूनी कार्रवाई की मांग कर सकती है। सरकार को जमानत की शर्तों के उल्लंघन और उपलब्ध ठोस साक्ष्यों के आधार पर अपनी मांग अदालत के समक्ष रखनी होगी।

कृष्णा नगर में झगड़े के दौरान धक्का लगने से कपड़ा कारोबारी की मौत, पड़ोसी परिवार पर केस

एजेंसी, नई दिल्ली

दिल्ली के कृष्णा नगर इलाके में झगड़े के दौरान धक्का लगने से कपड़ा कारोबारी की मौत हो गई। घटना में कारोबारी के सिर में गंभीर चोट आई थी। उन्हें अचेत अवस्था में गुरु तेग बहादुर (जीटीबी) अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के बेटे की शिकायत पर पड़ोसी परिवार के चार सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

मृतक की पहचान जगदीश करवा के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, झगड़े के दौरान उन्हें धक्का लगा, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट पहुंची। घटना के बाद उन्हें अस्पताल ले जाया गया, लेकिन चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद उन्हें बचाया नहीं जा सका। कारोबारी के बेटे रिषभ की शिकायत पर कृष्णा नगर थाना पुलिस ने पड़ोसी नवीन खुराना, उनकी पत्नी मोनिका खुराना, बेटे पीयूष खुराना और भतीजे वैभव के खिलाफ लापरवाही से मौत की धारा में प्राथमिकी दर्ज की है।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। घटना के कारणों और विवाद से जुड़ी परिस्थितियों का पता लगाने के लिए संबंधित लोगों से पूछताछ की जा सकती है। पुलिस यह भी जांच करेगी कि झगड़ा किस बात को लेकर हुआ था और घटना के समय वहां क्या परिस्थितियां थीं।



पड़ोसियों से झगड़े में कपड़ा कारोबारी की मौत

पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाल सकती है, ताकि घटना के समय मौजूद लोगों और विवाद की परिस्थितियों के बारे में जानकारी जुटाई जा सके। जांच में यह भी स्पष्ट किया जाएगा कि कारोबारी को धक्का किस परिस्थिति में लगा और क्या विवाद के दौरान किसी अन्य व्यक्ति ने भी मारपीट की थी। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, मामले से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। शिकायतकर्ता रिषभ के बयान और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मंथन भाजपा मुख्यालय में बैठक, संगठनात्मक गतिविधियों और आगामी रणनीति पर हुआ मंथन

भाजपा की बैठक में आगामी कार्ययोजना पर हुई चर्चा

एजेंसी, नई दिल्ली



भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ बैठक की। इस दौरान आगामी कार्ययोजना, संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों और पार्टी की भावी रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक का उद्देश्य संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने और पार्टी के कार्यक्रमों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श करना रहा।

बैठक के बाद नितिन नवीन ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कुछ तस्वीरें साझा कीं। उन्होंने अपने संदेश में बताया कि पार्टी मुख्यालय में राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ बैठक कर आगामी कार्ययोजना और संगठन से संबंधित विभिन्न विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में संगठन के कामकाज को बेहतर बनाने, गतिविधियों में तेजी लाने और भविष्य की योजनाओं को लेकर विचार साझा किए गए। राष्ट्रीय महामंत्रियों के साथ हुई इस चर्चा को पार्टी की संगठनात्मक तैयारियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। हालांकि, बैठक में लिए गए किसी विशेष निर्णय या घोषित कार्यक्रम के बारे में विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई।

भाजपा में राष्ट्रीय महामंत्रियों की भूमिका संगठनात्मक गतिविधियों के संचालन और पार्टी की योजनाओं को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ उनकी बैठक को संगठन की प्राथमिकताओं और आगामी कार्यों पर चर्चा के एक अवसर के रूप में देखा जा रहा है। पार्टी मुख्यालय में हुई इस बैठक के जरिए नेतृत्व ने संगठन से जुड़े मुद्दों पर विचार-विमर्श किया।

भाजपा मुख्यालय में आगामी कार्ययोजना पर हुई अहम बैठक

पार्टी की ओर से बैठक के दौरान किसी विशेष फैसले या आगामी कार्यक्रम की घोषणा नहीं की गई। हालांकि, संगठनात्मक गतिविधियों को प्रभावी बनाने और भविष्य की योजनाओं को लेकर हुई चर्चा को पार्टी की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा रहा है। राष्ट्रीय अध्यक्ष और महामंत्रियों के बीच समन्वय से संगठन के कामकाज को व्यवस्थित करने तथा निर्धारित लक्ष्यों की दिशा में आगे बढ़ने पर जोर दिया गया। बैठक में हुई चर्चा के आधार पर आने वाले समय में पार्टी की गतिविधियों और कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने की रणनीति तय की जा सकती है। फिलहाल, बैठक के एजेंडे और उसमें शामिल विषयों को लेकर साझा की गई जानकारी सीमित है। पार्टी नेतृत्व की ओर से आगे की जानकारी सामने आने पर बैठक के निष्कर्षों और संगठनात्मक योजनाओं की तस्वीर और स्पष्ट हो सकती है।

न्यूज ब्रीफ

फेसबुक लाइव में पिस्तौल दिखाने का दावा निकला निराधार, आपसी विवाद का मामला

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। बिलासपुर के एक स्थानीय फेसबुक पेज पर लाइव वीडियो के माध्यम से मारपीट और पिस्तौल दिखाने के लगाए गए आरोप पुलिस जांच में निराधार पाए गए हैं। पुलिस के अनुसार, शिकायतकर्ता ने पूछताछ के दौरान स्वीकार किया कि विवाद उसके परिचितों के साथ हुआ था और हथियार होने की बात उसने गुस्से में कही थी। जानकारी के अनुसार, सोशल मीडिया पर लाइव वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने तुरंत संज्ञान लिया और शिकायतकर्ता को पुलिस चौकी बुलाकर लिखित शिकायत देने को कहा। पूछताछ के दौरान शिकायतकर्ता ने स्पष्ट किया कि मौके पर किसी के पास पिस्तौल नहीं थी और उसका आरोप सही नहीं था। बिलासपुर पुलिस ने सोशल मीडिया पेज संचालकों से अपील की है कि किसी भी घटना से संबंधित वीडियो या सूचना प्रसारित करने से पहले तथ्यों की आधिकारिक पुष्टि करें। पुलिस ने कहा कि अपुष्ट जानकारी फैलाने से बचना चाहिए।

पंजगाईं स्कूल में एनएसएस शिविर का समापन विज्ञान प्रदर्शनी रही आकर्षण का केंद्र

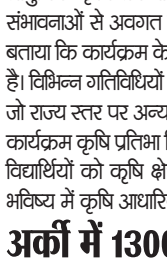
भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। मुख्यमंत्री आदर्श राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय पंजगाईं में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन हुआ। कार्यक्रम में शिक्षा विभाग की उपनिदेशक एवं गुणवत्ता नियंत्रण अधिकारी निशा गुप्ता ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी एवं उपप्रधानाचार्य संजीव कौशल ने शिविर के दौरान आयोजित गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। शिविर में 50 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। प्रधानाचार्य सुरेंद्र शर्मा के प्रयासों से 'एक्सप्लोरिंग हॉरिजन्स' के तहत ज्ञान एवं विज्ञान प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। इसमें विद्यार्थियों ने विभिन्न विषयों पर आधारित मॉडल, चार्ट और चित्र प्रस्तुत कर अपनी वैज्ञानिक सोच एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। संजीव कौशल ने कहा कि एनएसएस शिविर विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता विकसित करते हैं। इस अवसर पर एसएमसी प्रधान सुरेंद्र शांडिल्य, कविता चंदेल सहित विद्यालय के शिक्षक और कर्मचारी उपस्थित रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता में साहिबा ने मारी बाजी

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला दासगांव में युवा एवं इको क्लब तथा एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब के तहत विभिन्न गतिविधियां आयोजित की गईं। प्रधानाचार्य राकेश शर्मा की अध्यक्षता में विद्यार्थियों ने ई-कचरे के सुरक्षित निपटान को लेकर जागरूकता रैली निकाली और लोगों को इलेक्ट्रॉनिक कचरे का उचित निपटान करने का संदेश दिया। इस दौरान प्रश्नोत्तरी और मेहंदी प्रतियोगिताएं भी करवाई गईं। प्रश्नोत्तरी में दीक्षित और अवनी ने प्रथम स्थान हासिल किया, जबकि मेहंदी प्रतियोगिता में साहिबा प्रथम रहीं। प्रतियोगिता में मानसी, नैंसी, वर्षा, आराध्या, सिमरन, नितिका और मनीषा ने भी भाग लिया। एक भारत श्रेष्ठ भारत क्लब प्रभारी क्षितिज नड्डा तथा युवा एवं इको क्लब प्रभारी सुनीता और सविता ठाकुर ने आयोजन में सहयोग दिया। प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया।

भ्रष्टाचार के खिलाफ जागरूकता जरूरी, स्कूलों से हो ईमानदारी की शुरुआत : तरनजीत सिंह

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राज्य सतर्कता व भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की ओर से बड़गांव पंचायत और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला बड़गांव में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तरनजीत सिंह और उपनिरीक्षक ललित कुमार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत विद्यार्थियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाकर की गई। तरनजीत सिंह ने कहा कि भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए बच्चों में बचपन से ही ईमानदारी और नैतिक मूल्यों का विकास जरूरी है। उन्होंने विद्यार्थियों, पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों को भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूक किया। उन्होंने बताया कि रिश्वत लेना और देना दोनों अपराध हैं। यदि कोई सरकारी कर्मचारी रिश्वत मांगता है, तो इसकी शिकायत सतर्कता ब्यूरो से करें। शिकायत के लिए टोल-फ्री नंबर 1064 और ऑनलाइन पोर्टल की सुविधा उपलब्ध है। शिकायतकर्ता की पहचान गोपनीय रखने का भी प्रावधान है। अंत में बड़गांव पंचायत प्रधान मंगल ठाकुर ने अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।



नेक्स्ट जेनरेशन कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को आधुनिक कृषि तकनीकों से करवाया जागरूक



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश फसल विविधीकरण प्रोत्साहन परियोजना जायका के कृषि विभाग की ब्लॉक परियोजना प्रबंधन इकाई जवाली द्वारा नेक्स्ट जेनरेशन कार्यक्रम के तहत पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जवाली और गुगलाड़ा में एक दिवसीय अभिमुखीकरण कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें दसवीं, जमा एक और जमा दो कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया। कार्यशाला में विद्यार्थियों को खाद्य, स्वास्थ्य एवं पोषण, जलवायु अनुकूल कृषि, कृषि प्रणालियों, कृषि मूल्य श्रृंखला और आजीविका के अवसरों की जानकारी दी गई। साथ ही आधुनिक कृषि तकनीकों, नवाचार, उद्यमिता, मूल्य संवर्धन और स्वरोजगार की संभावनाओं से अवगत करवाया गया। जायका परियोजना प्रबंधक लक्षित चौधरी ने बताया कि कार्यक्रम के तहत जवाली ब्लॉक में पांच विद्यालयों का चयन किया गया है। विभिन्न गतिविधियों और प्रदर्शन के आधार पर एक उत्कृष्ट विद्यालय चुना जाएगा, जो राज्य स्तर पर अन्य विद्यालयों के साथ प्रतिस्पर्धा करेगा। उन्होंने बताया कि यह कार्यक्रम कृषि प्रतिभा विकास प्रणाली की अवधारणा पर आधारित है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को कृषि क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों के प्रति जागरूक करना और उन्हें भविष्य में कृषि आधारित व्यवसाय अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

अर्की में 1300 विद्यार्थियों का पारंपरिक अंदाज में स्वागत, कुल्लू की नाटी ने मोहा मन

भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। अर्की के चौगान मैदान में आयोजित अंडर-19 राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में भाग लेने पहुंचे प्रदेश के 12 जिलों के विद्यार्थियों का पारंपरिक अंदाज में स्वागत किया गया। मेजबान विद्यालय के प्रधानाचार्यों और स्टाफ ने तिलक लगाकर तथा हार पहनाकर विद्यार्थियों और उनके अध्यापकों का अभिनंदन किया। इस दौरान कुल्लू के विद्यार्थियों ने पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर धुनों पर नाटी प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ. जगदीश नेगी सहित स्कूल स्टाफ ने भी विद्यार्थियों के साथ नाटी डालकर उनका उत्साह बढ़ाया। प्रतियोगिता में प्रदेश के 12 जिलों से करीब 1300 विद्यार्थी भाग ले रहे हैं। आगामी दो दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विद्यार्थी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे।

अर्की स्कूल में एनएसएस शिविर का समापन



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। पीएम श्री एससीवीटी राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय अर्की में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का समापन वीरवार को हुआ। समारोह में शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक जगदीश चन्द नेगी मुख्यातिथि तथा समाजसेवी सुशील गुप्ता विशेष अतिथि रहे। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी लाल चन्द वर्मा और हेमलता शर्मा ने शिविर की गतिविधियों की रिपोर्ट प्रस्तुत की। शिविर में 107 स्वयंसेवियों, जिनमें 44 छात्र और 63 छात्राएं शामिल थीं, ने भाग लिया। मुख्यातिथि जगदीश चन्द नेगी ने कहा कि एनएसएस विद्यार्थियों में अनुशासन, सेवा भावना और सामाजिक जिम्मेदारी विकसित करने का महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने युवाओं से नशे से दूर रहकर समाजहित के कार्यों में योगदान देने का आह्वान किया। समारोह में विद्यालय प्रधानाचार्य हेमराज गौड़, राजकुमार गौतम, हेमराज, महेश गर्ग, दीपक गुप्ता, सुनील धीमान सहित विद्यालय स्टाफ और स्वयंसेवी उपस्थित रहे।

घुसपैठियों के समर्थन में एसआईआर का विरोध कर रही कांग्रेस व इंडी गठबंधन : जयराम ठाकुर

प्रधानमंत्री आवास पर धावा बोलने से नहीं, चुनाव जीतने से मिलती है सत्ता

अनिल कुमार शर्मा, भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। पूर्व मुख्यमंत्री व नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कांग्रेस और इंडी गठबंधन पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वे घुसपैठियों के समर्थन में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शुद्ध मतदाता सूची हर देशवासी का अधिकार है और इसका संवैधानिक तरीके से शुद्धिकरण होना चाहिए।

शिमला से जारी बयान में वीरवार को जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस देश में अराजकता का माहौल पैदा कर सत्ता हासिल करना चाहती है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास पर धावा बोलने से नहीं, बल्कि चुनाव जीतने से ही सत्ता हासिल की जा सकती है। उनके अनुसार, कांग्रेस झूठ और अफवाहों के सहारे लोगों को गुमराह करने की कोशिश कर रही है, लेकिन देश की जनता उसके इरादों को समझ चुकी है। जयराम ठाकुर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस अपने नेताओं को आगे बढ़ाने के लिए देश की शांति और व्यवस्था से खिलवाड़ कर रही है। उन्होंने कहा कि भारत एक प्राचीन सभ्यता वाला देश है और यहां की जनता किसी भी सूरत में अराजकता तथा सार्वजनिक संपत्ति के नुकसान को बर्दाश्त नहीं करेगी।

कैंसर रोधी 397 दवाओं की कीमतों में 93% तक कटौती, पीएम मोदी का जताया आभार



जयराम ठाकुर ने कैंसर रोधी 397 दवाओं की कीमतों में 93 प्रतिशत तक की कमी किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार का आभार जताया। उन्होंने कहा कि कैंसर का इलाज मरीजों के साथ उनके परिवारों पर भी भारी आर्थिक बोझ डालता है। दवाओं की कीमतों में कमी से मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्होंने कहा कि जन औषधि केंद्रों, आयुष्मान भारत योजना और कैंसर की दवाओं पर सीमा शुल्क में राहत जैसे कदमों से स्वास्थ्य सेवाएं अधिक सुलभ हुई हैं। केंद्र सरकार ने कैंसर उपचार सुविधाओं के विस्तार के लिए जिला अस्पतालों में अगले तीन वर्षों में 200 डे-केयर कैंसर केंद्र स्थापित करने की घोषणा भी की है। उन्होंने इन पहलों को जनकल्याण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

◆ **कांग्रेस झूठ और अफवाहों से लोगों को गुमराह कर रही: जयराम ठाकुर**

डीएवी जवाहर नगर मंडी के खिलाड़ियों ने डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स में जीते 21 पदक

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। दिल्ली एनसीआर में 23 से 27 अक्तूबर तक आयोजित डीएवी नेशनल स्पोर्ट्स टूर्नामेंट में डीएवी सेंटेनरी पब्लिक स्कूल जवाहर नगर, मंडी के 184 खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिसमें विभिन्न खेल स्पर्धाओं में टीम और व्यक्तिगत खिलाड़ियों को मिलाकर कुल 72 विद्यार्थियों ने विभिन्न खेलों में कुल 21 पदक जीतकर विद्यालय का नाम राष्ट्रीय पटल पर रोशन किया है। डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी नई दिल्ली के मार्गदर्शन में मेजर ध्यानचंद स्टेडियम दिल्ली में आयोजित इस भव्य टूर्नामेंट का शुभारंभ 23 अक्टूबर को कमेटी के प्रधान पद्मश्री डॉ. पूनम सूरी ने किया। जिसमें देश के 23 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों के लगभग 23,000 डीएवीएन खिलाड़ियों ने भाग लिया। जिनमें हिमाचल प्रदेश से करीब 1,500 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया और अकेले जवाहर नगर मंडी स्कूल के 72 विद्यार्थियों ने पदक प्राप्त किए। एरोबिक्स फिटनेस में स्कूल की बालिकाओं ने अंडर-14 में सिल्वर, अंडर-17 में गोल्ड, अंडर-19 में सिल्वर तथा बालकों ने अंडर-14 व अंडर-17 में गोल्ड और अंडर-19 में सिल्वर मेडल अपने नाम किया।

सीपीएम ने नाहन में बांटे पर्चे, 1 नवंबर को दिल्ली रामलीला मैदान चलो का आह्वान

भारतेन्दु संवाददाता, नाहन। देश में लोकतंत्र, संविधान और वोट के अधिकार को बचाने के लिए सीपीआईएम द्वारा नाहन शहर में पर्चा वितरण और प्रचार अभियान चलाया गया। पार्टी ने आह्वान किया है कि 1 नवंबर को दिल्ली के रामलीला मैदान में होने वाले विशाल प्रदर्शन में जहां लाखों की संख्या में प्रदर्शनकारी जुटेंगे, वहीं जिला सिरमौर से सीपीआईएम के सैंकड़ों कार्यकर्ता भी शामिल होंगे। इस मौके पर पार्टी के जिला सचिव राजेंद्र ठाकुर ने कहा कि देश में लोकतंत्र को समाप्त करने की साजिश केंद्र की मोदी सरकार द्वारा लंबे समय से रची जा रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में 400 पार का नारा इसलिए दिया गया था कि दो तिहाई बहुमत हासिल कर देश के संविधान की मूल भावना और बेसिक ढांचे को बदला जा सके। लेकिन देश की जनता इस इरादे को भांप चुकी थी, जिसका नतीजा भाजपा गठबंधन को 240 सीटों पर रुकना पड़ा। अब सवाल सामने आया कि इस तरह तो जनता गद्दी से उतार देगी, इसलिए गद्दी पर बने रहने के लिए देश में जनवादी, धर्मनिरपेक्ष व बुद्धिजीवियों को वोटर लिस्ट से बाहर क्यों न किया जाए।

हैप्पी बर्थडे



कांगड़ा के रजत मिंटू को जन्मदिवस पर 'भारतेन्दु शिखर' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बी फार्मेसी छात्र से मारपीट, अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज

पुलिस थाना कालाअंब के अंतर्गत मारपीट का मामला दर्ज हुआ है। 28 अक्तूबर को राघव शर्मा निवासी गांव खदरी, डा. बिक्रमबाग, नाहन, जिला सिरमौर ने मामला दर्ज करवाया कि वह हिमालयन कॉलेज कालाअंब से बी फार्मेसी कर रहा है। 27 को शाम करीब 04:40 बजे उसे एक अज्ञात नंबर से कॉल आई और उसे कक्षा से बाहर हिमालयन कॉलेज से बाहर बुलाया। बाहर एक स्विफ्ट डिजायर गाड़ी से आए 4-5 अज्ञात व्यक्तियों ने उसके साथ मारपीट की।

अर्की अस्पताल को 30 हजार के प्रतीक्षा बेंच किए भेंट, मरीजों और तीमारदारों को मिलेगी सुविधा



भारतेन्दु संवाददाता, अर्की। सिविल अस्पताल अर्की में मरीजों और उनके तीमारदारों की सुविधा के लिए विकास खंड कार्यालय कुनिहार की ओर से 30 हजार रुपए की लागत के प्रतीक्षा बेंच उपलब्ध करवाए गए हैं।

इसके अतिरिक्त ग्राम पंचायतों के लिए 45 हजार रुपए तथा आयुर्वेदिक औषधालयों के लिए 38 हजार रुपये के बेंच भी खरीदे गए हैं, जिन्हें जल्द संबंधित संस्थानों में वितरित किया जाएगा। खंड विकास अधिकारी कुनिहार तन्मय सिंह कंवर ने बताया कि यह प्रावधान खंड पंचायत विकास योजना के अंतर्गत किया गया है। इसके तहत विभिन्न विभागों के साथ बैठक कर उनकी आवश्यकताओं और सुविधाओं में कमी की जानकारी जुटाई जाती है, ताकि जरूरत के अनुसार विकास कार्यों के लिए धनराशि उपलब्ध करवाई जा सके। उन्होंने बताया कि प्रतीक्षा बेंच उपलब्ध करवाने का प्रस्ताव 15वें वित्त आयोग के तहत पंचायत समिति मद से पिछले वर्ष तत्कालीन बीडीसी सदस्यों चंब्यावल से कांता देवी, रोहांज-जलाना से गीता देवी और बातल से भावना देवी द्वारा रखा गया था। कंवर ने बताया कि ग्राम पंचायतों और आयुर्वेदिक औषधालयों के अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सेवड़ा चंडी और मान तथा आयुर्वेदिक औषधालय शहरोल और मांगू के लिए भी बेंच पहुंच चुके हैं। इन्हें जल्द संबंधित संस्थानों को सौंपा जाएगा। उन्होंने उम्मीद जताई कि सिविल अस्पताल अर्की में बेंच स्थापित होने से मरीजों और उनके तीमारदारों को बैठने की बेहतर सुविधा मिलेगी। इस अवसर पर अस्पताल के डॉ. बालकृष्ण सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसओएस परीक्षा : निजी स्कूलों में परीक्षा केंद्र बनाने के लिए 1 नवंबर से ऑनलाइन आवेदन

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड ने मार्च 2027 में प्रस्तावित राज्य मुक्त विद्यालय (एसओएस) की परीक्षाओं को सुचारू और नकलरहित ढंग से संपन्न कराने के लिए अभी से कमर कस ली है। इसी कड़ी में बोर्ड ने प्रदेश के संबद्धित निजी स्कूलों और शिक्षण संस्थानों को एसओएस परीक्षा केंद्र के रूप में नामित करने के लिए ऑनलाइन आवेदन की तिथियां घोषित कर दी हैं। इच्छुक संस्थान आगामी 1 नवंबर से बोर्ड की आधिकारिक वेबसाइट पर अपनी स्कूल लॉगिन आईडी के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकेंगे। बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने बताया कि परीक्षा केंद्र बनने के इच्छुक निजी स्कूलों और संस्थानों को निर्धारित समय-सीमा के भीतर ही आवेदन प्रक्रिया पूरी करनी होगी। बोर्ड द्वारा जारी शेड्यूल के अनुसार, बिना किसी विलंब शुल्क (लेट फीस) के 1 नवंबर से 30 नवंबर, 2026 तक ऑनलाइन आवेदन स्वीकार किए जाएंगे।

विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पंचायत प्रतिनिधियों से विधायक मलेंद्र ने किया संवाद



भारतेन्दु संवाददाता, इंदौरा। विधायक मलेंद्र राजन ने बुधवार को वन विश्राम गृह, इंदौरा में क्षेत्र की चार पंचायतों के जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर विभिन्न विकास कार्यों की समीक्षा की। बैठक में पंचायत काठगढ़, बरसतपुर, गदराना और दीनी के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस दौरान पंचायतों में चल रहे विकास कार्यों की प्रगति, स्थानीय समस्याओं और क्षेत्र की आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

बैठक में ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं को मजबूत बनाने तथा विकास योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू करने पर विशेष जोर दिया गया। विधायक ने पंचायत प्रतिनिधियों से उनके क्षेत्रों में चल रहे कार्यों की जानकारी ली और विकास संबंधी प्राथमिकताओं पर विचार-विमर्श किया। उन्होंने कहा कि पंचायत प्रतिनिधि ग्रामीण जनता के सीधे संपर्क में रहते हैं और उन्हें स्थानीय समस्याओं तथा लोगों की जरूरतों की बेहतर जानकारी होती है। ऐसे में विकास योजनाओं को गति देने के लिए उनके सुझाव महत्वपूर्ण हैं। विधायक मलेंद्र राजन ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास और जनकल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। सरकार का प्रयास है कि विकास योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचे और ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, पेयजल, शिक्षा, स्वास्थ्य सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार किया जाए। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की पंचायतों में विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जाएगा। इसके लिए जनप्रतिनिधियों और संबंधित विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना आवश्यक है, ताकि स्थानीय समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जा सके। विधायक ने विकास कार्यों में गुणवत्ता और पारदर्शिता बनाए रखने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि लोगों को योजनाओं का वास्तविक लाभ मिल सके। पंचायत प्रतिनिधियों के साथ नियमित संवाद से विकास कार्यों की जरूरतों को समझने और उन्हें प्रभावी तरीके से पूरा करने में मदद मिलेगी। उन्होंने आश्वस्त किया कि क्षेत्र के विकास और लोगों की समस्याओं के समाधान के लिए निरंतर प्रयास जारी रहेंगे।

कांगड़ा के भनरेला में बनेगा भव्य आध्यात्मिक वेलनेस केंद्र, पहले चरण में खर्च होंगे 25 करोड़



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले में स्वास्थ्य, प्रकृति और अध्यात्म को जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होने जा रही है। मनई के समीप भनरेला गांव में वृंदा फाउंडेशन ट्रस्ट की ओर से आधुनिक एवं पर्यावरण-अनुकूल वेलनेस केंद्र स्थापित किया जाएगा। करीब 200 कनाल भूमि पर विकसित होने वाली इस परियोजना के पहले चरण के लिए 50 कनाल जमीन ली जा चुकी है। प्रथम चरण में लगभग 25 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे, जबकि पूरे केंद्र को वर्ष 2030 तक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है।

ट्रस्ट के पदाधिकारी उमेश कुमार सिरोही ने बताया कि इस केंद्र में प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद और आधुनिक चिकित्सा पद्धति के माध्यम से उपचार की सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी। आधुनिक चिकित्सा सेवाओं के संचालन के लिए एक बड़े अस्पताल से बातचीत चल रही है। इसके अलावा अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान से सेवानिवृत्त अनुभवी चिकित्सकों की सेवाएं लेने की भी योजना है। उन्होंने बताया कि केंद्र को बिना लाभ कमाने के उद्देश्य से सेवा भाव के साथ संचालित किया जाएगा। यहां गरीब और जरूरतमंद लोगों को निःशुल्क अथवा बेहद कम खर्च पर उपचार उपलब्ध करवाने का प्रयास रहेगा। इसके साथ ही स्थानीय युवाओं को प्रशिक्षण देकर रोजगार के अवसर भी प्रदान किए जाएंगे। इस परियोजना की परिकल्पना 'एक घर परमार्थ के नाम' की भावना पर आधारित है। इसका उद्देश्य भारतीय संस्कृति, वैदिक ज्ञान और प्राकृतिक जीवनशैली को बढ़ावा देना है। संत चिदानंद सरस्वती के मार्गदर्शन में तैयार हो रही इस परियोजना के भूमि पूजन समारोह में राज्यपाल कविंदर गुप्ता के शामिल होने की जानकारी दी गई है।

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू को भी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है। ट्रस्ट को उम्मीद है कि यह केंद्र भविष्य में स्वास्थ्य सेवाओं, आध्यात्मिक साधना और प्राकृतिक जीवनशैली के क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। साथ ही इससे क्षेत्र में रोजगार और पर्यटन की संभावनाओं को भी बढ़ावा मिल सकता है।

नगर परिषद कांगड़ा को मिले 4 मनोनीत पार्षद, संजीव गुप्ता दूसरी बार बने पार्षद

अशीष दमीर, भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। प्रदेश सरकार ने नगर परिषद कांगड़ा में चार पार्षदों को मनोनीत किया है। इनमें संजीव गुप्ता लगातार दूसरी बार नगर पार्षद बने हैं, जबकि



प्रदीप चौधरी, श्रीकांत ओहरी और पुराना कांगड़ा के वार्ड नंबर दो से अनूप कुमार को पहली बार यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। मनोनयन की खबर से समर्थकों में खुशी की लहर है। मनोनीत पार्षदों में संजीव गुप्ता नगर कांग्रेस अध्यक्ष हैं, जबकि श्रीकांत ओहरी वरिष्ठ कांग्रेस नेता संदीप ओहरी मांटा के पुत्र हैं। वहीं, पिछली बार मनोनीत पार्षद रहे राकेश महाजन और कर्ण शर्मा को इस बार मौका नहीं मिला है। इन नियुक्तियों में हिमाचल पथ परिवहन निगम के उपाध्यक्ष अजय वर्मा की अहम भूमिका मानी जा रही है। उन्होंने मनोनीत पार्षदों के चयन पर मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू का आभार व्यक्त किया। अजय वर्मा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं का अनुभव शहर के विकास कार्यों को गति देने और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं को आम जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। नगर परिषद अध्यक्ष सुमन वर्मा ने भी सभी नवनियुक्त पार्षदों को बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की। उन्होंने कहा कि जल्द ही एक कार्यक्रम आयोजित कर सभी मनोनीत पार्षदों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई जाएगी। चार नए मनोनीत पार्षदों के जुड़ने से नगर परिषद में शहर के विकास, जनसमस्याओं के समाधान और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर नई पहल की उम्मीद जताई जा रही है।

शायराना अंदाज से छाए सोम प्यारे, तालियों से गूंज उठा पंडाल

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा-2026 का सांस्कृतिक महाकुंभ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। इस बार भी मंच संचालन में लगघाटी के सुप्रसिद्ध उद्घोषक सोम प्यारे अपनी विशेष पहचान छोड़ने में कामयाब रहे। जिला प्रशासन कुल्लू ने उन पर तीसरी बार भरोसा जताते हुए उन्हें 22, 23 और 26 अक्तूबर को मुख्य सांस्कृतिक मंच के संचालन का अवसर दिया, जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। मंच पर आते ही सोम प्यारे ने अपने शायराना अंदाज से महफिल लूट ली। हिंदी और कुल्लवी बोली में सुनाई उनकी शायरियों पर पूरा पंडाल तालियों से गूंज उठा। बड़ेहिरा ग्रां, लगघाटी निवासी सोम प्यारे वर्ष 2010 से मंच संचालन से जुड़े हैं और 2018 से प्रोफेशनल तौर पर 500 से अधिक बड़े मंचों का सफल संचालन कर चुके हैं।



इससे पूर्व वे वर्ष 2023 और 2024 के अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा, वर्ष 2024 में कुल्लू कार्निवल और वर्ष 2025 में पीपल मेले में मुख्य मंच संचालक रह चुके हैं। इस सफलता का श्रेय उन्होंने अपने माता-पिता, गुरुजनों, मित्रों और अपने मार्गदर्शक स्टार ब्रदर्स फाउंडेशन के संस्थापक के. सी. कविराज जी को दिया है। साथ ही उन्होंने मेला कमेटी अध्यक्ष सुंदर सिंह ठाकुर, जिला प्रशासन कुल्लू और तमाम सहयोगियों का आभार व्यक्त किया।

बीसीसीआई की पहल का हिमाचल में स्वागत, दिव्यांग क्रिकेट को मिलेगी नई पहचान

भारतेन्दु संवाददाता, शिमला। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की ओर से दिव्यांग क्रिकेट को प्रोत्साहित करने की पहल का दिव्यांग क्रिकेट एसोसिएशन हिमाचल प्रदेश ने स्वागत किया है। एसोसिएशन के अध्यक्ष कुलदीप ठाकुर और महासचिव गुरमीत सिंह ने डिफरेंटली एबल्ड क्रिकेट कार्उंसिल ऑफ इंडिया के महासचिव रविकांत चौहान के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिव्यांग खिलाड़ियों में प्रतिभा और मेहनत की कमी नहीं है। उन्हें बेहतर प्रशिक्षण, खेल सुविधाएं और उचित अवसर उपलब्ध करवाने की आवश्यकता है। बीसीसीआई का सहयोग दिव्यांग क्रिकेट को राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। उन्होंने राज्य और राष्ट्रीय क्रिकेट संस्थाओं से दिव्यांग खिलाड़ियों को समान अवसर, सम्मान और नियमित प्रतियोगिताएं उपलब्ध करवाने की अपील की। उन्होंने उम्मीद जताई कि संस्थागत सहयोग से हिमाचल के दिव्यांग खिलाड़ी भी बड़े मंच पर अपनी प्रतिभा दिखा सकेंगे।

जनजातीय समाज तक पहुंचाएं केंद्र की योजनाओं का लाभ : डॉ. मन्नालाल रावत

भारतेन्दु संवाददाता, शाहपुर। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जनजाति मोर्चा, हिमाचल प्रदेश की दो दिवसीय प्रदेश कार्यसमिति बैठक प्रदेश अध्यक्ष सुनील नेगी की अध्यक्षता में संपन्न हुई।

27 और 28 अक्तूबर को आयोजित बैठक में प्रदेशभर से आए पदाधिकारियों एवं कार्यसमिति सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में सात सत्रों के माध्यम से संगठनात्मक गतिविधियों, जनजातीय समाज के हितों और संगठन को मजबूत बनाने पर चर्चा की गई। उद्घाटन सत्र में कांगड़ा-चंबा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ. राजीव भारद्वाज ने कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन किया। वहीं, प्रदेश महामंत्री संजीव कटवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री सिद्धार्थन, आईटी प्रदेश संयोजक अनिल डढ़वाल और सोशल मीडिया सह-संयोजक श्रेय अवस्थी ने भी विभिन्न विषयों पर विचार रखे। समापन सत्र में मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उदयपुर के सांसद डॉ. मन्नालाल रावत ने कार्यकर्ताओं से जनजातीय समाज के कल्याण और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए सक्रियता से कार्य करने का आह्वान किया। बैठक में केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया। प्रदेश महामंत्री कमल कुमार शर्मा ने बताया कि बैठक से कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक दिशा और नई ऊर्जा मिली है। उन्होंने सभी अतिथियों, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। बैठक संगठनात्मक एकजुटता और जनजातीय समाज के उत्थान के संकल्प के साथ संपन्न हुई।



◆ **भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा की दो दिवसीय बैठक संपन्न, सात सत्रों में बनी संगठनात्मक रणनीति**

आंगनबाड़ी पदों के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 13 नवंबर तक बढ़ी

**भारतेन्दु

न्यूज ब्रीफ

कुल्लू की लोकनाट्य विरासत पर शोधपरक पुस्तक का मुकेश अग्निहोत्री ने किया विमोचन



भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। हिमाचल प्रदेश की समृद्ध लोक-संस्कृति, देव परंपराओं और प्राचीन नाट्य विरासत को सहेजने की दिशा में लेखक कमल किशोर शर्मा 'राजपुरोहित' की पुस्तक 'कुल्लवी लोक नाट्य परंपरा : एक अध्ययन' का विमोचन अंतरराष्ट्रीय कुल्लू दशहरा उत्सव के दौरान ढालपुर मैदान में किया गया। हिमाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं भाषा, कला व संस्कृति मंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने भगवान श्री रघुनाथ जी के अस्थायी शिविर परिसर में पुस्तक का विमोचन किया। पुस्तक में कुल्लू की पारंपरिक लोकनाट्य विधाओं, देव-आस्थाओं और सामाजिक-सांस्कृतिक जीवन का विस्तृत अध्ययन प्रस्तुत किया गया है। इसमें नृत्य-नाट्य, लीला-नाट्य, स्वांग-प्रधान नाट्य और खेल-नाट्य सहित हौंर्ण, बक्सां, बांठड़ा, नृसिंह-नाट्य, रामलीला और खेपरा जैसी परंपराओं का वर्णन है। वरिष्ठ साहित्यकार एवं शिक्षाविद् डॉ. दयानंद गौतम ने पुस्तक की भूमिका लिखी है। इसका प्रकाशन एचएके बुक्स, नई दिल्ली ने किया है। यह कृति लोकनाट्यों को मनोरंजन के साथ सामाजिक चेतना, देव परंपराओं और सामुदायिक जीवन की अभिव्यक्ति के रूप में प्रस्तुत करती है। पुस्तक शोधार्थियों, रंगकर्मियों और लोक-संस्कृति में रुचि रखने वालों के लिए उपयोगी है। यह कुल्लू की सांस्कृतिक धरोहर को भावी पीढ़ियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है।

पद्धर में आज भाजपा के तीन मंडलों की संयुक्त बैठक

भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। दरंग विधानसभा क्षेत्र के पद्धर, दरंग और स्नोर भाजपा मंडलों की संयुक्त बैठक 30 अक्तूबर, शुक्रवार को सुबह 10:30 बजे होटल सिटी हार्ट, पद्धर में आयोजित होगी। पद्धर मंडल अध्यक्ष इंद्र सिंह ठाकुर, दरंग मंडल अध्यक्ष राज ठाकुर और स्नोर मंडल अध्यक्ष मेहर सिंह भारती ने सभी कार्यकर्ताओं से बैठक में शामिल होने की अपील की है। बैठक में दरंग के विधायक पूर्ण चंद ठाकुर और भाजपा प्रदेश प्रवक्ता अजय राणा विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। इसमें मंडल, जिला और प्रदेश स्तर के पदाधिकारियों सहित विभिन्न मोर्चों, प्रकोष्ठों के पदाधिकारी, संयोजक, सह-संयोजक तथा वरिष्ठ और कनिष्ठ कार्यकर्ता भाग लेंगे।

चौहार व छोटा भंगाल घाटी में मनाया करवाचौथ

भागमल ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बरोट। चौहार घाटी और छोटा भंगाल घाटी में वीरवार को करवाचौथ का पर्व श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विवाहित महिलाओं ने अपने पतियों की लंबी आयु और युवतियों ने अपने होने वाले वर की दीर्घायु के लिए निर्जला व्रत रखा। दिनभर उपवास रखने के बाद रात को चांद के दर्शन कर महिलाओं ने पूजा-अर्चना की और पतियों के हाथों जल ग्रहण कर व्रत खोला। इस दौरान पतियों ने अपनी पत्नियों को उपहार भी भेंट किए। करवाचौथ के चलते बरोट, टिक्कन, थल्टूखोड़ और लोहारडी सहित घाटी के प्रमुख बाजारों में खूब रौनक रही। महिलाओं और युवतियों ने पर्व के लिए जमकर खरीदारी की, वहीं ब्यूटी पार्लरों में भी काफी भीड़ देखने को मिली। इस वर्ष मुख्यमंत्री सुक्खू द्वारा सरकारी कर्मचारियों को करवाचौथ का अवकाश देने की घोषणा पर लोगों ने आभार जताया। स्थानीय लोगों सुखराम, गुरदेव सिंह, विवेक ठाकुर और सुशील कुमार ने कहा कि अवकाश मिलने से कर्मचारियों को परिवार के साथ पर्व मनाने और व्रत की परंपराओं में शामिल होने का अवसर मिला।

राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में मेहंदी कार्यशाला, 200 छात्राओं ने लिया भाग

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय महाविद्यालय बिलासपुर में करवाचौथ पर्व के उपलक्ष्य पर विशेष मेहंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। इसमें महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. पीएस कटवाल ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। कार्यशाला में लगभग 200 छात्राओं ने भाग लेकर मेहंदी लगाने की कला और बारीकियों की जानकारी हासिल की। छात्राओं ने महिला प्राध्यापिकाओं और अन्य महिला कर्मचारियों के हाथों पर आकर्षक मेहंदी भी रचाई। प्राचार्य डॉ. कटवाल ने संयोजक प्रो. अंजू शर्मा, डॉ. रेणु, डॉ. ज्योति, डॉ. सोनिका और प्रो. सोनिका सोंवल सहित सभी सहयोगियों को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मेहंदी भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है। विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को भी संजोना चाहिए। उन्होंने छात्राओं को इस हुनर को विकसित कर स्वरोजगार अपनाने और भविष्य में अपना मेहंदी पार्लर खोलकर आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया।

जुखाला स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय शिविर का शुभारंभ

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला जुखाला में बुधवार को राष्ट्रीय सेवा योजना के सात दिवसीय विशेष शिविर का शुभारंभ मुख्यातिथि सालीग्राम शर्मा की उपस्थिति में हुआ। 28 अक्तूबर से 3 नवंबर तक चलने वाले इस शिविर में 52 स्वयंसेवी भाग ले रहे हैं, जिनमें 34 छात्राएं और 18 छात्र शामिल हैं। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाचार्य निर्मल चंदेल, कार्यक्रम अधिकारी सुरेंद्र कुमार, किरण देवी और प्रवक्ता संतोष चौधरी उपस्थित रहे। शिविर का उद्देश्य विद्यार्थियों में समाजसेवा, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, सामूहिक सहयोग और राष्ट्र निर्माण की भावना विकसित करना है। शिविर के दौरान स्वयंसेवी स्वच्छता अभियान, सामाजिक जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण जैसी गतिविधियों में भाग लेंगे। मुख्यातिथि सालीग्राम शर्मा ने स्वयंसेवियों को निस्वार्थ भाव से समाज और राष्ट्र की सेवा करने के लिए प्रेरित किया। प्रधानाचार्य निर्मल चंदेल ने विद्यार्थियों से शिविर की सभी गतिविधियों में अनुशासन और पूर्ण निष्ठा के साथ भाग लेने का आह्वान किया।

ई-कचरे व प्लास्टिक के दुष्प्रभावों पर जागरूक हुए विद्यार्थी, स्वच्छता का लिया संकल्प



अमर सिंह ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला मजारी में युवा व इको क्लब के तत्वावधान में पर्यावरण जागरूकता अभियान आयोजित किया गया। इसमें विद्यार्थियों को गीले, सूखे और इलेक्ट्रॉनिक कचरे को अलग-अलग करने तथा अनुपयोगी वस्तुओं का पुनः उपयोग करने की जानकारी दी गई। क्लब प्रभारी हरप्रीत कौर और रेखा अत्री के नेतृत्व में वाद-विवाद प्रतियोगिता, प्रायोगिक प्रदर्शन, परिसर सफाई, क्यारियों का रखरखाव, जागरूकता रैली और नारा लेखन जैसी गतिविधियां करवाई गईं। विद्यालय के प्रधानाचार्य सुरजीत ठाकुर ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक और प्लास्टिक कचरा पर्यावरण के लिए गंभीर चुनौती है। विद्यार्थियों को कचरा प्रबंधन और पुनर्चक्रण के प्रति जागरूक होकर यह संदेश घर-घर पहुंचाना चाहिए। कार्यक्रम में विद्यालय के शिक्षक और अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण और जिम्मेदार नागरिकता की भावना विकसित करना रहा।

केसीसी बैंक का त्योहारी तोहफा, ऋण पर प्रोसेसिंग फीस व सिबिल जांच शुल्क माफ



भारतेन्दु संवाददाता, कांगड़ा। कांगड़ा केंद्रीय सहकारी बैंक ने त्योहारी सीजन में ग्राहकों को राहत देते हुए कई ऋण योजनाओं पर प्रोसेसिंग फीस माफ करने की घोषणा की है। बैंक अब ऋण के लिए होने वाली सिबिल जांच का खर्च भी स्वयं वहन करेगा। यह सुविधा किसानों, कारोबारियों और आम ग्राहकों के लिए लाभकारी होगी। बैंक के अनुसार, प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सौर पैनल लगाने के लिए 5.50 प्रतिशत की शुरुआती ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध है, जबकि कार ऋण की ब्याज दर 7.60 प्रतिशत रखी गई है। इसके अलावा गृह ऋण, दोपहिया और व्यावसायिक वाहनों के लिए भी आकर्षक दरों पर ऋण की सुविधा दी जा रही है। बैंक ने बचत खातों में न्यूनतम राशि नहीं रखने पर लगने वाला जुर्माना भी समाप्त कर दिया है। वहीं, स्वर्णिम ई-वेतन खाते के तहत नौकरीपेशा ग्राहकों को 30 लाख रुपए तक के व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा और ओवरड्राफ्ट की सुविधा मिलेगी। प्रबंध निदेशक जफर इकबाल ने बताया कि इन सुविधाओं का लाभ 31 दिसंबर 2026 तक बैंक की नजदीकी शाखाओं में निर्धारित नियमों और पात्रता के अनुसार उठाया जा सकता है।

दूरदराज क्षेत्रों के हर बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाना सरकार की प्राथमिकता : रोहित ठाकुर

शिक्षकों ने शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए, मंत्री ने जल्द समाधान का दिया आश्वासन

धनेश गौतम, भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। हिमाचल प्रदेश के शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुरर ने जनजातीय जिला लाहौल के दौरे के दौरान उदयपुर पहुंचकर स्थानीय लोगों की जनसमस्याएं सुनीं। इस दौरान लाहौल-स्पीति की विधायक अनुराधा राणा भी उनके साथ मौजूद रहीं।



उदयपुर स्थित लोक निर्माण विभाग के विश्राम गृह में शिक्षकों ने शिक्षा मंत्री के समक्ष शिक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दे उठाए। मंत्री ने शिक्षकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया। शिक्षा मंत्री ने अपने दौरे के दौरान एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय (ईएमआरएस), उदयपुर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर विधायक अनुराधा राणा ने उनका स्वागत किया। शिक्षा मंत्री ने विद्यालय में विद्यार्थियों को उपलब्ध करवाई जा रही सुविधाओं, पढ़ाई और शैक्षणिक व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने विद्यार्थियों से सीधा संवाद कर उनकी पढ़ाई, शैक्षणिक गतिविधियों और विद्यालय में उपलब्ध सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त की। साथ ही, उन्होंने विद्यार्थियों को अपने भविष्य के लिए लक्ष्य निर्धारित करने और मेहनत व लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने तथा शिक्षा की गुणवत्ता में निरंतर सुधार लाने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों के प्रत्येक बच्चे तक गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। सरकारी विद्यालयों में सीबीएसई पाठ्यक्रम शुरू करने का उद्देश्य विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक अवसर उपलब्ध करवाना और उन्हें प्रतिस्पर्धात्मक परीक्षाओं के लिए तैयार करना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे सुधारों और निरंतर प्रयासों के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इन्हीं प्रयासों के फलस्वरूप हिमाचल प्रदेश ने देशभर में शिक्षा के क्षेत्र में तीसरा स्थान हासिल किया है।

त्रिलोकीनाथ व मृकुला देवी मंदिर में किए दर्शन

शिक्षा मंत्री ने प्रसिद्ध त्रिलोकीनाथ मंदिर और मृकुला देवी मंदिर में दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके अतिरिक्त उन्होंने 94 आरसीसी, सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के ओसी मेजर पारस कोचर से मुलाकात की और संसारी-किलाड़-तिंदी-तांदी (एसकेटीटी) सड़क से संबंधित विभिन्न विषयों पर चर्चा की। शिक्षा मंत्री का यह दौरा क्षेत्र में शिक्षा व्यवस्था की स्थिति का जायजा लेने, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों की आवश्यकताओं को समझने तथा स्थानीय लोगों की समस्याओं पर चर्चा करने के लिहाज से महत्वपूर्ण रहा।

बेटे की मौत को हत्या बताकर इंसाफ के लिए एसएसपी कार्यालय के बाहर धरने पर बैठी मां



भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। बेटे की मौत के करीब एक साल बाद भी इंसाफ नहीं मिलने का आरोप लगाते हुए गांव माजरा निवासी बलविंदर कौर अपनी बेटी मनप्रीत कौर के साथ पठानकोट में एसएसपी कार्यालय के बाहर सड़क पर धरने पर बैठ गईं। करीब 20 मिनट बाद एसपी (जांच) विशालजीत सिंह ने मां-बेटी को कार्यालय बुलाकर मामले की दोबारा निष्पक्ष जांच का भरोसा दिया, जिसके बाद महिला ने धरना समाप्त कर दिया।

◆गोल्डी सिंह मौत मामला: मां के आरोपों पर दोबारा जांच का भरोसा, एसपी ने सुनी फरियाद

बलविंदर कौर के अनुसार, उनके 34 वर्षीय बेटे गोल्डी सिंह की मौत 6 दिसंबर 2025 को पंजाब-हिमाचल सीमा के पास कीड़ियां में हुई थी। तारागढ़ पुलिस ने उसके भाई तोता राम की शिकायत पर अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ सड़क दुर्घटना का मामला दर्ज किया था। हालांकि, मां का आरोप है कि उनके बेटे की हत्या की गई और मामले को दुर्घटना साबित करने का प्रयास किया जा रहा है। महिला ने दावा किया कि बेटे के प्रेम-संबंध को लेकर रंजिश थी और इसी कारण उसकी हत्या हुई। उन्होंने परिवार को धमकियां मिलने का आरोप लगाते हुए आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई और सुरक्षा की मांग की। मृतक की बहन मनप्रीत कौर ने भी पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। परिवार ने आरोपियों पर नशे के कारोबार और हथियार रखने के आरोप भी लगाए हैं। एसपी विशालजीत सिंह ने बताया कि महिला की पुनरीक्षण याचिका सुन ली गई है। सभी नए आरोपों की निष्पक्षता से जांच होगी। जांच में दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जाएगी।

केंद्र कैंसर की दवाएं सस्ती कर दे रहा राहत हिमाचल में महंगा इलाज चिंताजनक : जम्वाल

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भाजपा के मुख्य प्रवक्ता एवं सुंदरनगर के विधायक राकेश जम्वाल ने कैंसर की दवाओं की कीमतों में कटौती के केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का आभार जताया।



उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार गंभीर बीमारियों से जूझ रहे मरीजों को आर्थिक राहत दे रही है, जबकि हिमाचल में स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर चिंताएं बनी हुई हैं। जम्वाल ने कहा कि केंद्र सरकार ने कैंसर की 137 श्रेणियों की 543 ब्रांडेड दवाओं की कीमतें घटाने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही गैर-अनुसूचित कैंसर दवाओं पर व्यापारिक मार्जिन 30 प्रतिशत तक सीमित किया गया है। इससे मरीजों के उपचार का खर्च कम होने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पात्र परिवारों को सालाना पांच लाख रुपये तक का स्वास्थ्य कवर मिलता है। वहीं, 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों के लिए भी आय की परवाह किए बिना स्वास्थ्य कवर का प्रावधान है। भाजपा नेता ने प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए डॉक्टरों की कमी, आवश्यक दवाओं की उपलब्धता और हिमकेयर योजना के भुगतान को लेकर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि रोबोटिक सर्जरी जैसी आधुनिक तकनीकों को बढ़ावा देने के साथ अस्पतालों में बुनियादी सुविधाएं सुनिश्चित करना भी जरूरी है। जम्वाल ने सरकार से अस्पतालों में दवाओं और चिकित्सा सामग्री की नियमित आपूर्ति, रिक्त पदों को भरने तथा हिमकेयर के भुगतान की स्थिति स्पष्ट करने की मांग की। उन्होंने कहा कि दूरदराज और जनजातीय क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं को मजबूत करना आवश्यक ह।

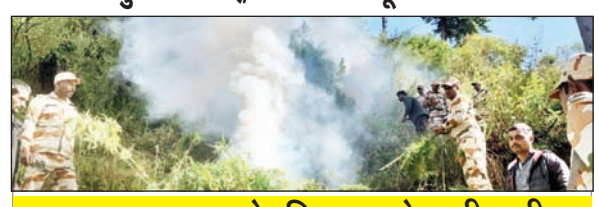
5 और 6 नवंबर को साई प्रशिक्षण केंद्र बिलासपुर में बॉक्सिंग के चयन परीक्षण

भारतेन्दु संवाददाता, बिलासपुर। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) प्रशिक्षण केंद्र बिलासपुर में आवासीय योजना के तहत 12 से 18 वर्ष आयु वर्ग के लड़कों के लिए बॉक्सिंग के चयन परीक्षण 5 और 6 नवंबर को आयोजित किए जाएंगे। केंद्र प्रभारी विजय प्रकाश नेगी ने बताया कि चयन परीक्षण केंद्र परिसर में होंगे। इसमें 12 से 14 वर्ष आयु वर्ग के अभ्यर्थियों को प्राथमिकता दी जाएगी। इच्छुक अभ्यर्थियों को जन्मतिथि प्रमाणपत्र, आधार कार्ड, खेल उपलब्धियों के प्रमाणपत्र और हाल ही में खिंचवाए गए पासपोर्ट आकार के फोटो साथ लाने होंगे। चयनित प्रशिक्षुओं को रहने, भोजन, शिक्षा शुल्क में सहायता, चिकित्सा सुविधा, खेल किट, बीमा और प्रतियोगिताओं में भाग लेने के अवसर मिलेंगे। चयनित अभ्यर्थियों को व्यक्तिगत रूप से सूचित किया जाएगा। चयन परीक्षण में भाग लेने वालों को यात्रा और दैनिक भत्ता नहीं मिलेगा।

कुल्लू में नशे के खिलाफ अभियान, 1300 हेक्टेयर भूमि से भांग की अवैध खेती की नष्ट

पतलीकूहल व मणिकर्ण के दुर्गम क्षेत्रों में संयुक्त कार्रवाई, सितंबर-अक्तूबर में 13 मामले दर्ज

भारतेन्दु संवाददाता, कुल्लू। जिला कुल्लू में अवैध भांग की खेती के खिलाफ चलाए गए संयुक्त अभियान के दौरान लगभग 1300 हेक्टेयर भूमि पर फैली भांग की अवैध खेती को चिन्हित कर नष्ट किया गया।



यह अभियान 9 सितंबर से 24 अक्तूबर तक पुलिस थाना पतलीकूहल और मणिकर्ण के अंतर्गत विभिन्न क्षेत्रों में चलाया गया। वहीं, सितंबर और अक्तूबर के दौरान जिले के छह पुलिस थाना क्षेत्रों में अवैध भांग की खेती से संबंधित 13 प्राथमिकी दर्ज की गईं। इस अभियान में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो, केंद्रीय स्वापक ब्यूरो, जिला पुलिस, विशेष कार्यबल, वन विभाग और भारत-तिब्बत सीमा पुलिस की टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। अभियान का मुख्य उद्देश्य मादक पदार्थों के अवैध उत्पादन और उनकी आपूर्ति के स्रोतों पर अंकुश लगाना रहा। पुलिस थाना पतलीकूहल के अंतर्गत नग्गर, फोजल, हलाण, नेरी, जौलांग, मेहा, खखनाल, मंडलगढ़, सरसी, सोयल, नाथन, पनकोट, जना, रुमसू और सजला सहित कई क्षेत्रों में कार्रवाई की गई। संयुक्त टीमों ने दुर्गम पहाड़ी और वन क्षेत्रों का निरीक्षण कर अवैध फसल को नष्ट किया। इसी तरह मणिकर्ण क्षेत्र के कसोल वन परिक्षेत्र तथा ग्राहण, मलाणा, विचिंग, तोष, कुटला, बरशैणी, रशोल और पुलगा सहित विभिन्न स्थानों पर अभियान चलाया गया।

नशामुक्त समाज के लिए सहयोग की अपील

जिला पुलिस के अनुसार, अवैध भांग की खेती और मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। संबंधित मामलों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि आसपास अवैध खेती या नशीले पदार्थों से जुड़ी गतिविधियों की जानकारी संबंधित विभागों को दें और नशामुक्त समाज के निर्माण में सहयोग करें।

धर्मशाला में आज भाजपा की 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा

कांग्रेस सरकार चुनावी वादों का हिसाब दे : परमार

भारतेन्दु संवाददाता, धर्मशाला। भारतीय जनता पार्टी की ओर से 30 अक्तूबर को धर्मशाला में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली जाएगी।



पदयात्रा गांधी वाटिका से शुरू होकर कचहरी अड्डा तक जाएगी। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष एवं सुलह के विधायक विपिन सिंह परमार ने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों, जनसमस्याओं और प्रदेश सरकार की जवाबदेही से जुड़े मुद्दे उठाए जाएंगे। परमार ने कहा कि लोकतंत्र में जनता का जनादेश सर्वोपरि है। राजनीतिक दलों को चुनावी परिणामों पर सवाल उठाने से पहले अपने दावों और संगठनात्मक स्थिति का आत्ममंथन करना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि मतपत्रों से हुए चुनावों के परिणाम भी उसके चुनावी विमर्श पर सवाल खड़े करते हैं। यदि किसी चुनावी प्रक्रिया पर आपत्ति है, तो उसे तथ्यों और प्रमाणों के आधार पर सामने रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि चुनावी परिणाम अनुकूल होने पर लोकतंत्र की जीत और प्रतिकूल होने पर चुनावी व्यवस्था पर सवाल उठाना उचित राजनीतिक दृष्टिकोण नहीं है। राजनीतिक दलों को अपनी जिम्मेदारियों और तर्कों में समानता बनाए रखनी चाहिए। हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए परमार ने कहा कि सरकार रोजगार, आर्थिक स्थिति, स्वास्थ्य सेवाओं और विकास कार्यों सहित चुनाव के समय किए गए वादों का स्पष्ट हिसाब जनता के सामने रखे। उन्होंने कहा कि लोगों को केवल आश्वासन नहीं, बल्कि धरातल पर दिखाई देने वाले परिणाम चाहिए। सरकार को अधूरे वादों को पूरा करने के लिए समयबद्ध योजना भी स्पष्ट करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्ष 2027 के विधानसभा चुनावों में सरकार के कामकाज और जनकल्याणकारी योजनाओं का आकलन जनता करेगी। भाजपा जनसमस्याओं को उठाती रहेगी और सरकार की जवाबदेही सुनिश्चित करने का प्रयास करेगी। बैठक में धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा, जिला भाजपा अध्यक्ष सचिन शर्मा, प्रदेश मीडिया सह-प्रभारी एडवोकेट विश्व चक्षु, महापौर शमशेर सिंह नैहरिया, दोनों मंडलों के अध्यक्ष, जिला महामंत्री देवेंद्र कोहली सहित अन्य पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। भाजपा ने नागरिकों और कार्यकर्ताओं से पदयात्रा में भाग लेने की अपील की है।

साई पॉलिटेक्निक कॉलेज बधानी में फ्रेशर पार्टी, अमर संधू के गीतों पर झूमे विद्यार्थी

अशोक ठाकुर, भारतेन्दु संवाददाता, पठानकोट। साई पॉलिटेक्निक कॉलेज बधानी में नए विद्यार्थियों के स्वागत के लिए फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समूह के चेयरमैन एसके पुंज ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।



इस अवसर पर एमडी तृप्ता पुंज, सीएमडी कंवर तुषार पुंज और उपाध्यक्ष रिया विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रसिद्ध पंजाबी गायक अमर संधू की प्रस्तुति रही। उन्होंने 'बाबू तेरे करके', 'इक मुंडा', 'चिट्टा', 'प्यार तेरा', 'गोली वर्गी', 'राइट तू लेफ्ट' और 'स्टेप कट' जैसे गीतों से विद्यार्थियों और स्टाफ का मनोरंजन किया। कॉलेज प्रबंधन ने गायक का स्वागत किया। विद्यार्थियों ने भी रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर समां बांधा। चेयरमैन एसके पुंज ने नए विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए कहा कि कॉलेज विद्यार्थियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक शिक्षा के साथ एक सफल पेशेवर बनाने पर जोर देता है। उन्होंने बताया कि संस्थान पढ़ाई के अलावा खेलकूद और अन्य गतिविधियों को भी प्रोत्साहित करता है। कॉलेज के विद्यार्थी बास्केटबॉल और फुटबॉल में राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। कार्यक्रम में निशात को मिस्टर फ्रेशर 2026 और हरगुन को मिस फ्रेशर चुना गया। आयोजन कॉलेज के प्रिंसिपल मुकेश गुप्ता की देखरेख में हुआ। इस अवसर पर निदेशक रणजीत सिंह, डॉ. विपिन गुप्ता, डॉ. दिनेश महाजन, डॉ. नवदीप सांवल, डॉ. राजेश गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अध्यक्ष, शिक्षक और विद्यार्थी मौजूद रहे।

नोरबू बरोंगपा के निधन से समाज को अपूरणीय क्षति : रवि ठाकुर

भारतेन्दु संवाददाता, केलांग। लाहौल-स्पीति के लपचंग गांव निवासी और कुल्लू के रामशीला में रह रहे नोरबू बरोंगपा के 82 वर्ष की आयु में निधन पर पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रवि ठाकुर ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि बरोंगपा का जीवन समाजसेवा और जनकल्याण के लिए समर्पित रहा तथा उनका निधन समाज के लिए अपूरणीय क्षति है। रवि ठाकुर ने बताया कि नोरबू बरोंगपा मायादास शिवदास रोटरी आई हॉस्पिटल, रुआरू (कुल्लू) के संस्थापक अध्यक्ष रहे। उन्होंने लाहौल-स्पीति पोटैटो सोसाइटी में 22 वर्षों तक सेवाएं दीं। इसके अलावा विभिन्न बैंकिंग संस्थानों के निदेशक मंडलों और बदह गोंपा सोसाइटी के अध्यक्ष के रूप में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। कुल्लू के भूतनाथ मंदिर में हजारों लोगों ने उन्हें अंतिम विदाई दी। रवि ठाकुर ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति और परिजनों को दुःख सहने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

फायदा — 'सुक्खू सरकार' की योजना से मिला प्रोत्साहन, मुख्यमंत्री का जताया आभार

ड्रैगन फ्रूट की बागवानी से संवर रही भरनाल के किसानों की आर्थिकी

रितेश चौहान, भारतेन्दु संवाददाता, सरकाघाट। मंडी जिले के उपमंडल सरकाघाट में भरनाल गांव के प्रगतिशील बागवान रूप लाल और टेक चंद ने पारंपरिक खेती के बजाय ड्रैगन फ्रूट की बागवानी शुरू कर स्वरोजगार और आत्मनिर्भरता की दिशा में सराहनीय पहल की है।



दोनों ने दो-दो बीघा जमीन पर ड्रैगन फ्रूट के बगीचे स्थापित किए हैं। रूप लाल को पहली व्यावसायिक पैदावार से करीब दो लाख रुपये की आमदनी हुई है। 'सुक्खू सरकार' के प्रोत्साहन से शुरू हुआ यह प्रयास क्षेत्र के अन्य किसानों के लिए भी प्रेरणादायक सिद्ध हो रहा है। रूप लाल बताते हैं कि वर्ष 2023 में उन्हें बागवानी विभाग सरकाघाट के माध्यम से ड्रैगन फ्रूट की खेती की संभावनाओं के बारे में जानकारी मिली। गोपालपुर स्थित पंजीकृत ड्रैगन फ्रूट नर्सरी से जंबो-रेड फ्लेश किस्म (लाल गुद्दा) के लगभग 400 पौधे खरीदकर लगाए। पौधों को सहारा देने के लिए उन्होंने आरसीसी रिंग पोल सपोर्टेड तकनीक अपनाई। बगीचे की स्थापना के लिए उन्हें सरकार की ओर से बागवानी विभाग के माध्यम से कुल स्थापना लागत पर 50 प्रतिशत अनुदान भी मिला। उन्होंने पौधों की देखभाल में प्राकृतिक और जैविक विधियों को प्राथमिकता दी तथा रासायनिक उर्वरकों का इस्तेमाल किए बिना बेहतर उत्पादन प्राप्त करने का प्रयास किया। बगीचा स्थापित करने के तीसरे वर्ष उन्हें पहली बार ड्रैगन फ्रूट की पैदावार मिली। एक सीजन में अब तक पांच से छह बार फल तुड़ाई कर चुके हैं और बाजार में लगभग 180 रुपये प्रति किलोग्राम की दर से फल बेच रहे हैं। पहली व्यावसायिक पैदावार के सीजन में उन्हें अपनी दो बीघा जमीन से करीब दो लाख रुपये की आमदनी हुई है। आने वाले समय में उत्पादन बढ़ने के साथ आमदनी में भी वृद्धि की संभावना है।

रूप लाल ने इस पहल के लिए मुख्यमंत्री सुक्खू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि बागवानों की आय बढ़ाने की दिशा में सरकार और विभाग के प्रयास किसानों को नई संभावनाएं तलाशने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

ड्रैगन फ्रूट की खेती आय बढ़ाने के लिए बेहतर

भरनाल के ही प्रगतिशील बागवान टेकचंद ने भी पारंपरिक फसलों के बजाय ड्रैगन फ्रूट की खेती अपनाई है। उन्होंने दो बीघा जमीन पर बगीचा स्थापित किया जिसके लिए स्थापना लागत पर 50 प्रतिशत अनुदान प्राप्त हुआ है। उनका कहना है कि कम लाभ देने वाली पारंपरिक फसलों के स्थान पर बागवानी से आय बढ़ाने की दिशा में किसान बेहतर कर सकते हैं। उन्होंने बागवानी को प्रोत्साहन देने के लिए प्रदेश सरकार का आभार भी व्यक्त किया।

कम पानी में लंबे समय तक उत्पादन की संभावना

उद्यान विकास अधिकारी, सरकाघाट शबनम राणा ने बताया कि ड्रैगन फ्रूट कैक्टस प्रजाति का पौधा है, जिसे अपेक्षाकृत कम पानी की आवश्यकता होती है। गर्म जलवायु वाले क्षेत्रों में इसकी खेती की अच्छी संभावनाएं हैं। ढलानदार खेतों में आवश्यक भूमि सुधार और समतलीकरण के बाद इसकी खेती की जा सकती है। उचित देखभाल और प्रबंधन के साथ ड्रैगन फ्रूट के पौधों से लगभग 17 से 20 वर्षों तक उत्पादन प्राप्त किया जा सकता है। मिशन फॉर इंटेग्रेटेड डेवल्पमेंट ऑफ हॉर्टिकल्चर (एमआईडीएच) बागवानी मिशन के तहत पात्र बागवानों को बगीचे की स्थापना लागत पर 50 प्रतिशत तक अनुदान का प्रावधान है। ड्रैगन फ्रूट की खेती में प्राकृतिक व जैविक विधियों को अपनाकर रासायनिक उर्वरकों और कीटनाशकों पर निर्भरता कम की जा सकती है। इसके अतिरिक्त, बगीचे में पौधों के बीच उपलब्ध खाली स्थान पर उपयुक्त सह-फसलें उगाकर बागवान आमदनी बढ़ा सकते हैं।

हिमाचल के हितों को सर्वोपरि रख रही मोदी सरकार : दलीप

भारतेन्दु संवाददाता, मंडी। सरकाघाट के

एलिसा शिमट का आकर्षक अंदाज

एलिसा शिमट जर्मनी की प्रसिद्ध धाविका हैं, जो 400 मीटर और रिले दौड़ में हिस्सा लेती हैं। उनका जन्म 8 नवंबर 1998 को हुआ था। खेल प्रदर्शन के साथ-साथ वह अपनी फिटनेस, आकर्षक व्यक्तित्व और सोशल मीडिया लोकप्रियता के लिए भी जानी जाती हैं।



विमेंस प्रीमियर लीग ऑक्शन में आरसीबी सबसे बैलेंस टीम

मुंबई इंडियन का मिडिल ऑर्डर दमदार, यूपी वॉरियर्ज ने छह ऑलराउंडर खरीदीं

एजेंसी, मंबई

विमेंस प्रीमियर लीग 2027 ऑक्शन में पांचों टीमों ने अपनी जरूरत के हिसाब से स्क्वॉड में बदलाव किए। यूपी वॉरियर्ज ने 6 ऑलराउंडर्स पर भरोसा जताया। आरसीबी ने अपने कोर ग्रुप को मजबूत किया। मुंबई इंडियंस ने भारतीय खिलाड़ियों की बेंच स्ट्रेंथ बढ़ाई। हालांकि, ऑक्शन में खिलाड़ियों को खरीदना सिर्फ पहला कदम है।

टीमों के लिए असली चुनौती नए और पुराने खिलाड़ियों के बीच तालमेल बनाने, सही कॉम्बिनेशन चुनने और मैदान पर अपनी कमजोरियों को दूर करने की होगी। ऑक्शन से पहले पांचों टीमों के पास कुल 27 स्लॉट खाली थे। इनमें 25 खिलाड़ियों को खरीदा गया। आरसीबी और दिल्ली के पास एक-एक स्लॉट खाली रह गया। दोनों के पर्स में सिर्फ 5-5 लाख बचे हैं।



आरसीबी में नए बल्लेबाजों पर नजर

डिफेंडिंग चैंपियन आरसीबी ने ऑक्शन में जेस जोनासन को 40 लाख रुपए, तेजल हसबनिस और क्लो ट्रायन को 30-30 लाख और वृंदा दिनेश को 10 लाख रुपए में खरीदा।

स्ट्रेंथ: स्मृति मंधाना, एलिस पेरी, जॉर्जिया वोल और ऋचा घोष की मौजूदगी बल्लेबाजी को मजबूती देती है। गेंदबाजी में लॉरेन बेल, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, पूजा वस्त्राकर व अरुंधति रेड्डी विकल्प हैं।

मुंबई इंडियंस ने खरीदीं 6 भारतीय बल्लेबाज

मुंबई ने ऑक्शन में 6 भारतीय खिलाड़ियों को खरीदा। श्वेता सहरावत को 20 लाख रुपए, जबकि दिशा कासट, लतिका इनामदार, भारती रावल, सानिका चालके और अक्षिता भगत को 10-10 लाख रुपए में शामिल किया।

स्ट्रेंथ: नैट साइवर-ब्रंट, हेली मैथ्यूज और अमेलिया केर जैसे ऑलराउंडर्स बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों में गहराई देते हैं। हरमनप्रीत कौर मध्यक्रम की अहम कड़ी हैं। शबनिम इस्माइल तेज गेंदबाजी में अनुभव लाती हैं।

यूपी की टीम में मोलिन्यू सबसे महंगी खिलाड़ी

2026 सीजन की अंक तालिका में आखिरी स्थान पर रही यूपी वॉरियर्ज ने सोफी मोलिन्यू पर 1.10 करोड़ खर्च किए। सोफी ने ऑस्ट्रेलिया को टी-20 वर्ल्ड कप 2026 जिताया था। उनके अलावा टीम ने ग्रेस हैरिस, स्नेह राणा, आशा शोभना और सुषमा वर्मा को 30-30 रुपए लाख में शामिल किया है।

स्ट्रेंथः मेग लैनिंग, फीबी लिचफील्ड, हरलीन देओल और प्रतीका रावल जैसे बल्लेबाजों से मजबूत टॉप ऑर्डर मिला है। दीप्ति शर्मा और स्नेह राणा जैसे ऑलराउंडर्स बल्लेबाजी के साथ गेंदबाजी में भी योगदान दे सकते हैं। हालांकि चार विदेशी खिलाड़ी ही खेल सकते हैं।

रेसलर काजल ढोचक ने वर्ल्ड चैंपियनशिप में बनाया रिकॉर्ड

एजेंसी, अस्ताना

भारतीय रेसलर काजल ढोचक ने वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियन में भारत को सिल्वर मेडल दिलाया। वे वर्ल्ड चैंपियनशिप में हैवी वेट कैटेगरी का मेडल जीतने वाली पहली भारतीय रेसलर बन गई हैं। बुधवार को 76 केजी के फाइनल में 18 साल की काजल को यूक्रेन की अनास्तासिया अल्पीयेवा ने 8-6 से हराया। काजल के अलावा, नीलम सिरोही को भी सिल्वर मिला। कजाकिस्तान के अस्ताना में 26 साल की नीलम 50 केजी के फाइनल में जापान की युई सुसाकी से पिन-फॉल के आधार पर हार गईं।

भारत ने सीनियर वर्ल्ड कुश्ती चैंपियनशिप में नया रिकॉर्ड बनाया। पहली बार एक ही एडिशन में भारत की 2 महिला पहलवानों ने फाइनल तक का सफर तय किया। इससे पहले 2021 में ओस्लो में हुई चैंपियनशिप में अंशु मलिक ने सिल्वर मेडल जीता था।

मेडल जीतने वाली पहली भारतीय हैवीवेट रेसलर बनीं

फाइनल में यूक्रेन की रेसलर से 6-8 से हारी



76 केजी के फाइनल में काजल का सामना यूक्रेन की अनास्तासिया अल्पीयेवा से हुआ। पहले पीरियड के बाद काजल 1-3 से पीछे थीं। उन्होंने दूसरे पीरियड में वापसी की और स्कोर 4-4 कर दिया। मैच खत्म होने से करीब 20 सेकंड पहले अल्पीयेवा ने दांव लगाकर 4 अंक हासिल किए और 8-4 की बढ़त बना ली। काजल ने आखिरी पलों में 2 अंक जुटाए, लेकिन मुकाबला 6-8 से हार गईं। काजल पहली बार सीनियर वर्ल्ड चैंपियनशिप में खेल रही थीं। फाइनल से पहले सेमीफाइनल में उन्होंने किर्गिस्तान की ऐपेरी मेदेत क्यजी के खिलाफ 1-7 से पिछड़ने के बाद वापसी की और 10-7 से जीत दर्ज की। काजल अंडर-20 वर्ल्ड चैंपियनशिप में 2 बार गोल्ड मेडल भी जीत चुकी हैं।

स्पोर्ट्स विंडो

हाइलो ओपन के प्री-क्वार्टर फाइनल में पहुंची सिंधु, अश्मिता हुईं बाहर

एजेंसी, सारब्रुकेन। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु ने हाइलो ओपन 2026 में शानदार शुरुआत करते हुए यूएई की प्रकृति



भरत को सीधे गेम में हराकर महिला एकल के प्री-क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। वहीं, भारत की अश्मिता चालिहा को पहले दौर में हार का सामना करना पड़ा। दूसरी वरीयता प्राप्त सिंधु ने राउंड ऑफ 32 के मुकाबले में भरत को महज 28 मिनट में 21-10, 21-10 से शिकस्त दी। अब उनका सामना फ्रांस की रोसी ओक्टाविया पंकसारी से होगा। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता सिंधु फ्रेंच ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन के बाद इस प्रतियोगिता में उतरी हैं। उन्होंने फ्रेंच ओपन के फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां उन्हें विश्व की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की आन से यंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। दूसरी ओर, महिला एकल में भारत की अश्मिता चालिहा का सफर पहले दौर में ही समाप्त हो गया। उन्हें बुल्गारिया की कालोयाना नलबांतोवा ने 54 मिनट तक चले मुकाबले में 18-21, 21-12, 21-8 से हराया। अश्मिता ने भी पेरिस में फ्रेंच ओपन में अच्छा प्रदर्शन किया था और क्वार्टर फाइनल तक पहुंची थीं।

चोटिल फर्ग्यूसन भारत के खिलाफ आखिरी दो टी-20 मैचों से बाहर

एजेंसी, क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज लॉकी फर्ग्यूसन



भारत के खिलाफ टी-20 सीरीज के आखिरी 2 मैचों से बाहर हो गए हैं। उनके दाएं पैर की पिंडली में चोट लगी है। न्यूजीलैंड क्रिकेट बोर्ड ने वीरवार को बताया कि मैट फिशर को टीम में शामिल किया गया है। सीरीज का चौथा मैच शुक्रवार को ऑकलैंड में खेला जाएगा। फर्ग्यूसन को यह चोट 24 अक्तूबर को दूसरे मैच के दौरान लगी थी। स्कैन में मामूली खिंचाव की पुष्टि हुई है। उन्हें वापसी में करीब एक सप्ताह और लग सकता है। तेज गेंदबाज मैट हेनरी भी टी-20 सीरीज से बाहर हो गए हैं। दूसरे मैच के दौरान उनके दाएं जांघ के अगले हिस्से में दर्द हुआ था। उन्हें ठीक होने में एक से दो सप्ताह लग सकते हैं। हेनरी को पहले से तय वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आगामी वनडे सीरीज के लिए ब्लैककैप्स में लौटना था। न्यूजीलैंड क्रिकेट ने कहा कि वह अब भी तय कार्यक्रम के अनुसार वापसी कर सकते हैं। सेंट्रल स्टैग्स के तेज गेंदबाज ब्रेट रैंडेल को न्यूजीलैंड ए टीम में बुलाया गया है। वह भारत ए के खिलाफ दूसरे मैच में फिशर की जगह लेंगे। जैमीसन के तय वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत वे वेलिंगटन में ही रहेंगे। वे शनिवार को फोर्ड ट्रॉफी के दूसरे दौर में कैंटरबरी के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं।

नोवाक जोकोविच ने बेसल ओपन में जीत के साथ की शुरुआत

एजेंसी, बेसल। सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच



ने बुधवार को बेसल ओपन में खेले गए अपने पहले मुकाबले में फ्रांस के उगो हम्बर्ट को तीन सेटों में हराकर एटीपी फाइनल्स के लिए क्वालीफाई करने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया। 39 वर्षीय जोकोविच ने पहला सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी करते हुए 4-6, 6-3, 6-4 से जीत दर्ज की। वह 2011 के बाद पहली बार बेसल में खेल रहे हैं। जोकोविच ने मुकाबले के बाद कहा, 'यह बेहद करीबी और शुरुआत से ही काफी चुनौतीपूर्ण मुकाबला था। पहले अंक से ही मुझे दबाव का सामना करना पड़ा। मुझे उनके आक्रामक खेल का सामना करना था, लेकिन दूसरे सेट की शुरुआत में मैं अपनी लय हासिल करने में सफल रहा। ' उन्होंने कहा, 'इसके बाद मुझे उनके खेल की गति के साथ तालमेल बैठाने में थोड़ी सहजता महसूस हुई। कुल मिलाकर यह बड़ी चुनौती थी। आज के कठिन मुकाबले में मैं समाधान तलाशने में सफल रहा। ' जोकोविच ने इस महीने की शुरुआत में बीजिंग में चाइना ओपन का खिताब जीतकर एटीपी फाइनल्स में रिकॉर्ड 19वीं बार जगह बनाने की अपनी उम्मीदों को मजबूत किया था। यह उनके करियर का 102वां खिताब था। हालांकि, इसके बाद उन्हें शंघाई मास्टर्स में शुरुआती दौर में ही बाहर होना पड़ा। 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीत चुके जोकोविच ने ट्यूरिन में होने वाले सत्र के अंतिम टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने की दौड़ में 11वें स्थान पर खिसकने के बाद स्विट्जरलैंड की इस प्रतियोगिता में वाइल्ड कार्ड के जरिए प्रवेश किया।

मुंबई इंडियंस ने मलिंगा, म्हाम्ब्रे और हॉपकिंसन से तोड़ा नाता



एजेंसी, मुंबई

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी मुंबई इंडियंस ने अपनी पुरुष टीम के कोचिंग स्टाफ में बड़ा बदलाव करते हुए लसिथ मलिंगा, पारस म्हाम्ब्रे और कार्ल हॉपकिंसन से अलग होने की घोषणा की है। फ्रेंचाइजी ने तीनों के योगदान, प्रतिबद्धता और सेवाओं के लिए आभार जताया है। इससे पहले टीम ने आईपीएल के मुख्य कोच महेला जयवर्धने से भी नाता तोड़ लिया था।

श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज लसिथ मलिंगा मुंबई इंडियंस के सबसे चर्चित खिलाड़ियों में शामिल रहे हैं। उन्होंने टीम के गेंदबाजी आक्रमण की अगुआई करते हुए चार आईपीएल खिताब जीतने में अहम भूमिका निभाई थी। वह 2011 में चैंपियंस लीग टी20 का खिताब जीतने वाली मुंबई की टीम का भी हिस्सा थे। खिलाड़ी के रूप में टीम से जुड़ने के बाद मलिंगा ने मेंटर और कोच की भूमिका भी निभाई। फ्रेंचाइजी ने उनके जुनून, प्रतिस्पर्धी भावना और टीम के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए कहा कि उनकी विरासत हमेशा मुंबई इंडियंस के इतिहास का महत्वपूर्ण हिस्सा रहेगी। मुंबई ने इस महीने की शुरुआत में मुख्य कोच महेला जयवर्धने से भी अलग होने की घोषणा की थी। जयवर्धने ने पिछले दो सत्रों में टीम के मुख्य कोच की जिम्मेदारी संभाली थी।

चंबा के वीरेन सिंह का भारतीय व्हीलचेयर क्रिकेट टीम में चयन

एजेंसी, चंबा/हमीरपुर। हिमाचल प्रदेश के लिए गर्व का क्षण है। जिला चंबा के प्रतिभाशाली व्हीलचेयर क्रिकेट खिलाड़ी वीरेन सिंह का चयन भारत और श्रीलंका के बीच होने वाली व्हीलचेयर क्रिकेट सीरीज 2026 के लिए भारतीय टीम में हुआ है। यह सीरीज 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक चेन्नई में खेली जाएगी। वीरेन का चयन उनकी कड़ी मेहनत, लगन और क्रिकेट के प्रति समर्पण का परिणाम है। उनकी इस उपलब्धि से जिला चंबा सहित पूरे प्रदेश में खुशी की लहर है और यह अन्य दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा बनेगी। हिमाचल प्रदेश व्हीलचेयर क्रिकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष राजन कुमार ने वीरेन को हार्दिक बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह न केवल वीरेन की व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि पूरे हिमाचल के लिए गर्व की बात है। दिव्यांग खिलाड़ियों में प्रतिभा की कमी नहीं है, उचित अवसर और प्रोत्साहन मिले तो वे देश का नाम रोशन कर सकते हैं। एसोसिएशन के कप्तान अमित ठाकुर ने भी वीरेन को बधाई देते हुए उम्मीद जताई कि वे सीरीज में शानदार प्रदर्शन कर देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।



राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में बिलासपुर के खिलाड़ियों ने जीते 16 पदक

धर्मशाला में हुई चैंपियनशिप में 9 स्वर्ण, 6 रजत और 1 कांस्य पदक जीता

ब्यूरो, बिलासपुर। धर्मशाला में 26 से 28 अक्तूबर तक आयोजित 67वीं अंडर-19 बॉयज एवं गर्ल्स हिमाचल प्रदेश स्कूल राज्य स्तरीय एथलेटिक्स चैंपियनशिप में खेलो इंडिया स्टेट सेंटर ऑफ एक्सीलेंस बिलासपुर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 16 पदक अपने नाम किए। हेड कोच गोपाल बरवाल के नेतृत्व में प्रतियोगिता में उतरे केंद्र के 21 खिलाड़ियों, जिनमें 11 लड़कियां और 10 लड़के शामिल थे, ने 9 स्वर्ण, 6 रजत और 1 कांस्य पदक जीतकर बिलासपुर का नाम रोशन किया।

लड़कियों के वर्ग में गुनगुन ने हाई जंप में 1.52 मीटर की छलांग लगाकर नया हिमाचल प्रदेश रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 200 मीटर दौड़ में भी स्वर्ण पदक जीता। गुनगुन ने 4 गुना 400 मीटर रिले में स्वर्ण और 4 गुना 100 मीटर रिले में रजत पदक हासिल किया। सुदीक्षा ने 800 मीटर दौड़ में 2 मिनट 22 सेकंड के समय



के साथ नया प्रदेश रिकॉर्ड बनाते हुए स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने 1500 मीटर दौड़ और 4 गुना 400 मीटर रिले में भी स्वर्ण पदक हासिल किए।

आरुषि ने लॉन्ग जंप और 4 गुना 400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक, जबकि 4 गुना 100 मीटर रिले में रजत पदक जीता। राधिका ने 1500 और 3000 मीटर दौड़ में दो रजत पदक तथा 4 गुना 400 मीटर रिले में स्वर्ण पदक हासिल किया। मुस्कान ने 200 मीटर दौड़ में रजत, 100 मीटर में कांस्य और 4 गुना 100 मीटर रिले में रजत पदक जीता। मानशी ने भी 4 गुना 400 मीटर रिले में रजत पदक हासिल किया। लड़कियों के वर्ग में कुल 6 स्वर्ण, 5 रजत और 1 कांस्य पदक मिले। लड़कों के वर्ग में दीपांशु ने लॉन्ग जंप में 6.56 मीटर की छलांग लगाकर तथा ट्रिपल जंप में 13.40 मीटर का प्रदर्शन करते हुए दोनों स्पर्धाओं में नए हिमाचल प्रदेश रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीते। 4 गुना 400 मीटर रिले में दीपांशु, इंद्रजीत, शिवांश और ओम ठाकुर की टीम ने रजत पदक हासिल किया। लड़कों के वर्ग में कुल 3 स्वर्ण और 1 रजत पदक प्राप्त हुआ। 4 गुना 100 मीटर रिले में इंद्रजीत, यमन, ओम ठाकुर और दीपांशु ने भी भाग लिया।

वेदांता पावर घाटे से उबरी, मुनाफा 83 करोड़ पार

पिछली तिमाही के 423 करोड़ रुपए के घाटे से कंपनी उबरकर मुनाफे में लौटी

एजेंसी, नई दिल्ली

उद्योगपति अनिल अग्रवाल की कंपनी वेदांता पावर लिमिटेड ने चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए घाटे से मुनाफे में वापसी की है। कंपनी का समेकित राजस्व सालाना आधार पर 38 प्रतिशत बढ़कर 2,908 करोड़ रुपये पहुंच गया। पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में यह 2,104 करोड़ रुपये था।

कंपनी की ओर से जारी जानकारी के अनुसार, दूसरी तिमाही में वेदांता पावर ने 83 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। इसके विपरीत, पिछली तिमाही में कंपनी को 423 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। इस तरह कंपनी ने नुकसान से उबरकर लाभ की स्थिति हासिल की है। कंपनी के वित्तीय नतीजों में असाधारण मदों से पहले के शुद्ध लाभ में भी उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई। यह लाभ सालाना आधार पर 171 प्रतिशत बढ़कर 101 करोड़ रुपये हो गया।



राजस्व में बढ़ोतरी और घाटे से मुनाफे में वापसी कंपनी के दूसरी तिमाही के प्रमुख नतीजे रहे। पिछले साल की समान तिमाही में कंपनी का राजस्व 2,104 करोड़ रुपये था, जो इस बार बढ़कर 2,908 करोड़ रुपये हो गया। वेदांता पावर के तिमाही नतीजे उसके वित्तीय प्रदर्शन में सुधार को दर्शाते हैं। पिछली तिमाही में भारी घाटे के बाद कंपनी ने दूसरी तिमाही में 83 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ दर्ज किया। वहीं, असाधारण मदों से पहले 101 करोड़ रुपये का लाभ रहा। कंपनी के आंकड़ों के अनुसार, राजस्व में सालाना 38 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई।

क्यूबा पर अमेरिकी प्रतिबंधों के खिलाफ भारत का मतदान

एजेंसी, न्यूयॉर्क। भारत ने क्यूबा पर अमेरिका की ओर से लगाए गए आर्थिक, वाणिज्यिक और वित्तीय प्रतिबंधों को समाप्त करने की मांग वाले संयुक्त राष्ट्र महासभा के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया है। भारत ने कहा कि इन प्रतिबंधों को जल्द हटाया जाना चाहिए, ताकि क्यूबा के लोगों को अंतरराष्ट्रीय सहयोग में अधिक भागीदारी का अवसर मिले और देश की विकास संबंधी जरूरतें पूरी हो सकें। 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा ने बुधवार को इस प्रस्ताव को मंजूरी दी। प्रस्ताव के पक्ष में 130 देशों ने मतदान किया, जबकि 17 देशों ने विरोध किया। वहीं, 25 देश मतदान से अनुपस्थित रहे यानी उन्होंने किसी पक्ष में वोट नहीं दिया। संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी मिशन की काउंसलर सौम्या नायर ने भारत की ओर से बयान देते हुए कहा कि महासभा बार-बार क्यूबा पर लगे प्रतिबंधों को समाप्त करने की मांग कर चुकी है। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासभा ने ऐसे कानूनों और नियमों को भी खारिज किया है, जिनका प्रभाव दूसरे देशों की सीमाओं से बाहर तक पड़ता है और जो उनकी संप्रभुता, विकास तथा समृद्धि को नुकसान पहुंचाते हैं।

अमेरिका के साथ व्यापार समझौते में भारत के संवेदनशील हितों की रक्षा करेगा : गोयल

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को कहा कि अमेरिका के साथ प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौता (बीटीए) भारत के सभी संवेदनशील हितों की रक्षा करेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि इस समझौते में भारतीय किसानों और किसी भी अन्य हितधारक के हितों से समझौता नहीं किया जाएगा।



नई दिल्ली में भारत के औद्योगिक परिवर्तन पर आयोजित चौथे आईएसआईडी-आईडीआरए राष्ट्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए गोयल ने कहा कि समझौते का पूरा ब्योरा सार्वजनिक होने पर देश के लोग इसका स्वागत करेंगे। उन्होंने समझौते की आलोचना कर रहे विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि वे पर्याप्त जानकारी के बिना इसे राजनीतिक रंग देने की कोशिश कर रहे हैं।

गोयल ने कहा कि अभी समझौते की सभी शर्तें सार्वजनिक नहीं हुई हैं, इसलिए विपक्ष की आलोचना का आधार स्पष्ट नहीं है। उन्होंने भरोसा जताया कि भारत को इस समझौते से तुलनात्मक लाभ मिलेगा। उनके अनुसार, व्यापार का आधार ही तुलनात्मक लाभ है और भारत के किसी संवेदनशील हित से समझौता नहीं किया गया है। भारत और अमेरिका ने इसी साल फरवरी में द्विपक्षीय व्यापार समझौते के पहले चरण की रूपरेखा को अंतिम रूप देने की घोषणा की थी।

ऑपरेशन सिंदूर' से और मजबूत हुई आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई: राजनाथ

एजेंसी, सेबू

फिलीपींस के सेबू में 13वीं आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक-प्लस (एडीएमएम-प्लस) में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई सिर्फ थ्योरी वाली नहीं है, बल्कि दशकों के जमीनी अनुभव और सफल ऑपरेशन से और मजबूत हुई है। 'ऑपरेशन सिंदूर' ने आतंकवादी ढांचे को खत्म करके दुनिया को आतंकवाद के खिलाफ भारत का पक्का इरादा दिखाया। भारत अपने साझेदारों के साथ यह अनुभव साझा करके सुरक्षित, स्थिर और शांतिपूर्ण इंडो-पैसिफिक बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। भारतीय प्रतिनिधिमंडल के साथ बैठक में शामिल राजनाथ सिंह ने आसियान देशों के रक्षा मंत्रियों के सामने कहा कि भारत और आसियान की युवा आबादी हमारी सबसे बड़ी ताकत है। इसी सामर्थ्य को नई दिशा देने के लिए भारत ने मजबूत 'डिफेंस यूथ ब्रिज' स्थापित करने का प्रस्ताव रखा है, जो पीपल-टू-पीपल कनेक्टिविटी, डिजिटल इनोवेशन और कैपेसिटी-बिल्डिंग को बढ़ावा देगा। युवाओं को सशक्त बनाकर हम एक सुखद, स्थिर और समृद्ध इंडो-पैसिफिक के भविष्य को मजबूत करेंगे।

उन्होंने कहा कि 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' की भावना भारत की रक्षा और विदेश नीति का मूल आधार है। एडीएमएम-प्लस की थीम 'हमारे भविष्य को एक साथ आगे बढ़ाना' साझा जिम्मेदारी, आपसी विश्वास और सहयोग के महत्व को दर्शाती है। भारत खुला, समावेशी और नियम-आधारित इंडो-पैसिफिक के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है, जिसमें आसियान की केंद्रीय भूमिका और भारत की दीर्घकालिक रणनीतिक साझेदारी महत्वपूर्ण हैं। भारत ने दशकों से भारतीय नौसेना के माध्यम से वैश्विक समुद्री व्यापार और महत्वपूर्ण समुद्री संचार लाइनों की सुरक्षा सुनिश्चित की है।

शेयर बाजार अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें स्थिर रखने से बाजार में उछाल

शेयर बाजार में उछाल, सेंसेक्स 905 अंक चढ़ा

एजेंसी, मुंबई

भारतीय शेयर बाजार में वीरवार को जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरें स्थिर रखने के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा। सेंसेक्स 905.01 अंक उछलकर 74,151.04 पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी भी 237.91 अंक की बढ़त के साथ 22,936.75 के स्तर पर पहुंच गया। इस तेजी से निवेशकों को करीब पांच लाख करोड़ रुपये के लाभ का अनुमान है। अडानी एंटरप्राइजेज के शेयरों में पांच फीसदी का उछाल आया। कोटक बैंक के शेयर भी चार फीसदी चढ़ गए।

हालांकि, कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने निवेशकों को थोड़ा सतर्क रखा। बाजार में अधिकांश क्षेत्रों में व्यापक बढ़त देखी गई।

बाजार में आज इतनी तेजी क्यों आई?



बाजार में तेजी के पीछे छह प्रमुख कारण रहे। पहला, अमेरिकी फेडरल रिजर्व ने ब्याज दरों को अपरिवर्तित रखा। दूसरा, लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन कर में कटौती की उम्मीदें बढ़ीं। तीसरा, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार में खरीदारी की। चौथा, रुपये में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले मजबूती आई। पांचवां, बॉन्ड प्रतिफल में कमी दर्ज की गई। छठा, भारतीय शेयरों का मूल्यांकन आकर्षक बना हुआ है। इन सभी कारकों ने बाजार को ऊपर धकेला।

सोना 563 एवं चांदी 2,945 रुपए सस्ती

एजेंसी, नई दिल्ली। दिवाली से पहले सोने-चांदी के दाम में गिरावट जारी है। 29 अक्तूबर को भी इनके दाम में गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 563 रुपए गिरकर 1.42 लाख रुपए आ गया है। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 2,945 रुपए कम होकर 1.90 लाख रुपए पर आ गई है। अक्तूबर में अब तक सोना करीब 6 हजार और चांदी 30 हजार रुपए सस्ती हो चुकी है।

